



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 85]

नई दिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 27, 2009/फाल्गुन 8, 1930

No. 85]

NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 27, 2009/PHALGUNA 8, 1930

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महाविदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 फरवरी, 2009

अंतिम जाँच परिणाम

विषय : चीन जन.गण., श्रीलंका तथा वियतनाम के मूल के अथवा वहां से निर्यातित कॉम्पेक्ट फ्लोरेसेंट लैम्प के आयात से संबंधित पाटनरोधी जाँच ।

सं. 14/1/2007-डीजीएडी.—1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात् अधिनियम कहा गया है) एवं सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क अथवा अतिरिक्त शुल्क का आकलन एवं क्षति निर्धारण) नियम 1995 (जिसे एतदपश्चात् नियम कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

प्रक्रिया

2. इस जाँच के संबंध में प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित प्रक्रिया का अनुसरण किया गया है ।

- (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) ने चीन जन.गण., श्रीलंका एवं वियतनाम (जिन्हें एतदपश्चात् संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जाँच शुरू करते हुए दिनांक 30 अगस्त, 2007 को एक जांच शुरूआत अधिसूचना जारी की थी जिसे भारत के राजपत्र में विधिवत अधिसूचित किया गया था ।
- (ii) मैसर्स इंडो एशियन फ्यूज गियर्स लि., मै. हेवेल्स इंडिया लि. एवं मैसर्स ओसराम इंडिया प्रा.लि. (जिन्हें एतदपश्चात् आवेदक कहा गया है), जिनका उल्लिखित उत्पाद के घरेलू उत्पादन में प्रमुख अनुपात है, से एक आवेदन प्राप्त होने पर चीन जन.गण., श्री लंका एवं वियतनाम के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सीकेडी अथवा एसकेडी स्थितियों में सहयोजित हों अथवा नहीं; बैलास्ट/कंट्रोल गियर/चोक सहित अथवा रहित कॉम्पेक्ट फ्लोरेसेंट लैम्पों (जिन्हें एतदपश्चात् सीएफएल कहा गया है) के पाटन के संबंध में पाटनरोधी कार्यवाही शुरू की गई थी । आवेदन में संबद्ध देशों से उल्लिखित उत्पाद के पाटन और उसके परिणामस्वरूप हुई वास्तविक क्षति का पर्याप्त साक्ष्य

प्रस्तुत किया गया है, जिसे इस कार्यवाही की शुरुआत का औचित्य सिद्ध करने की दृष्टि से पर्याप्त माना गया।

- iii) प्राधिकारी ने संबंधित नियम 5 के उपनियम (5) के अनुसार जांच की शुरुआत करने से पहले पाटन संबंधी आवेदन की प्राप्ति के बारे में भारत स्थित संबद्ध देश के दूतावासों को अधिसूचित किया था;
- iv) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने भारत स्थित संबद्ध देश के दूतावासों, संबद्ध देश से ज्ञात निर्यातकों और आवेदकों द्वारा उपलब्ध कराए गए पतों के अनुसार आयतकों तथा घरेलू उद्योग को दिनांक 30 अगस्त, 2007 की जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना की प्रतियां भेजी थीं और उनसे जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना की तारीख के 40 दिनों के भीतर अपने विचारों से लिखित रूप में अवगत कराने का अनुरोध किया था।
- v) प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 6 के अनुसार ज्ञात निर्यातकों और चीन जन.गण., श्रीलंका एवं वियतनाम के दूतावासों को आवेदन के अगोपनीय अंश की प्रतियां उपलब्ध कराई थीं।
- vi) चीन जन.गण., श्रीलंका एवं वियतनाम के भारत स्थित दूतावासों को नियम 6 के अनुसार जांच की शुरुआत के बारे में सूचित किया गया था और उनसे उनके देश के निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित समयावधि के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह देने का अनुरोध किया गया था। निर्यातकों/उत्पादकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावली की एक प्रति निर्यातकों के नाम और पतों के साथ उन्हें भी भेजी गई थी।
- vii) आवेदक ने प्राधिकारी से वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ चीन को गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश मानने का अनुरोध किया था। जांच शुरुआत के प्रयोजनार्थ चीन जन.गण. के संबंध में सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ समुचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में थाइलैण्ड, कोरिया गणराज्य अथवा मलेशिया में संबद्ध वस्तुओं की कीमत के आधार पर चीन जन.गण. में सामान्य मूल्य पर विचार किया गया था। प्राधिकारी ने चीन के ज्ञात निर्यातकों को सूचित किया था कि वह आवेदक के इस दावे की जांच यथासंशोधित पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा (7) एवं (8) में किए गए उल्लेख के अनुसार करने का प्रस्ताव करते हैं। अतः चीन जन.गण. के संबद्ध वस्तुओं के संबंधित निर्यातकों/उत्पादकों को सलाह दी गई थी कि वे पैराग्राफ 8 के उप पैराग्राफ (3) में यथा उल्लिखित आवश्यक जानकारी/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करें, ताकि यह विचार कर सकें कि क्या सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों, जो यह प्रदर्शित कर सकें कि वे उल्लिखित पैराग्राफ में निर्धारित मापदंडों को पूरा करते हैं, को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान किया जा सकता है। बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रदान करने के लिए चीन के सभी ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों एवं चीन जनवादी गणराज्य के दूतावास को एक प्रश्नावली अग्रेषित की गई थी।

- (ii) प्राधिकारी ने नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देश के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को संगत सूचना प्रस्तुत करने के लिए प्रश्नावलियां भेजी थीं ।

- मै. फिलिप्स एंड यार्मिंग लाइटिंग कं. लि., चीन
- मै. छांगचुन इलेक्ट्रिक वायर एंड बल्ब फेक्ट्री, चीन
- मै. फ्यूजियान फूझोक लाइट बल्ब फेक्ट्री, चीन
- मै. गुआनघू फ्लैश लाइट इंडस्ट्रियल कॉर्पोरेशन, चीन
- मै. गुआनघू पेनयू सीगल फ्लैश लाइट इंडस्ट्री कं., चीन
- मै. हेनान एनियांग बल्ब फेक्ट्री, चीन
- मै. जियानसु जुझोक एवरलास्टिंग लाइटिंग इलेक्ट्रिकल एक्जूपमेंट होल्डिंग कं. लि., चीन
- मै. लेजिंग इलेक्ट्रिक बल्ब फेक्ट्री, चीन
- मै. शंघाई यार्मिंग इलेक्ट्रिक लैंप वर्क्स कं. लि. चीन
- मै. चंझू रेडसन इलेक्ट्रिकल एप्लाइंस मैनुफैक्चरिंग कं. लि., चीन
- मै. झेजिंग सनलाइट ग्रुप कंपनी लि., चीन
- मै. रांग डांग सोर्स एंड वेक्यूम फ्लास्क ज्वाइंट स्टॉक कंपनी, वियतनाम ।
- मै. सियरनर्जी इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी प्रा.लि., श्रीलंका ।
- मै. कथावासी (प्रा.) लि. श्रीलंका ।

ix) निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों से जांच शुरुआत नोटिस तथा निर्यातक प्रश्नावली का विस्तृत उत्तर प्राप्त हुआ है:

- मै. फोशान इलेक्ट्रिकल एंड लाइटिंग कं. लि., चीन
- मै. येनयांग इलेक्ट्रॉनिक फ्लोरेसेंट लैम्प फेक्ट्री, चीन
- मै. ओसराम चाइना लाइटिंग लि., चीन जन.गण.
- मै. फिलिप्स एंड यार्मिंग लाइटिंग कं. लि., चीन
- मै. शिन क्वांग लंका (प्रा.) लि. श्रीलंका

- x) निम्नलिखित आयातकों से आयातक प्रश्नावली के उत्तर प्राप्त हुए हैं :

- मै. स्टारलाइट लाइटिंग लिमिटेड, नासिक ।

मै. फिलिप्स इलेक्ट्रॉनिक इंडिया लि.

मै. ओसराम इंडिया (प्रा.) लि.

मै. क्राम्पटन ग्रीव्स लि.,

मै. विप्रो. लि.

xii). जांच शुरुआत संबंधी अभ्यावेदन ईएसएलएमए इंडिया, क्राम्पटन ग्रीव्स, बजाज इलेक्ट्रिकल, विप्रो, फिलिप्स इलेक्ट्रिकल लि. और एशियन इलेक्ट्रॉनिक्स लि. तथा अन्य पक्षों, जिनके नाम नीचे (viii) में दिए गए हैं, द्वारा संयुक्त रूप से प्राप्त हुआ था। मै. सुकियान देडा लाइटिंग कं. लि., जियांगसु, चीन और हांगझाऊ लिनान डॉगफेंग लाइटिंग फैक्ट्री, चीन ने भी जांच शुरुआत का उत्तर दिया था और उत्तर देने के लिए समय का अनुरोध किया था, जिसे प्रदान किया गया था। तथापि, इन कंपनियों ने प्रश्नावली का कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया।

xiii) इसके अलावा, नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मंगाने के लिए भारत स्थित निम्नलिखित पक्षकारों को प्रश्नावली भेजी गई थी।

मै. डेको गोल्ड इलेक्ट्रॉनिक्स लि., मोरबी, गुजरात।

मै. एच.क्यू. लैम्प मैन्युफैक्चरिंग कंपनी, हरिद्वार, उत्तरांचल।

मै. डेल्टा इलेक्ट्रॉनिक्स, नोएडा, उत्तर प्रदेश।

मै. सोनेरा टाइम एंड लाइट मैन्यु. कं. राजकोट, गुजरात

मै. क्लॉक मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (इंडिया), मोरबी, गुजरात।

मै. अजन्ता मैन्युफैक्चरिंग लि., मोरबी, गुजरात।

मै. अजन्ता लि., मोरबी, गुजरात।

मै. अजन्ता इंडिया लि., मोरबी, गुजरात।

मै. सिआमा कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स एंड एप्लाइन्स मैन्यु. एसोसिएशन, नई दिल्ली

मै. सूर्या रोशनी लि., नई दिल्ली।

मै. शिल्पा इलेक्ट्रिकल प्रा. लि., पेरियामेट, चेन्नई।

मै. समय इलेक्ट्रॉनिक्स प्रा. लि., मोरबी, गुजरात।

मै. क्रॉम्पटन ग्रीव्स लि. लाइटिंग डिविजन, बड़ौदा, गुजरात।

मै. एच.क्यू. लैम्प मैन्यु. कंपनी, हरिद्वार, उत्तरांचल।

मै. स्टारलाइट लाइटिंग लि., नासिक, महाराष्ट्र।

मै. मोरबी चेम्बर्स आफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, तुलसी शॉपिंग सेंटर, मोरबी, गुजरात ।

मै. क्राम्पटन ग्रिक्स लि., मुंबई ।

मै. बजाज इलेक्ट्रिकल लि., मुंबई ।

मै. विप्रो. लिमिटेड, बंगलूर ।

मै. फिलिप्स इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लि., गुडगांव, हरियाणा ।

मै. एशियन इलेक्ट्रॉनिक्स, महाराष्ट्र ।

मै. जे.जी. इलेक्ट्रॉनिक्स एंड एलाइड लि., चेन्नई ।

मै. देवराज एंटरप्राइजेज (प्रा.) लि., बोरीवली (प.), मुंबई ।

xiii) इस आयातक प्रश्नावली के उत्तर और/या टिप्पणियां निम्नलिखित कंपनियों से प्राप्त हुई हैं :-

मै. डेल्टा इलेक्ट्रॉनिक्स, नोएडा, उत्तर प्रदेश ।

मै. एच.क्यू, लैम्प मैन्युफैक्चरिंग कंपनी, हरिद्वार, उत्तरांचल ।

(xiv) प्राधिकारी ने एक सार्वजनिक फाइल के रूप में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय अंश उपलब्ध कराए थे, जिसे हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षण हेतु खुला रखा गया था ।

(xv) पिछले तीन वर्षों और जांच अवधि के लिए संबद्ध वस्तुओं के आयातों के ब्यौरों की व्यवस्था करने के लिए वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से अनुरोध किया गया था ।

(xvi) सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना पर आधारित उत्पादन की इष्टतम लागत और भारत में संबद्ध वस्तु को बनाने और बेचने की लागत ज्ञात की गई थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग की क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा ।

(xvii) जांच 1 अप्रैल, 2006 से शुरू होकर 31 मार्च, 2007 (जांच अवधि) तक की अवधि में की गई थी । क्षति विश्लेषण के संदर्भ में प्रवृत्तियों की जांच में अप्रैल, 2003-मार्च, 2004, अप्रैल, 2004-मार्च, 2005, अप्रैल, 2005-मार्च, 2006 और जांच अवधि शामिल थी ।

xviii) प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की मौके पर जाकर जांच की थी । यह अभिनिश्चित करने के लिए कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगी; घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत जानकारी के आधार पर सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार उत्पादन लागत तथा

भारत में वस्तुओं का विनिर्माण एवं विक्रय करने की लागत ज्ञात करने के उद्देश्य से घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत का भी विश्लेषण किया गया ।

- xix) प्राधिकारी ने प्राथमिक जांच परिणाम दिनांक 12 मार्च, 2008 की अधिसूचना सं. 14/1/2007-डीजीएडी तथा तत्पश्चात शुद्धि पत्र अधिसूचना सं. 14/1/2007-डीजीएडी द्वारा जारी किए थे, जिन्हें भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-1 खंड 1 दिनांक 2 जुलाई, 2008, 5 अगस्त, 2008 एवं 3 अक्टूबर, 2008 को प्रकाशित किया गया था ।
- xx) हितबद्ध पक्षकारों को मौखिक रूप से सुनने के लिए प्राधिकारी ने दिनांक 17 जुलाई, 2008 को एक सार्वजनिक सुनवाई का आयोजन किया था, जिसमें घरेलू उद्योग, संबद्ध देशों के संबद्ध वस्तुओं के निर्यातकों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया था । सार्वजनिक सुनवाई में भाग लेने वाले पक्षकारों से मौखिक रूप से व्यक्त विचारों एवं लिखित निवेदन के रूप में प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था । हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त लिखित निवेदनों पर विचार किया गया है और जिस सीमा तक वे सुसंगत थे और साक्ष्य द्वारा प्रमाणित थे, उन्हें प्रकटीकरण में शामिल किया गया;
- xxi) प्राधिकारी ने नियमावली के अनुसार सामान्य मूल्य एवं पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए सहयोगी निर्यातक के आंकड़ों का सत्यापन भी किया ।
- xxii) प्राधिकारी ने एक सार्वजनिक फाइल के रूप में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय अंश उपलब्ध कराए थे, जिसे हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षण हेतु खुला रखा गया था ।
- xxiii) प्राधिकारी ने दिनांक 01.12.2008 के अपने पत्र के माध्यम से हितबद्ध पक्षकारों को जांच अवधि तीन माह बढ़ाने अर्थात् 28.02.2009 तक किए जाने के संबंध में अवगत कराया था ।
- (xxiv) प्राधिकारी ने विचाराधीन अनिवार्य तथ्य, जो अंतिम निर्धारण का आधार बन सकते हैं का ब्यौरा देते हुए एक विस्तृत प्रकटीकरण विवरण दिनांक 13.02.2009 को जारी किया, जिसमें हितबद्ध पक्षकारों को अपने निवेदन दिनांक 13.02.2009 तक प्रस्तुत करने का समय दिया गया है ।
- (xxv) विवरण में **** हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना प्रदर्शित करता है जिसे प्राधिकारी ने नियमावली के अंतर्गत गोपनीय माना है ।

विचाराधीन उत्पाद एवं समान वस्तु

3. विचाराधीन उत्पाद ब्लास्ट/कंट्रोल गियर/चोक सहित अथवा रहित कॉम्पैक्ट फ्लोरेसेंट लैंप है, चाहे सीकेडी या एसकेडी स्थितियों के साथ संयोजित हो अथवा नहीं। ब्लास्ट/कंट्रोल गियर/चोक के बिना असंयोजित सीएफएल में शील्ड ट्यूबलर सेल होता है, जो लैंप आधार के साथ अथवा उसके बिना होता है। तैयार कॉम्पैक्ट फ्लोरेसेंट लैंप (i) अंतर्निहित इंटीग्रेटेड ब्लास्ट/कंट्रोल गियर्स/चोक के साथ इंटीग्रेटेड प्रकार के और (ii) नॉन इंटीग्रेटेड अंतर्निहित ब्लास्ट/कंट्रोल गियर्स/चोक के बिना नॉन इंटीग्रेटेड प्रकार के होते हैं।

4. सीएफएल को आम तौर पर एकल अंत वाले फ्लोरेसेंट लैंप के रूप में परिभाषित किया जाता है जिसके साथ छोटे व्यास की एक झुकी हुई डिस्चार्ज ट्यूब लगी होती है तथा इसमें प्रचालन के लिए अंतर्निहित "ब्लास्ट/कंट्रोल गियर/चोक" के साथ अथवा बिना अत्यंत कॉम्पैक्ट रूप में बनाते हैं। विचाराधीन उत्पाद में निम्नलिखित शामिल हैं :-

- क. समेकन/समेकित अंतर्निहित ब्लास्ट/कंट्रोल गियर/चोक के साथ सीएफएल। इन्हें सेल्फ ब्लेस्टेड के रूप में भी जाना जाता है। ये संपूर्ण और प्रयोग के लिए तैयार इकाइयां हैं।
- ख. असमेकित सीएफएल जिनमें अंतर्निहित ब्लास्ट/कंट्रोल गियर/चोक नहीं होते हैं। यह ऐसे सीएफएल होते हैं जिनमें लाइट फिटिंग में स्थायी रूप से वायर्ड बाहरी ब्लास्ट के साथ विद्युतीय रूप से जोड़ा गया होता है। इन मामलों में ब्लास्ट और सीएफएल को अलग-अलग उत्पाद के रूप में उत्पादित और बेचा जाता है और किसी भी उत्पाद को प्रतिस्थापक के रूप में प्रतिस्थापित किया जा सकता है।
- ग. ब्लास्ट/चोक/कंट्रोल गियर के बिना असंयोजित सीएफएल में लैम्प बेस के साथ/उसके बिना शील्ड ग्लास ट्यूबलर होता है जो प्रसंस्कृत अथवा उसके बिना होता है। इसका आयात एक रिक्त खोल अथवा फिलामेंट, कैप आदि जैसे अन्य संघटकों के साथ अथवा उनके बिना पहले से फिट किए गए और सीएफएल का हिस्सा बनाने वाले भाग के रूप में किया जा सकता है। शील्ड ग्लास ट्यूबलर खोल विचाराधीन उत्पाद के दायरे में आते हैं।

5. याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में यह दावा किया है कि संबद्ध वस्तुएं विभिन्न किस्मों और प्रकारों में बड़ी संख्या में उत्पादित की जा रही हैं और बेची जा रही हैं। याचिकाकर्ता ने संबद्ध वस्तुओं को निम्नलिखित तीन श्रेणियों में श्रेणीबद्ध किया है :-

- क. असंयोजित सीएफएल, चाहे आगे प्रसंस्कृत हो अथवा नहीं;
- ख. बाहरी चोक के साथ प्रयोग के लिए तैयार कॉम्पैक्ट फ्लोरेसेंट लैंप; और
- ग. आंतरिक चोक के साथ प्रयोग के लिए तैयार कॉम्पैक्ट फ्लोरेसेंट लैंप।

6. याचिकाकर्ता ने आगे यह बताया है कि सीएफएल का उत्पादन और बिक्री अलग-अलग कॉटेजों में की जाती है। तदनुसार याचिकाकर्ता ने दावा किया कि विभिन्न उत्पाद किस्मों को ऊपर उल्लिखित 3 श्रेणियों और वेटेजेज के अनुसार अलग-अलग विभक्त किया जा सकता है। इन्हें निम्नलिखित उत्पाद नियंत्रण प्रणाली (पीसीएन प्रणाली) के अनुसार अलग-अलग किस्मों में श्रेणीबद्ध किया गया है। पालन की गई पद्धति का नीचे वर्णन किया गया है।

क. सर्वप्रथम उत्पाद को सीएफएल की निम्नलिखित किस्मों में श्रेणीबद्ध किया गया है।

- 1- लैम्प बेस के बिना सील्ड ग्लास
- 2- चोक के बिना सीएफएल
- 3- चोक के साथ सीएफएल

पीसीएन में दिया गया पहला अंक सीएफएल की श्रेणी बताता है।

ख. दूसरी बात यह है कि विभिन्न वेटेजेज के सीएफएल का संगत अवधि के दौरान आयात किया गया है। प्रत्येक श्रेणी के भीतर सीएफएल की विभिन्न किस्मों को सीएफएल की वेटेजेज पर विचार करते हुए अभिज्ञात किया गया है। आयातित सीएफएल की वेटेजेज अभिज्ञात करने के लिए 2 अंकीय कोड का प्रयोग किया गया है।

7. ऊपर वर्णित पद्धति पर विचार करते हुए प्रत्येक ज्ञात आयात सौदे के साथ पीसीएन को अभिज्ञात किया गया है। उदाहरणार्थ :-

उत्पाद श्रेणी	कोड	वेटेजेज	पीसीएन
लैम्प बेस रहित सील्ड ग्लास	1	20	120
चोक रहित सीएफएल	2	05	205
चोक सहित सीएफएल	3	36	336

8. प्रकटीकरण विवरण का उत्तर

(क) घरेलू उद्योग

निर्दिष्ट प्राधिकारी ने विस्तृत जांच के आधार पर विचाराधीन उत्पाद तथा समान वस्तु के दायरे, याचिकाकर्ताओं की स्थिति तथा घरेलू उद्योग के दायरे का सही निर्धारण किया है। इस संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी से प्रकटीकरण विवरण की पुष्टि करने का अनुरोध करते हैं।

याचिकाकर्ताओं ने यह प्रदर्शित करने के लिए साक्ष्य प्रस्तुत किया है कि :-

(क) सबसे पहली बार पाटनरोधी शुल्क लगाने से पहले भारतीय उत्पादक उत्पादन सुविधाओं की स्थापना कर रहे थे, जिसमें सील्ड शेल्स तथा निर्मित, उपयोग हेतु तैयार सीएफएल दोनों का उत्पादन शामिल था। इसमें याचिकाकर्ता कंपनियों जैसी कंपनियां शामिल हैं।

(ख) पहली बार पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद भारतीय उत्पादन मोटे तौर पर उत्पादन सुविधाओं की स्थापना कर रहे थे, जिसमें सील्ड शेल्स की उत्पादन सुविधाएं शामिल नहीं थीं। ये उत्पादन सुविधाएं मोटे तौर पर सील्ड बर्नरों के उत्पादन हेतु उत्पादन सुविधा रहित एसेम्बली लाइन प्रचालन थीं।

(ग) वर्तमान जांच की शुरुआत के बाद भारतीय उत्पादन सुविधाओं की स्थापना कर रहे हैं, जिसमें सील्ड शेल्स तथा निर्मित, उपयोग हेतु तैयार सीएफएल की उत्पादन सुविधाएं शामिल हैं।

इस प्रकार यह स्पष्ट है कि याचिका के दायरे से और अंततः शुल्क के दायरे से सील्ड बर्नर को हटाए जाने की परिणति देश में एसेम्बली लाइन प्रचालनों की स्थापना एवं इस उत्पाद के निरंतर पाटन में हुई। यह भी स्पष्ट है कि सील्ड बर्नर को शामिल किए जाने की परिणति भारतीय उत्पादकों द्वारा सील्ड बर्नरों की उत्पादन सुविधाओं की स्थापना में हुई है।

(ख) फिलिप्स एंड यार्मिंग, चीन

(i) विस्तृत निवेदन से यह स्पष्ट है कि सीएफएल के पुर्जे सीएफएल के समान उत्पाद नहीं हैं। सीएफएल के पुर्जों में संपूर्ण अथवा तैयार सीएफएल की "अनिवार्य विशेषताएं" नहीं होतीं। माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत दिनांक 30 जुलाई, 2008 के पत्र का संदर्भ लें जिसमें एक पूरे सीएफएल के संघटकों की लागत का विश्लेषण किया गया है और सीएफएल की उत्पादन प्रक्रिया का विस्तृत ब्यौरा दिया गया है जो एक पूंजी गहन प्रक्रिया है। यह उस स्थिति से भिन्न है जब चीन जन.गण. से मापन टेपों के मामले में माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी ने मापन टेपों के वास्तविक सूचकांकों के भीतर मापन टेपों के पुर्जों पर पाटनरोधी शुल्क लगाना उचित समझा था; जबकि यह उत्पाद को पूर्ण रूप देने के उद्देश्य से हाथों से किया जाने वाला साधारण संयोजन था। सीएफएल विनिर्माण में ऐसा नहीं किया जाता। उपयोग के लिए तैयार सीएफएल का संयोजन एक बेहत जटिल और पूंजी गहन प्रक्रिया है। माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी ने इस तथ्य का सत्यापन जांच की कार्रवाई के दौरान किया है।

(ii) विचाराधीन मुद्दे के पक्ष में और प्रमाण देने के उद्देश्य से, सीएफएल की बिक्री के व्यवसाय में संलग्न एक व्यापारी द्वारा दिए गए शपथ पत्र के माध्यम से यह दर्शाया गया था कि सीएफएल के पुर्जे और पूर्ण सीएफएल समान वस्तु नहीं हैं

- क्योंकि उनका अंतिम उपयोग एक समान नहीं है और प्रश्नगत उत्पाद का प्रयोग अंतिम उपभोक्ताओं द्वारा भिन्न-भिन्न तरीके से किया जाता है ।
- (iii) विटामीन सी के मामले में प्राधिकारी के पिछले जांच परिणाम का हवाला दिया गया है ।
- (iv) इस तथ्य के बारे में कोई विवाद नहीं है कि माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा पैरा 11 के अंतर्गत दिए गए निष्कर्ष के अनुसार दो उत्पादों को एक ही प्रकार की जांच का भाग नहीं बनाया जा सकता । प्रश्नगत मुद्दा, जिस पर पुनर्विचार करना अपेक्षित है, यह है कि क्या बर्नर चोक युक्त अथवा चोक रहित सीएफएल को तकनीकी रूप से प्रतिस्थापित कर सकता है । इसका उत्तर स्पष्टतः "नहीं" है । रिकार्ड में एक न्यायिक निष्कर्ष भी दर्ज है कि अग्रिम निर्णय (2004(168) ईएलटी 164 (एएआर)) के अंतर्गत प्राधिकारी के आदेश के अनुसार सीएफएल के पुर्जों में संपूर्ण सीएफएल की "अनिवार्य विशेषताएं" नहीं होतीं । अतः पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए घरेलू उद्योग, पाटन, दोनों उत्पादों हेतु क्षति एवं कारणात्मक संबंध जैसे पहलुओं पर माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा स्पष्ट रूप से विचार किया जाना अपेक्षित था ।
- (v) याचिकाकर्ता द्वारा घरेलू बाजार में सीएफएल के पुर्जों की कोई बिक्री नहीं की जा रही है ।
- (vi) इसके अलावा, चाहे ये कंपनियां, जो कॉम्पेक्ट फ्लोरोसेन्ट लैम्प हेतु सील्ड ग्लास ट्यूब्यूलर शेल्स/बर्नरों का आयात करती हैं और उन्हें कॉम्पेक्ट फ्लोरोसेन्ट लैम्प में संयोजित करती हैं, आधारभूत उत्पाद सुविधाएं निर्मित नहीं करतीं; परंतु निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस बात का ध्यान रखना अपेक्षित है कि ये कंपनियां केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम के अंतर्गत यथा परिभाषित "विनिर्माताओं" के रूप में पंजीकृत हैं और उत्पाद शुल्क का भुगतान करती हैं । अतः जहां तक "कॉम्पेक्ट फ्लोरोसेन्ट लैम्प" उत्पाद का संबंध है इन कंपनियों को घरेलू उद्योग के दायरे से बाहर रखने का कोई व्यक्तिगत कारण अथवा कानूनी आधार नहीं है । इसके अलावा, ऐसे अनेक निर्णय नीचे उल्लिखित हैं जो वर्तमान मामले की तथ्यात्मक स्थिति को वैध ठहराते हैं, जिनमें कहा गया है कि उत्पाद को संयोजित किया जाना भी विनिर्माण करना होता है, जैसा कि केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम की धारा 2(च) में परिभाषित किया गया है । अतः इन कंपनियों को उत्पाद शुल्क अधिनियम के अंतर्गत यथा परिभाषित "विनिर्माता" के दर्जे से वंचित करने का कोई क्षेत्राधिकार निर्दिष्ट प्राधिकारी को नहीं है । इस संबंध में बीपीएल इंडिया लि. बनाम कोचिन, 2002(143)ईएलटी 3 (एससी) एवं मेजेस्टिक ऑटो लि. बनाम केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त, मेरठ 2001(130) ईएलटी 551(ट्राइ.-दिल्ली) का संदर्भ दिया गया है ।
- (vii) हितबद्ध पक्षकारों का यह निवेदन है कि वित्त मंत्रालय द्वारा सीमाशुल्क अधिसूचना करना अपनी स्वयं की कार्रवाई के विपरीत होगा कि जहां एक ओर यह इन कंपनियों को "घरेलू उद्योग" के दायरे से बाहर रखने की सिफारिश को अस्वीकार करता है वहीं दूसरी ओर इनसे उत्पाद शुल्क के रूप में राजस्व

का संग्रहण करता है और कॉम्पैक्ट फ्लोरेसेन्ट लैम्पों के "विनिर्माता" के रूप में उनकी स्थिति को मान्यता प्रदान करता है। इस प्रकार माननीय मंत्रालय सीमाशुल्क अधिसूचना को संस्वीकृत नहीं कर सकता और परित्याग एवं अनुमोदन एक साथ नहीं कर सकता और यदि इसे जारी किया जाता है तो यह अवैध पक्षपातपूर्ण एवं कानूनी प्राधिकार से रहित होगा।

- (viii) पक्षकारों ने निवेदन किया है कि माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी से स्थिति के बारे में मूलभूत आधार के अनुसार निष्कर्ष पर पहुंचने और परिणामतः दोनों उत्पादों, जो यह स्पष्ट है कि वे समान वस्तु नहीं हैं, की जांच की शुरुआत में चूक हुई है।

निर्यातकों, आयातकों, ग्राहकों तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार

9. जांच की शुरुआत के पश्चात और मौखिक सुनवाई के दौरान भी अनेक हितबद्ध पक्षकारों ने निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष अभ्यावेदन किया और विभिन्न मुद्दे उठाए, जिनका प्रमुख लक्ष्य उत्पाद के कुछेक प्रकारों को शामिल करने का विरोध करना था। उनका कहना था कि सील्ड ग्लास ट्यूबलर सेल्स कॉम्पैक्ट फ्लोरेसेंट लैंप नहीं होते हैं और विगत में पाटनरोधी शुल्क लगाते समय भी उत्पाद के इन प्रकारों को शामिल नहीं किया गया था; इसलिए इन्हें विचाराधीन उत्पाद के दायरे में शामिल नहीं किया जाना चाहिए। यह भी तर्क दिया गया है कि सील्ड ग्लास ट्यूबलर सेल्स वस्तुतः कॉम्पैक्ट फ्लोरेसेंट लैंपों के उत्पादन के लिए अपेक्षित कच्ची सामग्री निविष्टि हैं और सील्ड ग्लास ट्यूबलर सेल्स तथा कॉम्पैक्ट फ्लोरेसेंट लैंप दो अलग-अलग उत्पाद हैं।

प्राधिकारी द्वारा जांच

10. जांच से यह पता चला है कि सीएफएल के उत्पादन में प्रयुक्त उत्पादन प्रक्रिया निम्नानुसार है :-

- क. सील्ड ग्लास ट्यूबलर शेल की स्थिति तक की उत्पादन प्रक्रिया में ग्लास ट्यूब कटिंग, ग्लास ट्यूब को धोना एवं सुखाना, ट्यूब को मोड़ना, कोटिंग, अंतिम सफाई, ट्यूब बेकिंग, एग्जास्ट ट्यूब कटिंग, माउंट मेकिंग, ट्यूब सीलिंग, फ्यूजन, एग्जास्टिंग (वेक्यूमाइजेशन, ड्रापिंग मर्करी, अंतर्निहित गैसों भरना, कैप्सूल को सक्रिय करना), कैपिंग/बेसिंग शामिल हैं।
- ख. प्रयोग के लिए तैयार सीएफएल (चोक या कोर लैंप रहित) सीएफएल हेतु सील्ड ग्लास ट्यूबलर शेल में उत्पादन प्रक्रिया में स्टार्टर एवं केपिसिटर कनेक्शन (केवल दो पिन वाले कोर लैंप के मामले में, परंतु 4 पिन कोर लैंप में स्टार्टर और केपिसिटर जरूरी नहीं होता है), बॉटम कैप फिक्सिंग, कैप बेस क्रिम्पिंग, तार काटना, पिन लगाना, प्लास्टिक कैप नोचिंग, एजिंग शामिल हैं।

- ग. प्रयोग के लिए तैयार सीएफएल (चोक सहित) के लिए उत्पादन प्रक्रिया में चोक लगाना (चोक को या तो बाहर से लिया जा सकता है या फिर पाप्युलेटिड पीसीबी से कारखाने के अंदर ही उत्पादित किया जा सकता है), प्लास्टिक बॉटम फिक्सिंग, कैप फिटिंग, क्रिप्पिंग आफ कैप, सोल्डरिंग, एजिंग शामिल हैं ।

10.1 तीन याचिकाकर्ता कंपनियों के परिसर में मौके पर जांच की गई थी, जिनमें उत्पादन प्रक्रिया, विशेष रूप से ऊपर अभिज्ञात प्रक्रिया के संदर्भ में, को विस्तृत रूप से देखा गया था । याचिकाकर्ता कंपनियों को संयंत्र एवं मशीनरी में अपने निवेशों को दो भागों में निम्नानुसार बांटने का निर्देश दिया गया था जिनमें:-

- क. सील्ड ग्लास ट्यूबलर सेल्स तक निवेश;
ख. प्रयोग के लिए तैयार सीएफएल बनाने के लिए संयोजन प्रचालन;
ग. चोक के उत्पादन में शामिल संयोजन प्रचालन ।

संगत सूचना निम्नानुसार बताई गई है :-

आंकड़े लाख रुपए में					
कंपनी	हैवल्स	इंडोएशियन	ओसराम	घरेलू उद्योग	हिस्सा
सील्ड ग्लास ट्यूबलर सेल्स तक निवेश	***	***	***	***	91
चोक के उत्पादन में शामिल संयोजक प्रचालन	***	***	***	***	9
कुल निवेश	***	***	***	***	100%

11. यह देखा गया था कि सील्ड ग्लास ट्यूबलर सेल्स और प्रयोग के लिए तैयार सीएफएल के बीच शामिल उत्पादन कार्यकलाप की तुलना में सील्ड ग्लास ट्यूब्स बनाने के लिए उत्पादन कार्यकलाप काफी विस्तृत था । बाद वाली प्रक्रिया सील्ड ग्लास ट्यूबलर सेल के उत्पादन में शामिल उत्पादन प्रक्रिया की तुलना में अधिकांशतः एक संयोजन क्रम का प्रचालन था । बाह्य चोक के साथ सीएफएल के मामले में यह नोट किया गया था कि सील्ड ग्लास ट्यूबलर सेल्स में आगे की प्रक्रिया के काफी कम उत्पादन कार्यकलाप थे और वह भी केवल कैप जोड़ने के रूप में थे । प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि पाटनरोधी उपायों का मन्तव्य आयातों को प्रतिबंधित करके ऐसी स्थिति निर्मित करना नहीं है कि एसेम्बली लाइन विनिर्माताओं को आयातित सामग्री उपलब्ध न हो; अपितु यह सुनिश्चित करना है कि आयात पाटित कीमतों पर न होने पाएं, अतः वह यह निष्कर्ष प्रस्तावित करते हैं कि याचिकाकर्ताओं को एकाधिकार निर्मित करने का अवसर देने के संबंध में किए गए निवेदन पाटनरोधी नियमावली के दायरे के भीतर आधारहीन हैं ।

12. भारत में माननीय न्यायालयों के निर्णयों के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि ये निर्णय इससे पूर्व लगाए गए पाटनरोधी शुल्क से उत्पन्न विवादों से संबंधित थे । पूर्ववर्ती मामले में विचाराधीन उत्पाद "प्रयोग के लिए तैयार" सीएफएल था और इसलिए माननीय न्यायालय द्वारा विचारार्थ प्रस्तुत प्रश्न यह थे कि क्या सील्ड ग्लास ट्यूबलर शेल के रूप में अधूरा सीएफएल (फिलामेंट्स सहित अथवा अन्य संघटकों सहित) "प्रयोग के लिए तैयार" सीएफएल जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, का हिस्सा हैं । न्यायालय ने यह माना है कि उन पर पाटनरोधी शुल्क लागू नहीं होगा क्योंकि पाटनरोधी शुल्क केवल "प्रयोग के लिए तैयार" सीएफएल पर लागू है । तथापि, वर्तमान मामले में संगत बात यह है कि क्या प्राधिकारी द्वारा विचाराधीन उत्पाद के दायरे के भीतर अधूरे सीएफएल को शामिल करना न्यायसंगत हैं । प्राधिकारी नोट करते हैं कि माननीय न्यायालय ने किसी भी समय यह नहीं माना है कि अधूरे सीएफएल को विचाराधीन उत्पाद के दायरे में शामिल नहीं किया जा सकता । प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने याचिका दायर की थी, जिसमें इन आधारों पर इन अधूरे सीएफएल पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने का अनुरोध किया गया था कि प्रयोग के लिए तैयार सीएफएल पर इससे पूर्व पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने पर सील्ड ग्लास ट्यूबलर शेल चाहे आगे प्रसंस्कृत हों अथवा नहीं (फिलामेंट सहित अथवा रहित) के आयातों के रूप में अधूरे सीएफएल के भारी मात्रा में बाजार में आयात हुए थे और इस प्रकार घरेलू उद्योग को क्षति होना जारी रहा था । प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने पहले यह कहा था कि वे पाटनरोधी शुल्क की अवधि बढ़ाए जाने की मांग नहीं कर रहे हैं क्योंकि वह विचाराधीन उत्पाद के दायरे में सीएफएल के अन्य संघटकों अथवा अधूरे सीएफएल को शामिल करना चाहते हैं और इस तरह का सम्मिलन केवल नई याचिका द्वारा ही संभव था ।

13. संबद्ध वस्तुएं सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 85 के अंतर्गत उपशीर्ष सं. 8539 के अंतर्गत आती है । तथापि, यह सीमाशुल्क वर्गीकरण मात्र सांकेतिक है और जांच के दायरे पर किसी भी तरह से बाध्यकारी नहीं है ।

14. उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी अनंतिम रूप से इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि सील्ड ग्लास ट्यूबलर सेल अधूरे कॉम्पैक्ट फ्लोरेसेंट लैंपों के अलावा और कुछ नहीं हैं और इसलिए उन्हें विचाराधीन उत्पादों के दायरे में शामिल करना न्यायोचित है और घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुएं संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित वस्तुओं के समान वस्तुएं हैं; और याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित वस्तुओं एवं संबद्ध देशों से निर्यातित वस्तुओं के बीच कोई भिन्नता नहीं है । दोनों तकनीकी तथा वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं और उपर्युक्त नियमावली के अर्थ के भीतर याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित वस्तुएं संबद्ध देशों से आयातित उत्पाद के समान वस्तुएं हैं ।

शामिल देश तथा निर्धारित न्यूनतम सीमा

15. वर्तमान जांच में शामिल देश चीन जन.गण., वियतनाम तथा श्रीलंका हैं, जिन्हें एतदपश्चात संबद्ध देश कहा गया है ।

16. प्राधिकारी ने जांच अवधि के लिए डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त सूचना के आधार पर आयातों की मात्रा और मूल्य का निर्धारण किया है। आयातों की निर्धारित कुल मात्रा निम्नानुसार है :-

Figures in Lac
pcs.

सील्ड ग्लास शेल/बर्नर	चोक रहित	चोक सहित	कुल	हिस्सा%
चीन	928.95	15.07 120.76	1,064.78	87.86
वियतनाम	1.11	52.93	54.04	4.46
संबद्ध देश	928.95	16.18 173.69	1,118.82	92.32
श्रीलंका	0.81	30.58	31.39	2.59
अन्य देश	5.57	24.01 32.15	61.73	5.09
भारत में कुल आयात	934.52	41.00 236.42	1,211.94	100

17. याचिका में दी गई सूचना से यह पता चलता है कि मलेशिया से हुए आयातों की मात्रा आयातों की कुल मात्रा की 3% से कम थी। चूंकि मात्रा की दृष्टि से मलेशिया से आयात नगण्य थे, इसलिए प्राधिकारी ने मलेशिया से हुए आयातों के विरुद्ध जांच की शुरुआत करना उचित नहीं समझा था।

18. श्रीलंका से एक उत्पादन/निर्यातक ने तर्क दिया है कि श्रीलंका को संबद्ध देशों से बाहर रखना चाहिए क्योंकि भारत और श्रीलंका के बीच हुए एफटीए में कॉम्पैक्ट फ्लोरेसेंट लैंप शामिल है।

19. प्राधिकारी नोट करते हैं कि दोनों देशों के बीच हुए एफटीए समझौते में पाटनरोधी जांच पर कोई प्रतिबंध नहीं है। तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि श्रीलंका से आयातों की मात्रा निर्धारित न्यूनतम सीमा (2.59%) से कम है। शुरुआत में याचिकाकर्ता ने दिसंबर, 2006 तक की अवधि के लिए सूचना डीजीसीआईएंडएस से और जनवरी-मार्च, 2007 की अवधि के लिए आईबीआईएस से उपलब्ध कराई थी। डीजीसीआईएंडएस से आयातों की पूर्ण सूचना अब संपूर्ण जांच अवधि के लिए उपलब्ध हो गई है जिनसे यह प्रदर्शित होता है कि श्रीलंका से हुए आयातों की मात्रा निर्धारित न्यूनतम सीमा तक थी। इसके मद्देनजर प्राधिकारी नियमावली के नियम 14 के अनुसार श्रीलंका के संबंध में जांच समाप्त करते हैं। तदनुसार, इस जांच के प्रयोजनार्थ श्रीलंका से हुए आयातों को अन्य देशों में जोड़ दिया गया है।

घरेलू उद्योग का दायरा और उसकी स्थिति

20. यह याचिका मै. इंडो एशियन फ्यूजगियर लि. मै. हावेल्स इंडिया लि. और मै. ओसराम इंडिया प्रा.लि. द्वारा संयुक्त रूप से दायर की गई थी। ये उत्पादक सील्ड ग्लास ट्यूबलर शेल का उत्पादन करते हैं और तत्पश्चात बाहरी चोक सहित सीएफएल और समेकित चोक

सहित सीएफएल का उत्पादन करते हैं। याचिकाकर्ता ने दावा किया कि अनेक अन्य कंपनियों द्वारा सील्ड ग्लास ट्यूबलर शेल्स का आयात करके और शेष वृद्धिशील महत्वहीन उत्पादन कार्यकलाप करके संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन किया गया है। याचिकाकर्ता ने यह दावा किया कि ये कंपनियां मूलभूत उत्पादन कार्यकलाप नहीं करती हैं और उल्लेखनीय मात्रा में सील्ड ग्लास ट्यूबलर शेल्स के रूप में संबद्ध वस्तुओं की आयातक हैं। याचिकाकर्ता ने इलेक्ट्रिक लैंप एंड कंपोनेंट मैनुफक्चरर्स एसोसिएशन (अल्कोमा) द्वारा संकलित उत्पादन संबंधी सूचना उपलब्ध कराई है। अल्कोमा द्वारा प्रदत्त इस सूचना से पता चलता है कि भारत में केवल निम्नलिखित कंपनियों द्वारा इन वस्तुओं का उत्पादन किया जाता है।

- क. इंडो एशियन फ्यूजगियर
- ख. हावेल्स इंडिया
- ग. ओसराम इंडिया
- घ. सूर्या रोशनी
- ङ. फिनिक्स

21. शुरुआती स्तर पर सूर्या रोशनी लि. द्वारा इस याचिका का समर्थन किया गया था। शुरुआत के बाद कंपनी ने उनके द्वारा किए गए आयात और उनके द्वारा उत्पादित वस्तुओं के संबंध में क्षति संबंधी सूचना उपलब्ध कराई है। इस प्रकार सूर्या रोशनी ने संबद्ध वस्तु के उत्पादक के रूप में और संबद्ध वस्तु के आयातक के रूप में भी सूचना उपलब्ध कराई है तथा निर्दिष्ट प्राधिकारी से वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का अनुरोध किया है जिसके लिए प्राधिकारी के समक्ष याचिका दायर की गई थी।

प्राधिकारी द्वारा जांच

22. जांच शुरुआत के स्तर पर प्राधिकारी का यह विचार था कि वे भारतीय उत्पादक जो सील्ड ग्लास ट्यूबलर शेल्स का आयात करके संबद्ध वस्तु का उत्पादन कर रहे थे, पात्र घरेलू उत्पादक नहीं हैं क्योंकि वे संबद्ध वस्तुओं का भारी मात्रा में आयात कर रहे हैं और ये कंपनियां आधारभूत उत्पादन कार्यकलाप नहीं कर रही हैं। यह निर्धारित किया गया था कि आवेदक कंपनियों का उत्पादन भारतीय उत्पादन के 50% से अधिक है अतः प्राधिकारी ने जांच शुरुआत के समय निर्धारित किया था कि याचिकाकर्ता कंपनियों के उत्पादन का भारतीय उत्पादन में "एक प्रमुख हिस्सा" बनता है और याचिकाकर्ता नियम 5 के अंतर्गत योग्यता को पूरा करते हैं। आगे यह भी निर्धारित किया गया था कि याचिकाकर्ता कंपनियां नियम 2घ के साथ पठित नियम 2 1 के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग हैं।

23. अनेक कंपनियों ने यह अभ्यावेदन किया है कि वे भी कॉम्पैक्ट फ्लोरेसेंट लैंपों के उत्पादन में संलग्न हैं। इन कंपनियों ने दावा किया है कि उन्होंने सीएफएल के उत्पादन हेतु सुविधाओं की स्थापना की है और वे विनिर्माता के रूप में नियमित रूप से उत्पाद शुल्क का भुगतान कर रही हैं। यह भी दावा किया गया है कि सील्ड ग्लास ट्यूबलर शेल्स के स्तर से उत्पादन कार्यकलाप महत्वपूर्ण थे और वे संपूर्ण उत्पादन कार्यकलाप का हिस्सा थे। इस बात

पर ध्यान दिलाया गया है कि चोक के उत्पादन में शामिल उत्पादन कार्यकलाप अपने आप में काफी महत्वपूर्ण हैं। इन पक्षकारों का यह भी दावा है कि सील्ड ग्लास ट्यूबलर शेल के स्तर से सीएफएल तक का मूल्यवर्धन काफी अधिक होता है। भारत में माननीय न्यायालय के अनेक निर्णयों का यह सिद्ध करने के लिए उल्लेख किया गया है कि सील्ड ग्लास ट्यूबलर शेल प्रयोग के लिए तैयार सीएफएल नहीं है और केवल एक संघटक हैं। अतः इन हितबद्ध पक्षकारों ने सील्ड ग्लास ट्यूबलर शेल को जांच के दायरे से बाहर रखने का अनुरोध किया है।

24. जैसा कि ऊपर नोट किया गया है, प्राधिकारी का यह अभिमत है कि सीएफएल के उत्पादन में शामिल मूलभूत उत्पादन कार्यकलाप सील्ड ग्लास ट्यूबलर शेल के उत्पादन और उसके बाद शुरू होता है। सीएफएल में इन शेलों के संयोजन अथवा चोक के संयोजन और इन शेलों को जोड़ने मात्र से उत्पादन कार्यकलाप पूरा नहीं होता है। इसके अलावा, ये कंपनियां विचाराधीन उत्पाद की भारी मात्रा में आयातक हैं। इन कंपनियों से उनके द्वारा अपनाई जा रही उत्पादन प्रक्रिया के ब्यौरे उपलब्ध कराने का विशेष रूप से आग्रह किया गया था। इन कंपनियों में से केवल दो कंपनियों अर्थात् मै. एचक्यू लैप्स और डेल्टा इलेक्ट्रॉनिक ने उत्तर दिया था। उन्होंने संयंत्र एवं मशीनरी की सूची उपलब्ध कराई है जो इन कंपनियों के लिए क्रमशः *** लाख रुपए और *** लाख रुपए है। इन आयातकों द्वारा संयंत्र एवं मशीनरी में निवेश की मात्रा याचिकाकर्ताओं द्वारा संयंत्र एवं मशीनरी में किए गए *** लाख रुपए के निवेश की तुलना में *** लाख रुपए है।

25. यह भी दावा किया गया है कि जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना में उल्लिखित "सीकेडी अथवा एसकेडी स्थितियां" शब्दों को जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना में परिभाषित नहीं किया गया है और इस अस्पष्टता के कारण संबद्ध देशों में उत्पादन/निर्यातक प्राधिकारी को संगत सूचना उपलब्ध नहीं करा पाए हैं।

26. जैसा कि यहां पहले बताया गया है सील्ड ग्लास ट्यूबलर शेल और प्रयोग के लिए तैयार फ्लोरेसेंट लैंपों के बीच का उत्पादन कार्यकलाप अधिकांशतः संयोजन क्रम का प्रचालन है। इसके अलावा, सील्ड ग्लास ट्यूबलर शेल को अधूरा कॉम्पेक्ट फ्लोरेसेंट लैंप माना जाता है और इसलिए आयातित सील्ड ग्लास ट्यूबलर शेल का प्रयोग करके कॉम्पेक्ट फ्लोरेसेंट लैंपों का उत्पादन करने वाली किसी कंपनी को संबंधित उत्पाद के भारी आयातों के जरिए उत्पादन में लगी एक कंपनी के रूप में माना जाना चाहिए। घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि यदि सील्ड ग्लास ट्यूबलर शेल के स्तर तक शामिल उत्पादन कार्यकलाप एवं निवेश महत्वहीन था, तो इन कंपनियों को सील्ड ग्लास ट्यूबलर शेल के लिए भी सुविधाएं स्थापित करनी चाहिए थीं। चूंकि ये कंपनियां मूलभूत उत्पादन कार्यकलाप नहीं करती हैं इसलिए इन्हें पाटनरोधी नियमावली के अर्थ के भीतर संबंधित उत्पाद का उत्पादक नहीं माना जा सकता है। दोनों आधारों पर प्राधिकारी मानते हैं कि संबद्ध देशों से आयातित सील्ड ग्लास ट्यूबलर शेल का प्रयोग करके कॉम्पेक्ट फ्लोरेसेंट लैंपों का उत्पादन करने वाली कंपनियां वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ पात्र घरेलू उद्योग नहीं हैं।

27. प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै. हैवेल्स और ओसराम ने भी संगत अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद का आयात किया है। इन कंपनियों द्वारा उनके खुद के उत्पादन भारत में आयातों और भारत में मांग के संबंध में आयात निम्नानुसार हैं :-

नग लाख में

हैवल्स		ओसराम	
संबद्ध देशों से आयात	शून्य	***	
अन्य देशों से आयात	***	शून्य	
इन कंपनियों द्वारा कुल आयात	***	***	
सभी स्रोतों से भारत में आयात		1211.94	
इन कंपनियों का उत्पादन	***	***	
भारत में मांग		1469.54	
इन कंपनियों द्वारा निम्न के संबंध में आयात का हिस्सा			
सभी स्रोतों से भारत में आयात	2.00%	0.53%	
इन कंपनियों का उत्पादन	***%	***%	
भारत में मांग	1.66%	0.44%	

28. हैवेल्स के परिसर में मौके पर जांच की प्रक्रिया के दौरान प्राधिकारी ने नोट किया कि हैवेल्स ने संबद्ध वस्तु का आयात किया है। इन आयातों को "आउटसोर्स" के रूप में बताया गया है और "प्रयुक्त कच्ची सामग्री" के रूप में बुक किया गया है। कंपनी ने स्पष्ट किया कि चूंकि ये टी 3 प्रकार के सीएफएल थे और इनका उत्पादन कंपनी द्वारा नहीं किया जा रहा था, इसलिए कंपनी ने इस किस्म के लिए सुविधाओं की स्थापना होने तक इन किस्मों का आयात किया था। कंपनी ने आगे स्पष्ट किया है कि उसने उसके बाद इन किस्मों का वाणिज्यिक उत्पादन भी शुरू कर दिया है और फरवरी, 2007 के बाद आयातों को पूर्णतः रोक दिया है।

29. प्राधिकारी नोट करते हैं कि हावेल्स ने ये आयात श्रीलंका से किए हैं। जैसा कि ऊपर नोट किया गया है, (आयातों की पूर्ण मात्रा जो अब संपूर्ण जांच अवधि के लिए उपलब्ध हो गई है के आधार पर) श्रीलंका से आयातों की मात्रा स्वयं ही न्यूनतम से कम थी। कंपनी द्वारा किसी अन्य स्रोत से कोई आयात नहीं किए गए हैं। प्राधिकारी मानते हैं कि हैवेल्स द्वारा किए गए आयात नगण्य थे और एक ऐसे देश से थे, जिससे आयातों की संपूर्ण मात्रा न्यूनतम से कम है।

30. ओसराम के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि कंपनी द्वारा किए गए आयात कंपनी के कुल उत्पादन कार्यकलाप की तुलना में काफी कम हैं। कंपनी ने सीएफएल के उन मॉडलों का आयात किया है, जिनका उत्पादन कंपनी भारत में नहीं कर रही है।

31. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि एक कंपनी जो कॉम्पैक्ट फ्लोरेसेंट लैंपों के उत्पादन हेतु सील्ड ग्लास ट्यूब्यूलर शेल के आयातों पर पूर्णतः निर्भर है तो उसे उस कंपनी

से अलग रखना चाहिए जो सामान्यतः भारत में उत्पादन पर केंद्रित है और जो अपनी उत्पादन प्रक्रिया में सहायता करने के लिए आयातों का सहारा ले रही है ।

32. उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी का यह अभिमत है कि नियम 2 (ख) के अर्थ के भीतर ओसराम और हैवेल्स, दोनों पात्र घरेलू उद्योग हैं ।

33. उपर्युक्त के आधार पर प्राधिकारी ने आवेदकों की योग्यता निर्धारित की है और यह निष्कर्ष निकाला है कि आवेदक नियमावली के अंतर्गत योग्यता संबंधी अपेक्षाओं को पूरा करते हैं, इसके अलावा नियमों के अर्थ के भीतर याचिकाकर्ता कंपनियां घरेलू उद्योग हैं ।

अन्य निवेदन तथा उठाए गए मुद्दे

34. यह तर्क दिया गया है कि जांच शुरुआत की सूचना वेबसाइट पर नहीं दर्शाई गई थी और इस प्रकार इसके कारण कुछ हितबद्ध पक्षकार प्राधिकारी को जवाब देने से वंचित रह गए थे । यह नोट किया जाता है कि जांच शुरुआत की सूचना भारत के राजपत्र में प्रकाशित की गई थी और उसे बड़ी संख्या में ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को भेजा गया था । इसके अलावा, प्राधिकारी ने उन सभी हितबद्ध पक्षों को अनुरोध प्रस्तुत करने के लिए समय दिया था, जिन्होंने इसकी मांग की थी ।

35. यह तर्क दिया गया है कि भारत सरकार ने अब बीआईएस मानकों को लागू करना अनिवार्य बना दिया है और इसलिए पाटनरोधी शुल्क लागू करने की कोई जरूरत नहीं है । प्राधिकारी मानते हैं कि बीआईएस मानकों के लागू होने का अर्थ यह नहीं है कि अब उत्पाद का निर्यात पाटित कीमतों पर नहीं किया जा सकता है ।

36. क्लॉक मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन (इंडिया) सहित अनेक हितबद्ध पक्षकारों के अलावा इस एसोसिएशन के अलग-अलग सदस्यों ने भी अभ्यावेदन किया है कि लैम्प बेस सहित अथवा लैम्प बेस रहित सील्ड ट्यूब्यूलर शेल को विचाराधीन उत्पाद के दायरे में शामिल करने का बात प्राधिकारी के ध्यान से छूटना नहीं चाहिए । यह अनुरोध किया गया है कि लैम्प बेस सहित अथवा लैम्प बेस रहित सील्ड ट्यूब्यूलर शेल के केवल कुछेक ही विनिर्माता हैं और घरेलू उद्योग में शामिल तथाकथित विनिर्माता उक्त उत्पाद का विनिर्माण अपनी आबद्ध खपत के लिए कर रहे हैं, अतः उनसे प्रतिस्पर्धियों को बटाने की जोखिम लेते हुए उक्त उत्पाद की बिक्री भारतीय बाजार में समुचित कीमत पर करने की आशा नहीं की जा सकती । आगे यह भी अनुरोध किया गया है कि यदि सीएफएल के उपर्युक्त महत्वपूर्ण हिस्से पर पाटनरोधी शुल्क लगाया जाता है तो तीन याचिकाकर्ता मिलकर डीजीएडी के ररस्ते भारतीय बाजार का लाभ शोषण उठाने के लिए एकजुट हो जाएंगे और अंततः उपभोक्ता ही इसका शिकार बनेगा । कुल मिलाकर उनके निवेदन में यह कहा गया है कि लैम्प बेस सहित अथवा लैम्प बेस रहित सील्ड ट्यूब्यूलर शेल अत्यंत निर्णायक है और सीएफएल का महत्वपूर्ण संघटक है और भारत में उक्त उत्पाद की कम उपलब्धता के मद्देनजर इस संघटक पर पाटनरोधी शुल्क लगाना अन्यायपूर्ण, अवांछनीय तथा अनुचित है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

37. इन निवेदनों का अध्ययन करने के पश्चात प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क आयातों को प्रतिबंधित करने अथवा उपभोक्ताओं तक आयातित सामग्री/उत्पाद की पहुंच को प्रतिबंधित करने के लिए नहीं लगाया जाता। इस कानून का मंतव्य यह सुनिश्चित करना है कि पाटित कीमतों पर इन उत्पादों का आयात न किया जाए और यदि निवेदनों पर विचार करने के बाद प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं और रिकॉर्ड यह दर्शाता है कि उत्पादों का आयात पाटित कीमतों पर किया गया है और पाटित आयातों व घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध स्थापित हो जाता है, तो प्राधिकारी पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करने के लिए बाध्य होंगे। इसके विपरीत यदि जांच के आधार पर प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि कोई पाटन नहीं किया जा रहा है अथवा घरेलू विनिर्माताओं को हुई क्षति का कारण पाटन नहीं है, तो वह कोई पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश नहीं करते हैं। तदनुसार प्राधिकारी द्वारा इन मानदंडों की जांच एतदपश्चात उल्लिखित पैराग्राफों में की गई है।

38. प्रकटीकरण विवरण का प्रत्युत्तर

38.1 मेसर्स अजन्ता इंडिया लि. ले निम्नलिखित तर्क प्रस्तुत किए हैं :

- (क) कंपनी ने एक रिट याचिका दायर की थी, जो माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित है।
- (ख) कंपनी को न तो प्रश्नावली प्राप्त हुई और न ही सुनवाई की कोई सूचना।
- (ग) कंपनी को विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय पाठ उपलब्ध नहीं कराया गया। इस बारे में कंपनी को कोई सूचना नहीं दी गई।
- (घ) प्राधिकारी ने उत्पादन लागत निकालने के लिए आवेदक कंपनियों द्वारा प्रस्तुत सूचना पर आंख मून्द कर विश्वास कर लिया है और कोई स्वतंत्र विश्लेषण नहीं किया गया।
- (ङ) कंपनी द्वारा दिनांक 15 सितंबर को भेजे गए पत्र में किए गए विशिष्ट अनुरोध के बावजूद प्राधिकारी ने कंपनी को कभी कोई सूचना नहीं भेजी।
- (च) सील्ड ग्लास ट्युब्यूलर शेल्स सीएफएल के केवल पुर्जे हैं और इन्हें असंयोजित सीएफएल नहीं माना जा सकता। प्राधिकारी ने परस्पर विरोधी जांच परिणाम प्रस्तुत किए हैं। पैरा 8 में प्राधिकारी ने स्वीकार किया है कि सील्ड शेल के विनिर्माण के बाद उत्पादन कार्यकलाप किए जाते हैं, जबकि पैरा 9 में कहा गया है कि सील्ड शेल के उत्पादन के बाद का कार्यकलाप केवल एसेम्बली लाइन प्रचालन है।
- (छ) सील्ड ग्लास ट्युब्यूलर शेल कॉम्पेक्टर फ्लोरेसेन्ट लैम्प नहीं है। विगत में लगाए बा शुल्क में इस उत्पाद किस्म को शामिल नहीं किया गया था। सील्ड शैल्स वस्तुतः सीएफएल के उत्पादन हेतु अपेक्षित निविष्टि कच्चा माल है।
- (ज) प्राधिकारी का निर्णय प्लाजा लैम्प्स एंड ट्युब्स बनाम सीमाशुल्क आयुक्त मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्णय के विरुद्ध है।

- (झ) प्राधिकारी ने जल्दबाजी में सील्ड शेल्स को शामिल कर लिया है ।
- (ञ) सील्ड शेल्स के संबंध में कोई स्वतंत्र क्षति विश्लेषण नहीं किया गया है ।
- (ट) प्राधिकारी ने इस निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए कि सील्ड शेल्स और कुछ नहीं बल्कि अपूर्ण सीएफएल है, कोई तकनीकी/वैज्ञानिक अध्ययन नहीं किया है ।
- (ठ) प्राधिकारी ने केवल मै. हैवेल्स इंडिया लि. को लाभ पहुंचाने के लिए श्रीलंका से संबंधित जांच को समाप्त कर दिया है ।
- (ड) प्राधिकारी द्वारा पैरा 19 में प्रस्तुत वैचारिक स्थिति गलत है ।
- (ढ) प्राधिकारी का यह निष्कर्ष गलत है कि याचिकाकर्ता कंपनियों का भारतीय उत्पादन में योगदान 50% से अधिक है । प्राधिकारी ने सीएफएल के उत्पादन में संलग्न कंपनियों की संख्या पर विचार नहीं किया है, जो सील्ड शेल की अवस्था से महत्वपूर्ण उत्पादन कार्यकलाप शुरू करती हैं और नियमित रूप से उत्पाद शुल्क का भुगतान करती हैं । चोक का उत्पादन भी अपने आप में अत्यंत महत्वपूर्ण है ।
- (ण) जांच शुरुआत में सीकेडी एवं एसकेडी स्थितियों का उल्लेख किया गया है परंतु जांच शुरुआत अधिसूचना में इसे परिभाषित नहीं किया गया है और इस विसंगति के कारण हितबद्ध पक्षकार प्राधिकारी को उत्तर प्रस्तुत करने से वंचित रह गए ।
- (त) हैवेल्स तथा ओसराम द्वारा किए गए आयातों के बावजूद प्राधिकारी ने त्रुटिपूर्वक उन्हें पात्र घरेलू उद्योग माना है ।
- (थ) निष्कर्ष नियम 2(ख) के सर्वथा विपरीत हैं । नियम 2(ख) निर्दिष्ट प्राधिकारी को कोई विवेकाधिकार प्रदान नहीं करता ।
- (द) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने यह विचार नहीं किया कि आवेदक कंपनियां सील्ड शेल्स का विनिर्माण आबद्ध खपत हेतु कर रही हैं । सील्ड शेल्स पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के परिणति इन कंपनियों के गठबंधन के रूप में होगी ।
- (ध) प्राधिकारी ने निवल बिक्री आय, पहुंच कीमत और कीमत कटौती को छिपाया है । इन आंकड़ों के अभाव में क्षति से संबंधित सभी निष्कर्ष त्रुटिपूर्ण हैं । पाटनरोधी न्यायशास्त्र एवं उच्चतम न्यायालय के निर्णयों का पूर्ण उल्लंघन करते हुए सभी सुसंगत सूचना को गोपनीय रखा गया है ।
- (न) आवेदक मुख्यतः बहुराष्ट्रीय कंपनियां हैं और लघु एवं मध्यम क्षेत्र से आंतरिक प्रतिस्पर्धा को कुचलने के उद्देश्य से पाटनरोधी प्रक्रिया का दुरुपयोग कर रही हैं ।

38.2 मै. अजन्ता मैन्युफैक्चरिंग लि. ने निम्नलिखित तर्क प्रस्तुत किए हैं :-

- (क) प्रकटीकरण विवरण 19 फरवरी को प्राप्त हुआ जिसका उत्तर 23 फरवरी तक दिया जाना था । निवेदन प्रस्तुत करने के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया गया ।
- (ख) अधिसूचना को डीजीएडी की वेबसाइट पर नहीं दर्शाया गया है और अधिसूचना को डीजीएडी की वेबसाइट पर न दर्शाने का कोई भी कारण नहीं बताया गया है । हितबद्ध पक्षकारों को उनकी सूचना के अधिकार से वंचित रखा गया । जांच शुरुआत वेबसाइट पर 14 दिन बाद दर्शाई गई ।
- (ग) आवेदकों ने ट्यूब ग्लास ट्यूब्यूलर शेल्स पर शुल्क लगाने के बारे में सूचना नहीं मांगी थी ।

- (घ) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने गोपनीयता का दावा गलत तरीके से किया है। हितबद्ध पक्षकारों के समक्ष समस्त सूचना प्रकटी की जानी चाहिए।
- (ङ) जांच शुरुआत अधिसूचना में सीकेडी अथवा एसकेडी स्थितियों की कोई परिभाषा नहीं दी गई है। इन शब्दों को सीमाशुल्क अधिनियम अथवा विदेश व्यापार नीति में परिभाषित नहीं किया गया है। परिभाषाओं के अभाव में अनेक निर्यातक/आयातक कारगर तरीके से निवेदन प्रस्तुत करने से वंचित रह गए।
- (च) प्राधिकारी ने सीएफएल के विनिर्माताओं को उनके दर्जे से वंचित कर दिया है।
- (छ) निर्वचन नियम के नियम 2(क) के अनुसार सील्ड ग्लास ट्युब्यूलर शेल को अपूर्ण शेल नहीं माना जा सकता, क्योंकि इसमें पूर्ण सीएफएल की विशेषताएं विद्यमान नहीं होतीं। इसमें पूर्ण सीएफएल की विशेषताएं तभी आती हैं, जब इसे इसके अनिवार्य पुर्जों अर्थात् चोक/बैलास्ट के साथ संयोजित किया जाता है।
- (ज) जांच का समापन एक वर्ष के भीतर नहीं किया गया। विस्तार अधिसूचना 30 अगस्त से पूर्व जारी की जानी चाहिए थी। जांच दिनांक 30 अगस्त के बाद स्वतः समाप्त हो गई। जांच को पूरा करने के लिए अवधि बढ़ाने का कोई औचित्य महानिदेशालय के पास नहीं है। अतः विस्तार अधिसूचना अवैध है। समस्त कार्यवाही अकृत और शून्य हो गई है।
- (झ) बीआईएस मानकों को अनिवार्य बना दिए जाने के बाद इस आशंका की कोई गुजाइश नहीं है कि पाटनरोधी शुल्क के अभाव में भारतीय घरेलू बाजार में घटिया गुणवत्ता के सीएफएल की भरमार हो जाएगी।
- (ञ) याचिकाकर्ताओं ने सार्वजनिक सुनवाई के दौरान पुष्टि की थी कि उन्होंने बाजार में सील्ड शेल की बिक्री नहीं की है। इसका उत्पादन केवल आबद्ध खपत के लिए था। अतः उन्हें क्षति होने का प्रश्न नहीं उठता।
- (ट) प्राधिकारी ने निर्यातकों के रिकार्ड का सत्यापन नहीं किया, जबकि उन्होंने अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किए थे। इन निर्यातकों के साथ अन्याय किया गया है और उन्हें कार्यवाही में भाग लेने के अधिकार से वंचित किया गया है। इस मुद्दे का भी समाधान नहीं किया गया है।

39. प्राधिकारी द्वारा जांच

प्राधिकारी नोट करते हैं कि कतिपय पक्षकारों ने दिल्ली तथा मुंबई में माननीय उच्च न्यायालय में रिट याचिका दायर की थी। माननीय न्यायालयों ने मैसर्स फिलिप्स एंड अजंता मैन्युफैक्चरिंग लि. द्वारा दायर याचिका का निपटारा कर दिया है। मै. अनन्ता इंडिया लि. द्वारा दायर याचिका दिल्ली में माननीय उच्च न्यायालय में लंबित है। चूंकि इन याचिकाओं में से किसी में भी इन जांच परिणामों को दर्ज करने के संबंध में प्राधिकारी पर कोई रोक नहीं लगाई है, अतः प्राधिकारी ने वर्तमान जांच परिणाम को अधिसूचित करने की कार्यवाही की।

39.1 मै. अजंता इंडिया लि. द्वारा उठाए गए मुद्दों के संबंध में।

39.1.1 यह कहा गया है कि पाटनरोधी नियमावली के नियम 6 में जांच करते समय अनुसरण की जाने वाली विस्तृत प्रक्रिया का प्रावधान है। प्राधिकारी ने नियम 6 में निर्धारित जांच प्रक्रिया का सावधानीपूर्वक अनुसरण किया है। निर्धारित प्रक्रिया का कोई उल्लंघन नहीं किया गया है।

(क) प्राधिकारी ने भारत के राजपत्र, असाधारण में सार्वजनिक सूचना जारी की थी, जिसमें वर्तमान जांच की शुरुआत करने संबंधी निर्णय का उल्लेख किया गया था। जांच शुरुआत अधिसूचना की विषयवस्तु में वर्तमान जांच से संबंधित विभिन्न मानदंडों के बारे में पर्याप्त सूचना दी गई थी। जांच शुरुआत अधिसूचना में हितबद्ध पक्षकारों को अपने विचारों से अवगत कराने के लिए समयावधि विनिर्दिष्ट की गई थी। प्राधिकारी ने यह भी सूचित किया था कि प्राधिकारी द्वारा एक सार्वजनिक फाइल रखी जाएगी, जो निरीक्षणार्थ खुली रहेगी जिसमें विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदनों का अगोपनीय सारांश रखा जाएगा। अनेक हितबद्ध पक्षकारों ने सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण किया था। हितबद्ध पक्षकारों का यह तर्क सही नहीं है कि साक्ष्य का अगोपनीय पाठ कतिपय हितबद्ध पक्षकारों को उपलब्ध नहीं कराया गया।

प्राधिकारी को अनेक पक्षकारों से निवेदन प्राप्त हुए थे, जिन्होंने स्वयं के बारे में सीएफएल विनिर्माता होने का दावा किया था और विशेष रूप से बर्नर पर पाटनरोधी शुल्क न लगाने का अनुरोध किया था। प्राधिकारी ने दिनांक 04.02.2008 के पत्र के माध्यम से इन पक्षकारों से विशिष्ट सूचना प्राप्त करने का विशेष अनुरोध किया था। इस पत्र की एक प्रति मै. अजन्ता इंडिया लि. को उनके अजन्ता इंडस्ट्रीयल इस्टेट, रेवापार्क के सामने, मोरबी, गुजरात-363 641 के पते पर भिजवाई गई थी। परंतु कंपनी ने प्राधिकारी को कोई सूचना उपलब्ध नहीं कराई। दरअसल जांच शुरुआत के प्रत्युत्तर में भी अजन्ता इंडिया ने केवल कुछेक तर्क प्रस्तुत किए थे और अपने तर्कों के समर्थन में कोई साक्ष्य भी प्रस्तुत नहीं किया।

(ख) नियम 6(7) में उपबंधित है कि प्राधिकारी उन्हें एक हितबद्ध पक्षकार द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य को जांच में भाग लेने वाले दूसरे पक्षकार को उपलब्ध कराएंगे। नियमावली में ऐसे अगोपनीय पाठ की प्रति विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों को "प्रदान करने" का प्रावधान नहीं है। "उपलब्ध कराने" और "प्रदान करने" में अंतर किया जाना चाहिए। वास्तव में अनेक हितबद्ध पक्षकारों ने जांच प्रक्रिया के दौरान सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण किया था और उनके द्वारा प्रासंगिक समझे गए दस्तावेजों की प्रतियां उन्होंने प्राप्त की थीं। यह स्वीकार नहीं किया जा सकता कि सार्वजनिक फाइल में उपलब्ध साक्ष्य के अगोपनीय पाठ के बारे में कंपनी को कोई जानकारी नहीं थी।

(ग) पुष्टि की जाती है कि घरेलू उद्योग द्वारा दावा की गई उत्पादन लागत की प्राधिकारी द्वारा जांच की गई है। इतना ही नहीं कंपनियों को भी न केवल किसी स्वतंत्र कार्यरत लागत लेखाकार से लागत संबंधी सूचना प्रमाणित कराने का निर्देश दिया गया था, अपितु प्राधिकारी ने भी कंपनियों द्वारा प्रदत्त लागत संबंधी सूचना का स्वयं सत्यापन किया था। यह स्पष्ट किया जाता है कि प्राधिकारी ने न तो घरेलू उद्योग द्वारा किए गए सभी दावों को स्वीकार कर लिया है और न ही उनके द्वारा दावा की गई उत्पादन लागत को अपनाया है। प्राधिकारी ने उत्पादन

लागत और क्षतिरहित कीमत की गणना स्वयं की है। जहाँ तक कंपनी को सूचना देने का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्राधिकारी ने न केवल दिनांक 4.2.2008 के विशिष्ट पत्र द्वारा कंपनी को सूचित किया, अपितु राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना के माध्यम से भी उन्हें सूचित किया था। राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना का उद्देश्य इससे सभी हितबद्ध पक्षकारों को अवगत कराना है। कोई भी हितबद्ध पक्षकार प्राधिकारी द्वारा जारी राजपत्र अधिसूचना के बारे में अज्ञानता का तर्क प्रस्तुत नहीं कर सकता। राजपत्र में अधिसूचना जारी करने का पूरा प्रयोजन ही विफल हो जाता है यदि किसी हितबद्ध पक्षकार को देश के राजपत्र में जारी अधिसूचना के बारे में अज्ञानता का दावा करने की अनुमति दे दी जाए। अजन्ता इंडिया द्वारा, प्राधिकारी द्वारा राजपत्र अधिसूचना जारी किए जाने के बाद अथवा अंतरिम शुल्क की अवस्था में वित्त मंत्रालय द्वारा अधिसूचना जारी किए जाने के बाद कोई निवेदन प्रस्तुत नहीं किया गया था। यह नोट किया जाता है कि शुल्क दिनांक 12.3.2008 के प्रारंभिक जांच परिणाम के अंतर्गत सीमाशुल्क अधिसूचना सं. 126/2008-सी.शु. दिनांक 21.11.2008 द्वारा लगाए गए थे, इस प्रकार शुल्क लगाए जाने और संस्तुति किए जाने के बीच लगभग 8 माह का अंतराल था। कंपनी प्रारंभिक जांच परिणाम अधिसूचना जारी करने और उस पर टिप्पणियां प्रस्तुत न करने के बारे में अज्ञानता का दावा नहीं कर सकती।

(घ) सीलड ग्लास ट्युब्यूलर शैल्स को शामिल करने के मुद्दे का विस्तृत समाधान प्रारंभिक जांच परिणाम में तथा उपर्युक्त वर्तमान जांच परिणाम में किया गया है। किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने यह सिद्ध नहीं किया है कि प्राधिकारी द्वारा प्रारंभिक जांच परिणाम में अथवा प्रकटीकरण विवरण में निकाले गए निष्कर्ष गलत किस प्रकार हैं। प्राधिकारी का अभिमत है कि वास्तव में किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने इस बात का सत्यापन योग्य साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है कि सीलड ग्लास ट्युब्यूलर शैल्स "सीएफएल, जिसमें चोक संयोजित नहीं है" से आधारभूत रूप से भिन्न है और यह कि इन दोनों को पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत असमान वस्तुएं माना जाना चाहिए। "सीलड ग्लास ट्युब्यूलर शैल्स" और "सीएफएल, जिसमें चोक संयोजित नहीं है" की उत्पादन प्रक्रिया इतनी महत्वपूर्ण नहीं है कि दोनों को असमान वस्तुएं माना जाए। यहां यह उल्लेखनीय है कि केवल इस तथ्य के कारण कि अंतिम प्रयोक्ता दोनों उत्पादों को एक-दूसरे के स्थान पर प्रयोग नहीं कर सकते, दोनों वस्तुएं पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ असमान वस्तु नहीं बन जाती। ऐसी स्थिति में जहां उत्पादक एक उत्पाद रूप के स्थान पर दूसरा उत्पाद रूप ले आते हैं और उत्पाद का पाटन जारी रखते हैं, पाटनरोधी नियमावली के प्रयोजनार्थ दोनों उत्पाद रूपों को समान वस्तुएं माना जाना चाहिए।

प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए तर्कों में मुख्य जोर एक ओर "सीलड ग्लास ट्युब्यूलर शैल्स" और दूसरी ओर "सीएफएल, जिसमें चोक संयोजित नहीं है" के बीच तुलना पर आधारित है। इन विरोधी हितबद्ध पक्षकारों में से किसी ने भी "सीएफएल, जिसमें चोक संयोजित नहीं है" के साथ तुलना नहीं की है और यह सिद्ध नहीं किया है कि पाटनरोधी शुल्क के प्रयोजनार्थ सीलड ग्लास ट्युब्यूलर शैल्स विशिष्ट वस्तु है। इसके अलावा, किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने यह सिद्ध नहीं किया है कि "सीएफएल, जिसमें चोक संयोजित है" और "सीएफएल, जिसमें चोक संयोजित नहीं है" असमान वस्तुएं हैं।

(ड) प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि पिछली जांच में प्राधिकारी ने "उपयोग के लिए तैयार सीएफएल, जिसमें चोक संयोजित है" और "सीएफएल, जिसमें चोक संयोजित नहीं है" को एक उत्पाद माना था। इन दोनों के बीच मूलभूत अंतर यह है कि एक उत्पाद में बेलास्ट/चोक होता है, तो दूसरे में यह नहीं होता {बेलास्ट/चोक की उपस्थिति अथवा अनुपस्थिति को सील्ड बर्नर और सीएफएल के बीच प्रमुख अंतर बताया गया है}। यद्यपि बेलास्ट/चोक न केवल एक प्रमुख मद है, परंतु दोनों रूपों में शामिल नहीं है, तथापि किसी भी पक्षकार ने इन दोनों रूपों को एक वस्तु मानने के प्राधिकारी के पिछले निर्णय पर कोई विवाद नहीं किया था।

(च) प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्रकटीकरण विवरण के पैरा 8 तथा पैरा 9 के बीच कोई विरोधाभास नहीं है। इस बात का खंडन नहीं किया गया है कि सील्ड शैल तथा "सीएफएल, जिसमें चोक नहीं संयोजित है" के बीच विनिर्माण प्रक्रिया विद्यमान है। इस बात का भी खंडन नहीं किया गया है कि इस विनिर्माण कार्यकलाप को उत्पाद शुल्क के प्रयोजनार्थ उत्पादन के रूप में मान्यता दी गई है। तथापि, उत्पाद शुल्क कानून के अंतर्गत उत्पादन की परिभाषा पाटनरोधी शुल्क के प्रयोजनार्थ प्रासंगिक नहीं है। किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने यह सिद्ध नहीं किया है कि उत्पाद शुल्क के अंतर्गत उत्पादन की परिभाषा पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ दो भिन्न वस्तुओं की मौजूदगी का संकेत कैसे करती है। उदाहरण के लिए उत्पाद शुल्क कानून के प्रयोजनार्थ केवल पुनः पैकिंग तथा पुनः लेबलिंग आदि को भी उत्पादन कार्यकलाप माना जाता है। तथापि, यदि किसी कंपनी ने केवल पुनः पैकिंग किया है तो यह नहीं कहा जा सकता कि पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ निविष्टि तथा उत्पादित उत्पाद दो असमान वस्तुएं हैं। उत्पाद शुल्क के अंतर्गत विनिर्माण की परिभाषा से तात्पर्य यह नहीं है कि एक ऐसी वस्तु को शामिल किया जाए जिसकी विशेषताएं अत्यधिक भिन्न हो और दोनों असमान वस्तुएं बन जाएं।

(छ) यहां समान वस्तु की परिभाषा देने वाले नियम 2(घ) का संदर्भ देना भी प्रासंगिक होगा जिसमें प्रावधान है कि समान वस्तु से आशय उन दो वस्तुओं से है जो या तो सभी प्रकार से एक समान हैं अथवा इसके अभाव में इनकी "विशेषताएं एक दूसरे से मिलती-जुलती" हैं। इससे यह स्पष्ट रूप से सिद्ध होता है कि केवल विशेषताओं में भिन्नता होना अथवा केवल इस तथ्य का होना कि दोनों रूप एक समान नहीं हैं, का यह तात्पर्य नहीं है कि दोनों रूप असमान वस्तुएं हैं। प्राधिकारी ने यह कहीं भी नहीं कहा है कि सील्ड ग्लास ट्युब्यूलर शेल्स प्रयोग के लिए तैयार सीएफएल हैं। इसके विपरीत प्राधिकारी ने यह स्पष्ट रूप से कहा है कि सील्ड ग्लास ट्युब्यूलर शेल्स अपूर्ण सीएफएल हैं। किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने नियमावली के आधार पर अथवा पाटनरोधी न्यायशास्त्र के आधार पर यह सिद्ध नहीं किया है कि प्राधिकारी को किसी उत्पाद को उसके तैयार अथवा अर्ध तैयार रूप में शामिल करने की अनुमति नहीं है। वास्तव में प्राधिकारी ने विगत में न केवल एक उत्पाद और इसकी अर्ध तैयार अवस्था को शामिल किया है, अपितु वस्तु की परिभाषा में एक उत्पाद और प्रसंस्कृत अवस्था को भी शामिल किया है।

(ज) जहां तक विगत में शुल्क लगाए जाने का संबंध है, प्राधिकारी का अभिमत है कि दो भिन्न जांचों में उपायों का दायरा एक समान होना जरूरी नहीं है। पिछले मामले में जांच का दायरा और परिणामी शुल्क "प्रयोग के लिए तैयार" सीएफएल था, जबकि वर्तमान मामले में जांच के दायरे में अर्ध निर्मित अथवा अपूर्ण सीएफएल शामिल हैं।

(झ) जहां तक पिछले मामले में शुल्क के दायरे के संबंध में विभिन्न उच्चतर प्राधिकारियों के पिछले निर्णयों का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि (क) दोनों जांचों में स्वयं विचाराधीन उत्पाद का दायरा भिन्न है, (ख) पिछले मामले में शुल्क का दायरा "प्रयोग के लिए तैयार" सीएफएल था, अतः विभिन्न माननीय न्यायालयों का यह अभिमत था कि अपूर्ण सीएफएल पर शुल्क का संग्रहण करना न्यायोचित नहीं है। तथापि, जब शुल्क के दायरे में अर्ध निर्मित सीएफएल शामिल हो, तो पिछले निर्णय लागू नहीं होते।

(ञ) अनेक पक्षकारों ने तर्क प्रस्तुत किया है कि प्राधिकारी ने सील्ड शैल्स के संबंध में स्वतंत्र क्षति विश्लेषण नहीं किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति के निर्धारण के संबंध में अनुबंध-11 के साथ पठित नियम-11 में यह स्पष्ट है कि प्राधिकारी द्वारा समान वस्तुओं के उत्पादन में संलग्न घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण (विचाराधीन उत्पाद के आयातों के कारण हुई) किया जाना अपेक्षित है। ऐसी स्थिति में जहां समान वस्तु में उत्पाद की विभिन्न किस्मों/रूपों को शामिल किया गया है, नियम में उत्पाद के प्रत्येक रूप की क्षति की अलग से जांच करना परिकल्पित नहीं है। इसके विपरीत प्राधिकारी द्वारा "घरेलू उद्योग को हुई क्षति" की जांच की जानी अपेक्षित है। घरेलू उद्योग को समान वस्तुओं के उत्पादन में संलग्न घरेलू उत्पादकों के रूप में परिभाषित किया जाता है। अतः क्षति विश्लेषण शामिल उत्पाद के विभिन्न रूपों के लिए संचयी रूप से किया जाना है। तथापि, घरेलू उत्पाद और आयातित उत्पाद के बीच कीमत तुलना के प्रयोजनार्थ और क्षति मार्जिन के निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने अलग-अलग तुलना की है जो न केवल उत्पाद के तीन रूपों के लिए है अर्थात् (क) अर्ध निर्मित सीएफएल; (ख) सीएफएल, जिसमें चोक संयोजित नहीं है; और (ग) सीएफएल जिसमें चोक संयोजित है; अपितु प्राधिकारी ने उचित तुलना के उद्देश्य से इन तीनों रूपों को आगे और विभाजित किया है। अतः प्राधिकारी का अभिमत है कि क्षति निर्धारण नियमावली के अनुरूप है।

(ट) जहां तक तकनीकी/वैज्ञानिक अध्ययन अथवा अन्य निकायों से सूचना प्राप्त करने का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी जांच नियमावली के अंतर्गत निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार की जानी अपेक्षित है। ऐसी प्रक्रिया में यह अधिदेशित नहीं है कि प्राधिकारी द्वारा तकनीकी/वैज्ञानिक निकायों से सूचना प्राप्त की जाए। इसके अलावा इन पक्षकारों ने ऐसे तकनीकी/वैज्ञानिक अध्ययन का कोई औचित्य सिद्ध किया है और न ही प्राधिकारी ने वर्तमान मामले में ऐसी कोई सहायता प्राप्त करना जरूरी समझा है।

(ठ) जहां तक श्रीलंका के विरुद्ध जांच को समाप्त किए जाने का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियमावली के नियम-14 के अंतर्गत प्राधिकारी किसी देश के संबंध में जांच को समाप्त करने के लिए बाध्य हैं, यदि जांच से यह सिद्ध होता है कि उस देश से किए गए

आयात भारत में उत्पादों के कुल ज्ञात आयात से 3% से भी कम हो । वास्तव में कोई भी पक्षकार यह सिद्ध नहीं कर सका कि श्रीलंका से किए गए आयात न्यूनतम से अधिक थे ।

(ड) जहां तक प्रकटीकरण विवरण के पैरा 19 में प्राधिकारी द्वारा की गई अभ्युक्तियों का संबंध है, नोट किया जाता है कि यह अभ्युक्ति प्राधिकारी द्वारा की गई जांच एवं रिकॉर्ड में दर्ज विभिन्न प्रकार की सूचना पर आधारित है । प्राधिकारी इस बात का खंडन नहीं करते कि अनेक कंपनियां सीएफएल के उत्पादन में संलग्न हैं और ऐसे उत्पादन कार्यकलाप पर उत्पाद शुल्क का भुगतान कर रही हैं । वास्तव में इन कंपनियों का उत्पादन "घरेलू उद्योग" मानी गई कंपनियों के उत्पादन की तुलना में अधिक हो सकता है । तथापि, "घरेलू उद्योग" और "भारतीय उत्पादक" तथा "घरेलू उत्पादक" में अंतर एवं भेद किया जाना जरूरी है । घरेलू उद्योग घरेलू उत्पादकों के एक बृहत्तर समुच्चय का एक अंश अथवा उप समुच्चय है । नियम 2(ख) के अंतर्गत घरेलू उद्योग की परिभाषा से यह अत्यंत स्पष्ट है । तथापि, केवल इस तथ्य के कारण कि कोई कंपनी एक घरेलू उत्पादक है, इससे तात्पर्य यह नहीं है कि उसे "घरेलू उद्योग" माना जाए । यदि हितबद्ध पक्षकारों के इन तर्कों को स्वीकार कर लिया जाए तो इनसे नियम 2(ख) का कोई महत्व नहीं रह जाएगा । वास्तव में नियम 2(ख) के अंतर्गत प्राधिकारी भारतीय उद्योग के विभिन्न घटकों की जांच करने एवं तत्पश्चात् यह निर्धारित करने के लिए बाध्य हैं कि क्या किसी कंपनी को पात्र अथवा अपात्र माना जाए । इसके अलावा, उन उत्पादकों, जो अपने उत्पादन कार्यकलाप करते हैं और अपने कार्यकलापों के एक हिस्से की पूर्ति आयातों द्वारा करते हैं, की स्थिति एवं वे घरेलू उत्पादक जो भारत में किए जा रहे वृद्धिकारी उत्पादन कार्यकलाप के साथ इस उत्पाद के आयात पर मोटे तौर पर निर्भर हैं, की स्थिति के बीच भेद किया जाना चाहिए ।

(ढ) प्राधिकारी नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकारों ने हैवल्स एवं ओसराम (उनके आयातों के आधार पर) को बाहर करने की मांग करते हुए परस्पर विरोधी तर्क प्रस्तुत किए हैं । यह इस तथ्य के बावजूद है कि इन कंपनियों ने अनुपूरक आयातों के साथ भारत में उल्लेखनीय उत्पादन कार्यकलाप किए हैं; और इसके साथ ही सीलड ग्लास ट्यूब्यूलर शेल (आगे प्रसंस्कृत हो अथवा नहीं) के आयात के बाद उत्पाद के उत्पादन के बावजूद वे अपने आप को पात्र घरेलू उद्योग होने का दावा करते हैं ।

(ण) जहां तक सीकेडी तथा एसकेडी स्थितियों को दायरे से बाहर रखने और सीकेडी एवं एसकेडी स्थितियां क्या हैं, इस बारे में कथित अस्पष्टता का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि यदि यह मान भी लिया जाए कि इन हितबद्ध पक्षकारों को सीकेडी तथा एसकेडी स्थितियों का तात्पर्य स्पष्ट नहीं था इसे प्राधिकारी को उत्तर प्रस्तुत न करने का कोई न्यायोचित कारण नहीं माना जा सकता । सर्वप्रथम कोई भी हितबद्ध पक्षकार प्राधिकारी से स्पष्टकरण प्राप्त कर सकता है । दूसरे, हितबद्ध पक्षकारों से अपनी सर्वश्रेष्ठ क्षमताओं के अनुसार कार्य करने और सुसंगत सूचना प्रस्तुत करने की अपेक्षा की जाती है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि इन हितबद्ध पक्षकारों ने प्राधिकारी के साथ स्पष्ट रूप से असहयोग करने का निश्चय किया है और वास्तव में जांच में बाधा डालने का प्रयास किया है ।

(त) प्राधिकारी नोट करते हैं कि हेवल्स एवं ओसराम द्वारा किए गए आयातों के मुद्दे का विस्तृत विवेचन अधिसूचित प्राथमिक जांच परिणाम में किया जा चुका है। इस निर्णय की समीक्षा को न्यायोचित ठहराने के लिए प्राधिकारी के ध्यान में कोई नए तथ्य नहीं लाए गए हैं। जैसा कि प्राधिकारी ने नोट किया है, हेवल्स तथा ओसराम द्वारा किए गए आयात उनके कुल उत्पादन कार्यकलाप की तुलना में अत्यंत नगण्य हैं। इन कंपनियों का जोर आयातों पर नहीं रहा है। ये आयात उन उत्पाद किस्मों की श्रेणी में किए गए हैं, जिनका उत्पादन इन कंपनियों द्वारा नहीं किया जाता और केवल उनके स्वयं के उत्पादन कार्यकलापों में सहायता के लिए किया जाता है। वास्तव में प्राधिकारी ने पाटनरोधी शुल्क को गैर-भेदभाव आधार पर लगाने का प्रस्ताव किया है और इसे ओसराम तथा हेवल्स द्वारा किए गए आयातों पर भी लागू किया जाएगा।

(थ) प्राथमिक जांच परिणाम अथवा प्रकटीकरण विवरण में वास्तविक आंकड़े प्रकट न करने के बारे में भी विवाद किया गया है। प्राधिकारी नियमावली के नियम 7 का हवाला देना चाहते हैं, जिसमें हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय के रूप में दावा की गई सूचना को प्रकट करना प्रतिबंधित है। इस संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि प्राधिकारी को उत्तर प्रस्तुत करने वाले विदेशी उत्पादकों ने भी गोपनीयता के प्रावधानों का अत्यधिक इस्तेमाल किया है और उत्पादन एवं बिक्री की मात्रा जैसी सूचना के लिए भी गोपनीयता का दावा किया है। इसके अलावा, प्राधिकारी द्वारा जारी प्राथमिक जांच परिणाम एवं प्रकटीकरण विवरण में भी ऐसी गोपनीय सूचना के आधार पर प्राधिकारी द्वारा निकाले गए निष्कर्षों का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है। कोई भी हितबद्ध पक्षकार प्राधिकारी के निष्कर्षों पर टिप्पणी करने के लिए स्वतंत्र है।

(द) यह भी तर्क प्रस्तुत किया गया है कि याचिकाकर्ता कंपनियां बहुराष्ट्रीय कंपनियां हैं और वे पाटनरोधी प्रक्रिया का दुरुपयोग कर रही हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि तीन आवेदक कंपनियां भारत में निगमित कंपनियां हैं। यह तथ्य कि घरेलू उद्योग के एक अथवा अधिक घटक बहुराष्ट्रीय कंपनियों के भाग हैं, नियमावली के अंतर्गत पूर्णतः निरर्थक है। यह भी नोट किया जाता है कि कुछेक कंपनियां, जिन्होंने असेम्बली लाइन प्रचालनों के रूप में विनिर्माण प्रक्रियाओं की स्थापना की है, की क्षमताएं घरेलू उद्योग के घटकों से तुलनीय है अथवा उनकी तुलना में अधिक हैं।

39.2 मैसर्स अजन्ता मैन्युफैक्चरिंग लि. द्वारा उठाए गए मद्दों के संबंध में

(क) प्राधिकारी इस बात से सहमत नहीं हैं कि हितबद्ध पक्षकारों को अपने निवेदन प्रस्तुत करने के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया गया। जहां तक जांच शुरूआत अधिसूचना अथवा प्रकटीकरण दस्तावेजों को डीजीएडी की वेबसाइट पर प्रदर्शित किए जाने का प्रश्न है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्राधिकारी इन दस्तावेजों को वेबसाइट पर प्रदर्शित करने के लिए सांविधिक रूप से बाध्य नहीं हैं। वास्तव में प्राधिकारी की बाध्यता सार्वजनिक सूचना जारी करने की है, जिससे वे वेबसाइट पर ऐसी अधिसूचनाएं प्रदर्शित करने से मुक्त नहीं हो जाते। वेबसाइट पर सूचना केवल पारदर्शिता लाने के एक अतिरिक्त कदम के रूप में और आग

जनता की जानकारी के लिए प्रदर्शित की जाती है न कि नियम-6 के अंतर्गत यथा विनिर्दिष्ट प्राधिकारी की सांविधिक बाध्यता के विकल्प के रूप में ।

(ख) यह तर्क प्रस्तुत किया गया है कि याचिकाकर्ताओं ने सील्ड ग्लास ट्युब्यूलर शैल पर शुल्क लगाने की मांग नहीं की है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि इन तर्कों का कोई आधार नहीं है । वास्तव में याचिकाकर्ताओं ने जांच की शुरुआत करने और सील्ड ग्लास ट्युब्यूलर शैल्स के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने की इच्छा स्पष्ट रूप से व्यक्त की है ।

(ग) जहां तक निर्वचन नियमावली के नियम 2(क) के संदर्भ का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान जांच सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9(क) तथा उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार की जा रही है । यदि किसी अन्य नियम में उत्पाद के किसी भिन्न रूप को भिन्न वस्तु माना जाता है तो इससे आशय यह नहीं है कि प्राधिकारी द्वारा भी उसे असमान वस्तु समझा जाना अपेक्षित है ।

(घ) जहां तक निर्धारित समय सीमा के भीतर वर्तमान जांच को पूरा करने का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान जांच प्राधिकारी को प्रदत्त समय सीमा के भीतर और केन्द्रीय सरकार द्वारा दो बार विधिवत प्रदत्त विस्तार अवधि के भीतर संपन्न की जा रही है ।

(ङ) जहां तक बीआईएस मानकों के संदर्भ का प्रश्न है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि बीआईएस मानकों में किए गए उल्लेख का वर्तमान कार्यवाही तथा निकाले गए निष्कर्षों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता । प्राधिकारी ने भारत में घटिया गुणवत्ता वाले सीएफएल के आयातों के कारण पाटनरोधी शुल्क लगाने की संस्तुति नहीं की है । प्राधिकारी ने इन शुल्कों की संस्तुति इसलिए की है कि इस उत्पाद का आयात पाटित कीमतों पर किया जा रहा है और इससे घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है ।

(च) प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह तथ्य भी वर्तमान जांच को प्रभावित नहीं करता कि याचिकाकर्ताओं ने बाजार में सील्ड बर्नरों की बिक्री नहीं की है । इसके अलावा जैसा कि पहले बताया गया है, प्राधिकारी द्वारा उत्पाद के प्रत्येक रूप की क्षति संबंधी जांच अलग-अलग की जानी अपेक्षित नहीं है ।

(छ) यह स्पष्ट किया जाता है कि सील्ड बर्नरों अथवा विचाराधीन उत्पाद के अन्य रूपों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का मंतव्य इन उत्पादों के आयात पर प्रतिबंध लगाना नहीं है । शुल्क लगाने का मंतव्य पाटन पद्धतियों द्वारा उठाए गए अनुचित लाभ को दूर करना है ।

40. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत एवं पाटन मार्जिन

40.1 सामान्य मूल्य

40.2. निम्नलिखित कंपनियों द्वारा प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया गया था :-

- क. मै. फोशान इलेक्ट्रिकल एंड लाइटिंग कं. लि., चीन
- ख. मै. येनयांग इलेक्ट्रॉनिक फ्लोरिसेंट लैम्प फैक्ट्री, चीन
- ग. मै. ओसराम चीन लाइटिंग लि., चीन जन.गण.
- घ. मै. फिलिप्स एंड यार्मिंग लाइटिंग कं. लि., चीन

40.3. मै. सुकियान डेडा लाइटिंग कंपनी लि., जियांगसु, चीन और हेंगझाओ लिनेन डॉंगफेन लाइटिंग फैक्ट्री, चीन ने भी जांच शुरूआत का उत्तर दिया और अनुरोध करने के लिए समय की मांग की जिसे प्रदान किया गया था। तथापि, इन कंपनियों ने प्रश्नावली का कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। इसके अलावा, मैसर्स बेंगबू फर्स्ट कमर्शियल एंड ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड, चीन, जिसे सील्ड ग्लास ट्यूब्स का एक निर्यातक बताया गया था, ने विलंब से दिनांक 19 मार्च, 2008 को उत्तर प्रस्तुत किया था, जिसे प्रारंभ में अस्वीकार कर दिया गया था परंतु तत्पश्चात अंतिम निर्धारण के प्रयोजनार्थ स्वीकार कर लिया गया था। यह उत्तर अधूरा था और इसे चीन के उत्पादक निर्यातक की ओर से एपीजे-एसएलजे लॉ ऑफिसेज द्वारा प्रस्तुत किया गया था। तथापि, एपीजे-एसएलजे लॉ ऑफिसेज ने दिनांक 14 अगस्त, 2008 के अपने पत्र के माध्यम से प्राधिकारी को सूचित किया था कि उन्होंने अजन्ता मैन्यूफैक्चरिंग लिमिटेड, सनी एंटरप्राइजेज (एचके) कंपनी लि., चीन तथा बेंगबू फर्स्ट कमर्शियल ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड, चीन की ओर से उनके द्वारा प्रस्तुत प्राधिकार पत्र वापस ले लिया है। बेंगबू फर्स्ट कमर्शियल ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड, चीन की ओर से इसके बाद कोई प्रत्युत्तर प्राप्त नहीं हुआ, अतः वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ चीन के इस उत्पादक/निर्यातक को असहयोगी माना जा रहा है। वियतनाम से किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है।

बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी दावों की जांच

41. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पिछले तीन वर्षों में अन्य डब्ल्यूटीओ सदस्यों द्वारा पाटनरोधी जांचों में चीन जन.गण. और वियतनाम को गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश माना गया है। अतः पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8 (2) के अनुसार प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ उपर्युक्त नियमावली के अनुसार निर्यातक देश अथवा किसी निर्यातक द्वारा उपर्युक्त मान्यता के खंडन के अधीन चीन और वियतनाम को गैर बाजार अर्थव्यवस्था देश माना गया है।

41.1 यथा संशोधित पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 पैरा 8 के अनुसार गैर बाजार अर्थव्यवस्था की मान्यता का खंडन किया जा सकता है यदि चीन/वियतनाम के निर्यातक (निर्यातकों) पैराग्राफ 8 में उप पैरा (3) में विनिर्दिष्ट मापदंड के आधार पर सूचना एवं पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध कराएं और इसके विपरीत बात को सिद्ध करें। चीन जन.गण./वियतनाम से संबद्ध वस्तु के सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों को निर्दिष्ट प्राधिकारी को निम्नलिखित मापदंडों पर विचार करने में समर्थ बनाने के लिए बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार संबंधी प्रश्नावली के उत्तर में पैराग्राफ 8 के उप पैराग्राफ (3) में यथाउल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करने अपेक्षित हैं कि क्या :-

- क. चीन जन.गण./वियतनाम में संबंधित फर्मों की कीमतों, लागत एवं निविष्टियों, कच्ची सामग्री, प्रौद्योगिकी और श्रम लागत, उत्पाद बिक्री और निवेश के निर्णय आपूर्ति एवं मांग प्रदर्शित करने वाले बाजार संकेतकों के प्रतिक्रियास्वरूप लिए जाते हैं और इनमें इस संबंध में राज्य का कोई खास हस्तक्षेप नहीं होता है और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागतों से उनके बाजार मूल्य पर्याप्त रूप से प्रदर्शित होते हैं ;
- ख. ऐसी फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से उत्पन्न विशेष रूप से परिसंपत्तियों के ह्रास, अन्य बड़े-खातों, वस्तु विनिमय और ऋणों की क्षतिपूर्ति के जरिए भुगतानों के संबंध में भारी विकृतियों के अधीन हैं;
- ग. ऐसी फर्में दिवालियापन और संपत्ति कानून, जो फर्मों के प्रचालन की निश्चितता और स्थिरता की गारंटी देते हैं, के अधीन हैं ।
- घ. विनिमय दर परिवर्तन बाजार दर पर किए जाते हैं ।

41.2. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन से संबद्ध वस्तु के प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातकों ने प्राधिकारी द्वारा जारी जांच शुरुआत संबंधी सूचना के परिणामस्वरूप प्रश्नावली का अपना उत्तर और बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है और गैर-बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी मान्यता का खंडन किया है। तथापि, वियतनाम से किसी उत्पादन/निर्यातक का कोई उत्तर नहीं मिला है। प्रतिवादी उत्पादक/निर्यातक के प्रश्नावली के उत्तर और बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी उत्तर की संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातक के सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु जांच की गई थी जो इस प्रकार है।

42. फोशान इलेक्ट्रिकल एंड लाइटिंग कं. लि., चीन

42.1. मै. फोशान इलेक्ट्रिकल एंड लाइटिंग कं. लि., चीन ने संबद्ध वस्तु के एक उत्पादक और निर्यातक के रूप में इस मामले में प्रश्नावली का उत्तर और एमईटी का उत्तर प्रस्तुत किया है। इस कंपनी द्वारा किए गए निवेदनों का सत्यापन कंपनी के फोशान स्थित परिसर में किया गया था। संगठनात्मक चार्ट, पोर्टफोलियो समीक्षा, व्यापार लाइसेंस, अनुमोदन प्रमाण पत्र एवं

व्यावसायिक शक्तों व वैधता में किए गए संशोधनों सहित अनुच्छेद संगठन आदि से संबंधित दस्तावेज दिखाए गए थे। कंपनी ने फोशान शहर जनवादी सरकार के अंतर्गत राज्य स्वामित्व परिसंपत्ति पर्यवेक्षण एवं प्रशासन आयोग तथा ओसराम प्रॉस्पेरिटी होल्डिंग कंपनी लि. के शेयरों की खरीद और बिक्री संबंधी संविदा की प्रति उपलब्ध कराई।

42.2. कंपनी के बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार संबंधी दावे की जांच से ज्ञात होता है कि कंपनी में राज्य का प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष स्वामित्व उल्लेखनीय है।

42.3. दौरा करने वाले दल को ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के संबंध में प्रदत्त जानकारी के अनुसार इस कंपनी की स्थापना *** मिलियन आरएमबी की पंजीकृत पूंजी से दिनांक 20 अक्टूबर, 1992 को की गई थी। यह बताया गया कि इस कंपनी को *** मिलियन के ए शेयर जारी करते हुए शेनजेन स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध किया गया और वर्ष 1993 में पंजीकृत पूंजी *** मिलियन आरएमबी से बढ़ाकर *** मिलियन आरएमबी कर दी गई। वर्ष 1994 में *** मिलियन आरएमबी के ए शेयर जारी करके पंजीकृत पूंजी *** मिलियन आरएमबी से बढ़ाकर *** मिलियन आरएमबी कर दी गई। वर्ष 1995 में *** मिलियन के ए शेयर जारी किए गए और पंजीकृत पूंजी *** मिलियन आरएमबी से बढ़ाकर *** मिलियन आरएमबी कर दी गई। वर्ष 1996 में इसकी कानूनी स्थिति परिवर्तित हुई और यह शेयरों के अनुसार स्टॉक कंपनी लिमिटेड से बदलकर शेयरों के अनुसार विदेशी निवेश वाली स्टॉक कंपनी लिमिटेड बन गई। *** मिलियन ए शेयर जारी किए गए और पंजीकृत पूंजी *** मिलियन आरएमबी से बढ़ाकर *** मिलियन आरएमबी कर दी गई। वर्ष 2000 में *** मिलियन आरएमबी के ए शेयर जारी करके पंजीकृत पूंजी *** मिलियन आरएमबी से बढ़ाकर *** मिलियन आरएमबी कर दी गई। पुनः *** मिलियन ए शेयर जारी किए गए और पंजीकृत पूंजी *** मिलियन आरएमबी से बढ़ाकर *** मिलियन आरएमबी कर दी गई। वर्ष 2006 में फोशान सरकार से शेयर अंतरण ओसराम प्रॉस्पेरिटी होल्डिंग कंपनी लिमिटेड (***) और प्रॉस्पेरिटी लेम्प्स एंड कॉम्पोनेन्ट्स लिमिटेड (***) को किया गया। कंपनी ने यह उत्तर प्रस्तुत किया है कि बाजार अर्थव्यवस्था तंत्र के अंतर्गत प्रचालित अन्य कंपनी अर्थात् ओसराम प्रॉस्पेरिटी होल्डिंग कंपनी, लिमिटेड द्वारा शेयरधारिता से वह भी बाजार अर्थव्यवस्था स्थितियों में प्रचालन की अर्हता प्राप्त कर लेती है। तथापि प्राधिकारी नोट करते हैं कि कंपनी में राज्य सरकार की उल्लेखनीय शेयरधारिता को देखते हुए इसके प्रबंधन तथा दैनन्दिन कार्यों में राज्य के हस्तक्षेप से इंकार नहीं किया जा सकता।

42.4. उपर्युक्त को देखते हुए प्राधिकारी का यह अभिमत है कि चीन के इस उत्पादक-निर्यातक को सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया जा सकता है।

43. मै. येनयांग इलेक्ट्रॉनिक फ्लूरोसेंट लेम्प फैक्ट्री, चीन

43.1. मै. येनयांग इलेक्ट्रॉनिक फ्लूरोसेंट लेम्प फैक्ट्री, चीन ने संबद्ध वस्तु के एक उत्पादक और निर्यातक के रूप में इस मामले में प्रश्नावली का उत्तर और एमईटी का उत्तर प्रस्तुत किया

है । कंपनी ने जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद की पर्याप्त घरेलू बिक्रियां की हैं । कंपनी के उत्तर की जांच की गई थी और कंपनी से कुछेक अतिरिक्त सूचना/स्पष्टीकरण हेतु अनुरोध करते हुए दिनांक 30 जनवरी, 2008 को कंपनी को एक पत्र भेजा गया था । उक्त पत्र में प्रतिवादी कंपनी से अन्य बातों के साथ-साथ घरेलू बिक्रियों संबंधी ब्यौरे, निर्यातक की प्रश्नावली का उत्तर (बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी प्रश्नावली समेत) और निर्यातक के स्वामित्व की स्थिति संबंधी सूचना उपलब्ध कराने के लिए कहा गया था । तथापि, कंपनी से कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है ।

43.2. कंपनी के एमईटी संबंधी दावे की जांच से पता चलता है कि कंपनी ने चीन में एक व्यापारी के जरिए वस्तुओं की बिक्री की है । निर्यातक द्वारा प्रश्नावली का कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया है । कमी संबंधी उत्तर के उत्तर में भी निर्यातक ने प्राधिकारी के समक्ष कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि कंपनी के लिए संबंधित निर्यातक से प्रश्नावली का उत्तर दिए बिना बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार संबंधी जांच नहीं की जा सकती है ।

43.3. प्रश्नों के उत्तर और पूर्ण उत्तर के अभाव में प्राधिकारी ने उक्त जांच के प्रयोजनार्थ इस निर्यातक को असहयोगी माना है ।

44. मै. ओसराम चाइना लाइटिंग लि., चीन जन.गण. तथा मै. फिलिप्स एंड यामिंग लाइटिंग कं. लि., चीन

44.1. इन दोनों कंपनियों द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे संबंधी प्रश्नावली का उत्तर दिया गया था । इन कंपनियों की प्राधिकारी द्वारा पूर्ववर्ती जांच अथवा न्यू शिपर समीक्षा जांच के समय पहले भी जांच की गई थी जिनमें इन कंपनियों को प्राधिकारी ने बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी व्यवहार दिया था । प्राधिकारी द्वारा पूर्व में किए गए बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी निर्धारण को चुनौती नहीं दी गई है और न ही इन कंपनियों के बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे के संबंध में घरेलू उद्योग ने कोई मुद्दा ही उठाया है । दोनों कंपनियों के रिकॉर्डों की जांच चीन स्थित उनके परिसरों में की गई थी । कंपनियों को पूर्व में बाजार अर्थव्यवस्था के अपने दावे के लिए निम्नलिखित दस्तावेज उपलब्ध कराने की सूचना दी गई थी -

- कंपनी का निगमन प्रमाण-पत्र
- कंपनी की परिसंपत्तियों के लिए खरीद बीजक ।
- अर्जन के ब्यौरों के साथ जांच अवधि के दौरान बकाया परिसंपत्तियों का ब्यौरा ।
- किसी रूपांतरण के मामले में, रूपांतरण, परिसंपत्ति मूल्यांकन, निपटान कीमत तथा अंतरण हेतु अपनाई गई प्रक्रिया के ब्यौरे ।
- आपकी कंपनी का संगठनात्मक चार्ट ।

- स्थापना से शीघ्र पूंजी तथा स्वामित्व के ब्यौरों सहित कंपनी की संरचना में परिवर्तन के बारे में सूचना ।
- कंपनी की किसी मूल कंपनी तथा सहायक कंपनियों और कंपनी से संबद्ध सभी अन्य व्यक्तियों की सूचना ।
- संस्था के अंतर्नियम तथा संस्था ज्ञापन ।
- वेट एवं स्थानीय कर पंजीकरण प्रमाण-पत्र ।
- श्रमिक भुगतान संविदा ।
- विदेशी कारोबार पंजीकरण प्रमाण-पत्र ।
- संबद्ध वस्तु को शामिल करते हुए कंपनी द्वारा जारी सूचियां एवं पुस्तिकाएं ।
- कच्ची सामग्री एवं उपयोगिता आपूर्तिकर्ताओं की सूची के साथ-साथ उनके कानूनी ढांचे एवं संबद्धता के ब्यौरे ।

45. सत्यापन के समय संगठनात्मक चार्ट, पोर्टफोलियो समीक्षा, कारोबार लाइसेंस, अनुमोदन प्रमाण-पत्र तथा कारोबार की शर्तों में परिवर्तन तथा विधिमान्यता आदि के साथ संस्था के अंतर्नियमों के संबंध में दस्तावेज दिखाए गए थे । उपर्युक्त को देखते हुए प्राधिकारी यह मानते हैं कि इन उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान किया जा सकता है ।

वियतनाम

46. वियतनाम से किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है । इनमें से किसी भी पक्षकार ने इन कंपनियों के बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी दर्जे के संबंध में कोई सूचना प्रस्तुत नहीं की है । अतः प्राधिकारी अनुबंध-1 के पैरा 8 के अनुसार वियतनाम (कंपनियों) के बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी दर्जे पर विचार करने में असमर्थ है ।

गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाली कंपनियों के मामले में सामान्य मूल्य

47. इस संबंध में नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में यह व्यवस्था है कि:

गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा परिकलित मूल्य, अथवा किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव न हो, अथवा अन्य किसी तर्कसंगत आधार पर किया जाएगा, जिसमें भारत में समान वस्तु के लिए वास्तविक रूप से संदत्त अथवा भुगतान योग्य कीमत, जिसमें यदि आवश्यक हो तो लाभ की समुचित गुंजाइश भी विधिवत रूप से समायोजित की जाएगी । निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे समुचित देश का चयन उचित तरीके से किया जाएगा जिसमें संबंधित देश के विकास के स्तर तथा प्रश्नगत उत्पाद का ध्यान रखा जाएगा और चयन के समय उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय

सूचना का भी ध्यान रखा जाएगा । जहां उचित हो उचित समयसीमा के भीतर किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में इसी प्रकार के मामले में की गई जांच पर भी ध्यान दिया जाएगा । जांच से संबंधित पक्षों को बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के उपर्युक्त प्रकार से चयन के बारे में बिना किसी अनुचित विलंब के सूचित किया जाएगा और उन्हें अपनी टिप्पणियां देने के लिए उचित समयावधि प्रदान की जाएगी ।

48. प्राधिकारी ने जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना के पैरा 5 में इंगित किया था कि वह चीन और वियतनाम के संबंध में सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ यूरोपीय संघ को समुचित बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश मानने की परिकल्पना करते हैं । हितबद्ध पक्षकारों को बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के इस चयन पर उनकी टिप्पणियां देने के लिए आमंत्रित किया गया था । तथापि, आवेदकों के अलावा किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने प्राधिकारी के समक्ष उपर्युक्त प्रयोजनार्थ बाजार अर्थव्यवस्था वाले उचित तीसरे देश के रूप में यूरोपीय संघ को माने जाने के बारे में पर्याप्त सामग्री प्रस्तुत नहीं की है । यद्यपि, प्राधिकारकर्ता ने यूरोपीय संघ में संबद्ध वस्तुओं की बिक्री कीमत के बारे में सूचना प्रस्तुत की है, तथापि प्राधिकारी नोट करते हैं कि ईयू में इन वस्तुओं की कीमत सूची मात्र और वो भी इस प्रकृति के उत्पाद के लिए, प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ सामान्य मूल्य निर्धारित करने के लिए अपर्याप्त है ।

49. प्रकटीकरण विवरण पर प्रतिक्रिया

49.1 घरेलू उद्योग

49.1.1 निर्दिष्ट प्राधिकारी ने विस्तृत जांच के आधार पर संबद्ध देशों के लिए सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन का निर्धारण किया है । घरेलू उद्योग ने नोट किया है कि प्रकटीकरण विवरण में विभिन्न कंपनियों के लिए निर्धारित पाटन मार्जिन का उल्लेख नहीं किया गया है । अधिसूचित प्राथमिक जांच परिणाम तथा प्रकटीकरण विवरण में प्रकट की गई विधि पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग ने यह माना है कि प्राधिकारी ने सभी प्रतिवादी निर्यातकों के मामले में पाटन मार्जिन को अत्यधिक पाया है । यदि ऐसा नहीं है तो घरेलू उद्योग प्राधिकारी से पाटन मार्जिन को प्रकट करने का अनुरोध करता है । यदि सभी आयातों के संबंध में पाई गई पाटन मार्जिन अत्यधिक तथा न्यूनतम सीमा से अधिक है तो हम निर्दिष्ट प्राधिकारी से इस संबंध में प्रकटीकरण विवरण की पुष्टि करने का अनुरोध करते हैं ।

49.2 फोशान, चीन

49.2.1 ईयू की पाटनरोधी पद्धति में यह एक सामान्य पद्धति है कि आयोग यह जांच करेगा कि क्या एक ही ग्रुप के अंतर्गत आने वाली संबंधित कंपनियां बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्राप्त करने की शर्तों को पूरा कर सकती हैं । इस अपेक्षा का स्पष्ट उल्लेख एमईटी दावे के प्रपत्र की प्रस्तावना में किया गया है । "यदि संबंधित उत्पाद के उत्पादन एवं/अथवा बिक्री में चीन जनवादी गणराज्य की कोई सहायक कंपनी अथवा कोई अन्य संबंधित कंपनी

शामिल है तो प्रश्नगत कंपनी द्वारा यह बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार के दावे से संबंधित प्रपत्र अलग से भरा जाना चाहिए, क्योंकि आयोग यह जांच करेगा कि क्या पूरा गुप बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्राप्त करने की शर्तों को पूरा करता है अथवा अलग-अलग व्यवहार" (एमईटी दावा प्रपत्र की प्रस्तावना देखें)। सीएफएल के मामले में प्राधिकारी द्वारा दी गई सुसंगत परिभाषा के अनुसार एफएसएल तथा ओसराम (चीन) दो संबंधित कंपनियां हैं, अतः प्राधिकारी के लिए यह सही नहीं होगा कि इस जांच में एफएसएल को एमईटी से वंचित किया जाए और ओसराम (चीन) को एमईटी प्रदान किया जाए।

49.2.2 डीजीएडी के लिए यह सही नहीं है कि वह एमईटी की जांच करते समय एफएसएल तथा फिलिप्स एंड यार्मिंग के लिए भिन्न-भिन्न मापदंड लागू करे। फिलिप्स एंड यार्मिंग, फिलिप्स तथा यार्मिंग के बीच एक संयुक्त उद्यम है। यार्मिंग अपनी स्थापना से ही राज्य के पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी है। मूल जांच में डीजीएडी ने पाया था कि यार्मिंग के पास फिलिप्स एंड यार्मिंग के 40% शेयर हैं। सार्वजनिक सूचना के अनुसार यार्मिंग के पास फिलिप्स एंड यार्मिंग की अब भी 20% शेयरधारिता है। एफएसएल ने नोट किया है कि फिलिप्स एंड यार्मिंग को मूल जांच तथा नई जांच के प्राथमिक जांच परिणाम, दोनों में एमईटी प्रदान किया गया है।

49.2.3 यद्यपि सामान्य मूल्य के आकलन हेतु एफएसएल प्रस्तावित विधि अर्थात् दो एमईटी निर्यातकों के सामान्य मूल्य का विकल्प के रूप में प्रयोग करना से सहमत है, एफएसएल ने नोट किया है कि प्राधिकारी ने वास्तव में केवल दो विशिष्ट सामान्य मूल्यों का परिकलन किया है, अर्थात् 5 से 10 वोल्टेज वाले पीसीएन के लिए *** आरएमबी/पीसी तथा 11 से 20 वोल्टेज वाले पीसीएन के लिए *** आरएमबी/पीसी। तथापि, ऐसा प्रतीत होता है कि परिकलित किया गया सामान्य मूल्य अत्यधिक है।

49.3 फिलिप्स एंड यार्मिंग, चीन

49.3.1 उपर्युक्त के मद्देनजर तुलना की सही स्थिति घरेलू बाजार में स्वतंत्र बिक्री कीमत है जिसकी तुलना भारत में प्रथम स्वतंत्र बिक्री कीमत से की जानी जरूरी है।

49.3.2 यद्यपि प्रकटीकरण विवरण से यह पूर्णतः स्पष्ट नहीं है, परंतु यह जाहिर है कि माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी ने फिलिप्स की चीन स्थित व्यापारिक कंपनी की खरीद कीमत की तुलना भारत में फिलिप्स इंडिया की प्रथम स्वतंत्र बिक्री कीमत से की है। यह स्पष्ट रूप से त्रुटिपूर्ण है क्योंकि फिलिप्स द्वारा जिन ग्रेडों का निर्यात भारत को किया जाता है उन्हीं की बिक्री फिलिप्स द्वारा चीन में अपनी व्यापारिक कंपनी अर्थात् पेटस्को को की जाती है। सही तुलना केवल दोनों बाजारों में प्रथम स्वतंत्र बिक्री कीमत से की जा सकती है अर्थात् पेटस्को द्वारा अलग-अलग डीलरों को प्रदत्त कीमतें तथा फिलिप्स द्वारा अलग-अलग डीलरों को बिक्री कीमतों के बीच। वास्तव में माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा सीएफएल-1 के मामले में की गई पाटनरोधी जांच में यही विधि अपनाई गई थी।

49.3.3 पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए प्रतिकूल रेंज :

उपर्युक्त के होते हुए भी यदि माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी संबद्ध देशों से आयातित सीएफएल पर शुल्क लगाना समुचित समझें तब भी वे रेंज जिन पर प्रारंभिक शुल्क लगाए गए हैं उपभोक्ताओं तथा निर्यातकों, दोनों के लिए अवास्तविक तथा प्रतिकूल हैं ।

माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी ने सत्यापन किया है कि 11 वॉट वाले सीएफएल (चोक सहित) का मूल्य 135/-रु. है जबकि 20 वॉट वाले सीएफएल (चोक सहित) का मूल्य 225/-रु. है । यह लगभग 60% की बढ़ोत्तरी है, परंतु माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी ने प्रारंभिक जांच परिणाम में एक समान संदर्भ मूल्य निर्धारित करके इस तथ्य को नजदअंदाज कर दिया है । दोनों के लिए समान संदर्भ मूल्य निर्धारित करके माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी उपभोक्ताओं और निर्यातकों के साथ घोर अन्याय कर रहे हैं और याचिकाकर्ताओं को संरक्षण दे रहे हैं, जो न्यायोचित नहीं है । सीएफएल के विद्युत बचत से होने वाले लाभों को देखते हुए पाटनरोधी शुल्क के कारण कम रेंज की वॉटेज की लागत पर अनावश्यक भार बढ़ेगा, जो वास्तव में वह ग्रेड है जिसका उपयोग पारंपरिक 40 तथा 60 वॉट के इनकैंडीसेंट बल्बों के स्थान पर आम आदमी द्वारा किया जाता है । सविनय निवेदन किया जाता है कि प्राधिकारी द्वारा इस महत्वपूर्ण पहलू पर पुनर्विचार किया जाए और शुल्क के अधिरोपण के प्रयोजनार्थ रेंज को युक्तियुक्त बनाया जाए ।

सामान्य मूल्य

50. इस बात के मद्देनजर कि मै. फिलिप्स एंड यार्मिंग तथा ओसराम को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान किया गया है, प्राधिकारी उनके अनुरोधों के आधार पर चीन में सामान्य मूल्य के निर्धारण का प्रस्ताव करते हैं । इस प्रकार से परिकलित सामान्य मूल्य को एनएमई उत्पादक/निर्यातक मै. फोशान इलैक्ट्रिकल्स पर लागू करने का प्रस्ताव है । तथापि, यह देखा जाता है कि मै. फोशान ने बर्नर (सील्ड ग्लास सैल्स) का निर्यात किया है जबकि मै. फिलिप्स एंड यार्मिंग तथा ओसराम ने चोक सहित या रहित सीएफएल का निर्यात किया है, इस प्रकार नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के आधार पर बर्नर के सामान्य मूल्य का परिकलन किया गया है । मै. फोशान ने यह अनुरोध किया है कि जांच अवधि के दौरान उनका भारत में भविष्य चोक सहित/रहित सीएफएल का निर्यात नहीं किया है । उन्होंने अनुरोध किया है कि उनका प्रस्ताव भविष्य में भारत को चोक सहित/रहित सीएफएल का निर्यात करने का है । चोक सहित/रहित सीएफएल विचाराधीन उत्पाद का भाग होने के कारण उन्होंने चोक सहित तथा रहित सीएफएल की निर्यात कीमत की गणना करने के लिए अपनी गणनाएं (उनके परिसरों में किए गए सत्यापन के आधार पर) प्रस्तुत की है । प्राधिकारी ने अंतिम निर्धारण हेतु जांच अवधि के दौरान निर्यात न की गई उत्पाद किस्मों के संबंध में निर्यातक के दावे पर विचार किया है । सापेक्षिक उत्पादन लागत से संबंधित पूर्ण ब्यौरे के अभाव में अपशिष्ट शुल्क जांच अवधि के दौरान निर्यात न की गई किस्मों के लिए बैचमार्क होगा ।

51. फिलिप्स एंड यार्मिंग लाइटिंग और ओसराम चाइना लाइटिंग के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण इन कंपनियों द्वारा प्रस्तुत प्रश्नावली के उत्तर के आधार पर किया गया है। घरेलू बाजार में इन कंपनियों द्वारा की गई बिक्रियों के आधार पर प्रत्येक किस्म के लिए घरेलू बाजार में भारित औसत बिक्री कीमत का निर्धारण पृथक रूप से किया गया है। सामान्य मूल्य का निर्धारण कारखाना-द्वार स्तर पर किया गया है। मै. फिलिप्स के मामले में निर्यातित सभी पीसीएन में बीआईएस मार्किंग तथा दो पीसीएन में अति व्याप्त वोल्टेज (वीडब्ल्यूवी) समायोजन हेतु समायोजनों की अनुमति दी गई है।

प्रतिवादी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

52. प्राधिकारी ने इस बात की जांच की थी कि क्या प्रतिवादी निर्यातकों के संबंध में निर्यात कीमत का निर्धारण इन हितबद्ध पक्षों द्वारा प्रस्तुत प्रश्नावली के उत्तरों के आधार पर किया जा सकता है। भारत को निर्यात कीमत के बारे में निम्नलिखित कंपनियों ने सूचना प्रस्तुत की थी।

- क. मै. फोशान इलेक्ट्रिकल एंड लाइटिंग कं. लि., चीन
- ख. मै. येनयांग इलेक्ट्रॉनिक फ्लोरोसेंट लैम्प फक्ट्री, चीन
- ग. मै. ओसराम चाइना लाइटिंग लि., चीन जन.गण.
- घ. मै. फिलिप्स एंड यार्मिंग लाइटिंग कं. लि., चीन

53. मै. फोशान इलेक्ट्रिकल एंड लाइटिंग कं.लि., चीन के मामले में कंपनी ने केवल सील्ड ग्लास शैल्स/बर्नर का निर्यात किया था। समायोजनों के साथ दावा की गई निर्यात कीमत की अनुमति दी गई है। जांच अवधि के दौरान निर्यात न किए गए परिवर्तकों के लिए प्राधिकारी ने अलग-अलग निर्धारण हेतु कारखाना स्तर पर निर्यात कीमत का परिकलन किया है।

54. मै. फिलिप्स एंड यार्मिंग लाइटिंग कं. चीन तथा ओसराम चाइना लाइटिंग लि., चीन जन.गण. के संबंध में निर्यात कीमत का निर्धारण प्रतिवादी निर्यातक द्वारा दायर प्रश्नावली के उत्तरों के आधार पर किया गया है। तथापि चूंकि दोनों कंपनियों ने वस्तु का निर्यात भारत में अपनी संबंधित कंपनियों को किया है जिन्होंने आयात के बाद इस वस्तु की पुनः बिक्री की है, इसलिए निर्यात कीमत का परिकलन भारत में उनकी संबद्ध कंपनी द्वारा सूचित पुनः बिक्री के आधार पर किया गया है। इस प्रकार प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ सीआईएफ निर्यात कीमत के परिकलन हेतु भारत में उनके आयातकों के समस्त व्यय तथा उनके लाभ मार्जिन को घटा दिया गया है। निर्यात कीमत का निर्धारण जांच अवधि के दौरान निर्यातों की भारित औसत कीमत के आधार पर उत्पाद के प्रत्येक प्रकार के लिए अलग-अलग किया गया है। निर्यात कीमत का निर्धारण कारखाना स्तर पर किया गया है।

असहयोगी निर्यातकों हेतु निर्यात कीमत

55. डीजीसीआईएंड एस द्वारा बताए गए आंकड़ों पर कारखाना स्तर पर निर्यात कीमत की गणना हेतु विश्वास किया गया है। विचाराधीन उत्पाद की प्रत्येक किस्म के संबंध में निर्यात कीमत की गणना अलग से की गई है। प्राधिकारी यह मानते हैं कि अवशिष्ट श्रेणी के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए दावे के आधार पर कीमत समायोजनों की अनुमति जाए। निर्यात कीमत का निर्धारण कारखाना स्तर पर किया गया है।

पाटन मार्जिन

56. सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के संबंध में प्राप्त टिप्पणियों के आधार पर पाटन मार्जिन निकाला जाएगा। निम्नलिखित तालिका में मात्रा के संबंध में आंकड़े 1000 नग में हैं। सामान्य मूल्य (एनवी) तथा निवल निर्यात कीमत (एनईपी) के संबंध में आंकड़े आरएमबी प्रति नग हैं।

(क)

मै. फिलिप्स एंड यार्मिंग लाइटिंग कं. लि., चीन

आरएमबी /नग

पीसीएन	218	226	305	308	311	314	315	318	319
मात्रा	***	***	***	***	***	***	***	***	***
एनवी	***	***	***	***	***	***	***	***	***
एनईपी	***	***	***	***	***	***	***	***	***
पाटन मार्जिन									
पाटन मार्जिन %									

320	323
***	***
***	***
***	***

(ख)

मै. ओसराम चाइना लाइटिंग लि., चीन जन.गण.

आरएमबी /नग

पीसीएन	305	308	311	314
मात्रा	***	***	***	***
एनवी	***	***	***	***
एनईपी	***	***	***	***
पाटन मार्जिन				
पाटन मार्जिन %				

(ग)

मै. फोशान इलेक्ट्रिकल्स

आरएमबी /नग

पीसीएन	105	107	109	110	111	113	115	118	120
मात्रा	***	***	***	***	***	***	***	***	***
एनवी	***	***	***	***	***	***	***	***	***
एनईपी	***	***	***	***	***	***	***	***	***
पाटन मार्जिन									
पाटन मार्जिन %									

126

(घ)

वियतनाम-सभी उत्पादक/निर्यात

रु./नग

विवरण	सीएफएल चॉक रहित	सीएफएल चॉक सहित
सीएनवी	***	***
कारखाना निर्यात कीमत	***	***
पाटन मार्जिन	***	***
पाटन मार्जिन %	70-75%	60-65%

क्षति निर्धारण हेतु कार्यप्रणाली तथा कारणात्मक संबंध की जांचघरेलू उद्योग के विचार

57. घरेलू उद्योग के विचार निम्नानुसार हैं: -

- क. क्षति अवधि के दौरान संबद्ध देशों से निर्यात कीमत पाटित स्तर पर बनी रही है। इसके अलावा, आधार अवधि से जांच अवधि तक इन कीमतों में हुई वृद्धि निविष्टि कीमतों में वृद्धि के अनुरूप नहीं हुई है।
- ख. पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने और बाजार में वृद्धि के कारण घरेलू उद्योग के उत्पादन, बिक्री की मात्रा तथा क्षमता उपयोग में सुधार प्रदर्शित हुआ है।

- ग. आधार अवधि से जांच अवधि तक घरेलू उद्योग के लाभ/हानि (पीबीटी तथा पीबीआईटी) में उल्लेखनीय गिरावट देखी गई है ।
- घ. घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है । ऐसा इसलिए हुआ है, क्योंकि भारत में मांग के बाजार हिस्से का उल्लेखनीय भाग पाटित आयातों ने घेर लिया है ।
- ङ. प्रत्येक संबद्ध देश से आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में उल्लेखनीय सीमा तक कीमत कटौती हुई है ।
- च. संबद्ध देशों से आयातों के कारण घरेलू उद्योग वर्ष 2005-06 तथा प्रस्तावित जांच अवधि के दौरान अपनी कीमतों में भारी गिरावट लाने पर विवश हुआ है । इस प्रकार आयातों के कारण इस अवधि के दौरान कीमतों में मंदी छाई रही ।
- छ. मांग तथा बाजार हिस्सा : आयातों के बाजार हिस्से में जहां वृद्धि हुई है, वहीं घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है ।
- ज. वृद्धि :- मात्रात्मक मानदंड के रूप में घरेलू उद्योग की वृद्धि में सकारात्मक रुख देखा गया है, जबकि कीमतों का रुख नकारात्मक है ।
- झ. समग्र रूप में आयात की मात्रा में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है ।
- ञ. कीमत कटौती उल्लेखनीय है । इष्टतम से कम कीमत की पेशकश के बावजूद घरेलू उत्पाद तथा आयातित उत्पाद की कीमत के बीच अंतर सकारात्मक है ।

58. प्रकटीकरण विवरण पर प्रतिक्रिया

59. फिलिप्स एंड यार्मिंग

यह सही है कि जहां तक भारत में सीएफएल पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद की स्थिति का संबंध है, प्राधिकारी ने याचिकाकर्ताओं की तथ्यात्मक स्थिति का उचित ध्यान रखा है, परंतु यह भी महत्वपूर्ण है कि जिस तरीके से दोनों उत्पादों को एक ही जांच के अंतर्गत लाया गया है और यह निष्कर्ष निकाला गया है कि सीएफएल के पुर्जे प्रयोग के लिए तैयार चोक सहित/चोक रहित पूर्ण सीएफएल के लिए जरूरी है, स्पष्टतः अव्यावहारिक है और इस मुद्दे पर माननीय न्यायालयों द्वारा दिए गए पूर्वोदाहरणों के न्याय शास्त्र के विरुद्ध है और यह दर्शाने के लिए भी वास्तविक साक्ष्य प्रस्तुत किया गया है कि सीएफएल के पुर्जों तथा प्रयोग के लिए तैयार चोक सहित तथा चोक रहित पूर्ण सीएफएल के भौतिक, यांत्रिक, लागत एवं उपयोग संबंधी विशेषताओं के बीच स्पष्ट अंतर तथा मूल्यवर्धन किया जाता है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

60. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उपयोग हेतु तैयार सीएफएल पर पाटनरोधी शुल्क की संस्तुति पहले भी की गई थी । ये शुल्क दिनांक 20 दिसंबर, 2006 तक लागू रहे । घरेलू उद्योग ने पहले अभ्यावेदन दिया था कि विचाराधीन उत्पाद के दायरे में सीलड ग्लास ट्यूब्यूलर शैल्स को शामिल न करने के कारण घरेलू उद्योग को क्षति जारी रही है, क्योंकि अनेक कंपनियों ने देश में संयोजन सुविधाएं स्थापित कर ली हैं और इस उत्पाद को अर्द्धनिर्मित उपान्त्य अवस्था में आयात करके सीएफएल का उत्पादन व बिक्री शुरू कर दी है । यह भी

अभ्यावेदित किया गया था कि सील्ड ग्लास ट्यूब्यूलर शेल्स तथा उपयोग के लिए तैयार सीएफएल की अवस्था से उत्पादन कार्यकलाप अत्यंत महत्वपूर्ण हैं जैसा कि चोक रहित परंतु उपयोग के लिए तैयार सीएफएल की अवस्था में शामिल उत्पादन प्रक्रिया में सिद्ध किया गया है। यह भी अभ्यावेदित किया गया था कि सील्ड ग्लास ट्यूब्यूलर शेल्स की तुलना चोक युक्त उपयोग हेतु तैयार सीएफएल के साथ करना भ्रामक है क्योंकि चोक एक इलेक्ट्रॉनिक संघटक है और उसका उत्पादन अपने आप में एक अलग कार्यकलाप है। देश में अनेक इलेक्ट्रॉनिक संघटक उत्पादक हैं जो बना बनाया चोक प्रदान कर सकते हैं। अतः घरेलू उद्योग ने निवेदन किया था कि विचाराधीन उत्पाद के दायरे में सील्ड ग्लास ट्यूब्यूलर शेल्स को शामिल न करने से ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई है जब यद्यपि, पाटनरोधी शुल्क इस उत्पाद पर लगाया गया था परंतु अर्ध-निर्मित उत्पाद के लगातार पाटन के कारण उत्पादकों को क्षति होती रही।

61. घरेलू उद्योग ने इस संबंध में सेस्टेट तथा उच्च न्यायालयों के अनेक निर्णयों की ओर प्राधिकारी का ध्यान आकृष्ट किया है। इनमें से अनेक निर्णयों में यह निर्णय दिया गया है कि बर्नरों के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाया जाना न्यायोचित था। इसके साथ ही ऐसे भी निर्णय थे जिनमें यह कहा गया था कि बर्नरों के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क का संग्रहण न्यायोचित नहीं है। घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी का ध्यान सीबीईसी द्वारा जारी एक परिपत्र की ओर भी आकृष्ट किया है, जिसमें सीमाशुल्क पत्तन प्राधिकारियों को अर्द्ध-निर्मित सीएफएल के आयातों पर भी पाटनरोधी शुल्क के संग्रहण का निर्देश दिया गया था। घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि यह स्थिति तब भी थी जब निर्मित/उपयोग के लिए तैयार सीएफएल पर पाटनरोधी शुल्क लागू था। तथापि, यह देखते हुए कि उपयोग हेतु तैयार सीएफएल पर पाटनरोधी शुल्क लागत नहीं था, पत्तन प्राधिकारी अर्द्ध निर्मित सीएफएल अथवा बर्नरों के आयात हेतु अनुमति देने पर सहमत हो गए। इसके परिणामस्वरूप अधिकाधिक कंपनियों ने संयोजन सुविधाएं स्थापित कर लीं और सीएफएल उत्पादक बन गईं जिसके कारण भारतीय उत्पादकों को अनुचित प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ा। घरेलू उद्योग ने निवेदन किया है कि इन उत्पादकों को पाटित कीमतों पर बर्नरों के रूप में अर्द्ध-निर्मित सीएफएल उपलब्ध हो जाता है और उसके बाद ये अनुचित रूप से घरेलू उद्योग से प्रतिस्पर्धा करते हैं। इसके परिणामस्वरूप, यद्यपि, उत्पाद में समग्र वृद्धि होती है, तथापि घरेलू उद्योग की वृद्धि में हास हुआ है और इसकी लाभप्रदता धीरे-धीरे प्रभावित हुई है।

क्षति का संचयी आकलन

62. नियमावली के अनुबंध-II (iii) के अनुसार ऐसे मामले में जहां एक से अधिक देश से किसी उत्पाद के आयातों की पाटनरोधी जांच की जाती है, वहां प्राधिकारी से ऐसे आयातों के प्रभाव के संचयी आंकलन की अपेक्षा की जाती है, जब यह निर्धारित होता हो कि

क. प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में, स्थापित पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त करने पर 2% से अधिक है तथा प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा समान वस्तु के आयातों की 3% है, और

ख. आयातित वस्तु तथा समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की शक्तों के आलोक में आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन उचित है ।

63. प्राधिकारी ने पाया है कि प्रत्येक देश के संबंध में पाटन मार्जिन 2% से अधिक है और प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा भी 3% से अधिक है । वर्तमान मामले में आयातों का संचयी आकलन उपयुक्त है । प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत विभिन्न तर्कों पर विचार किया है । इस संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षों ने कोई प्रत्युत्तर नहीं दिया था ।

64. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II में अपेक्षा की गई है कि क्षति के निर्धारण में निम्नलिखित दोनों बातों की वस्तुनिष्ठ जांच की जाएगी :

क. पाटित आयातों की मात्रा और घरेलू बाजार में समान उत्पादों की कीमतों पर पाटित आयातों का प्रभाव ; और

ख. ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन पाटित आयातों के परिणामतः होने वाला प्रभाव ।

65. पाटित आयातों की मात्रा की जांच करते समय प्राधिकारी द्वारा यह जांच करना अपेक्षित है कि क्या समग्र रूप में अथवा भारत में उत्पादन अथवा उपभोग के सापेक्ष पाटित आयातों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है । जहां तक पाटित आयातों के कीमत प्रभाव का प्रश्न है, प्राधिकारी द्वारा यह जांच करना अपेक्षित है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में उल्लेखनीय कीमत कटौती हुई है, अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव का उद्देश्य कीमतों में उल्लेखनीय स्तर तक मंदी लाना अथवा कीमत वृद्धि को रोकना था, जो अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक हुई होती ।

66. क्षति के विश्लेषण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी द्वारा घरेलू उद्योग पर संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों के संचयी प्रभाव और घरेलू उद्योग की स्थिति को प्रभावित करने वाले सभी संबद्ध आर्थिक कारकों एवं सूचकों पर इसके प्रभाव की जांच की गई, ताकि क्षति की मौजूदगी तथा पाटन एवं क्षति, यदि हुई हो, के बीच कारणात्मक संबंध का मूल्यांकन किया जा सके ।

67. चूंकि संबद्ध देशों से निर्यातों के संबंध में उल्लेखनीय पाटन मार्जिन स्थापित की गई है, अतः संबद्ध देशों से समस्त निर्यातों को क्षति के विश्लेषण एवं कारणात्मक संबंधों की जांच के प्रयोजनार्थ पाटित आयात माना गया है ।

पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव

68. प्राधिकारी द्वारा संबद्ध वस्तुओं के आयातों का सौदेवार ब्यौरा डीजीसीआईएंड एस से एकत्रित किया गया । आयातों की मात्रा का निर्धारण विचाराधीन सभी प्रकार के उत्पादों के

आयातों के संवर्धन के माध्यम से किया गया। चीन जन.गण. तथा वियतनाम से हुए अलग-अलग आयात न्यूनतम सीमा से अधिक हैं।

आयात की मात्रा और संबद्ध देशों का हिस्सा

69. प्रत्येक संबद्ध देश से आयात एवं कुल आयातों में उनका हिस्सा निम्नानुसार है :-

आंकड़े लाख नग में				
देश	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07
चीन	161.62	366.38	752.65	1,064.78
वियतनाम	14.83	14.86	55.26	54.04
संबद्ध देश	176.45	381.24	807.91	1,118.82
प्रवृत्ति	100	216	458	634
अन्य देश	268.56	78.87	124.15	93.12
प्रवृत्ति	100	29	46	35
कुल आयात	445.01	460.11	932.06	1,211.94
प्रवृत्ति	100	103	209	272
आयातों में बाजार हिस्सा				
चीन	36.32	79.63	80.75	87.86
वियतनाम	3.33	3.23	5.93	4.46
संबद्ध देश	39.65	82.86	86.68	92.32
प्रवृत्ति	100	209	219	233
अन्य देश	60.35	17.14	13.32	7.68
प्रवृत्ति	100	28	22	13
घरेलू उद्योग का उत्पादन	80.03	137.89	246.71	257.53
संबद्ध देशों से आयात	176.45	381.24	807.91	1,118.82
घरेलू उद्योग के उत्पादन के प्रतिशत के रूप में संबद्ध देशों से आयात	220.48	276.47	327.47	434.45
सील्ड ग्लास ट्यूब्यूलर शेल्स				
- सील्ड ग्लास ट्यूब्यूलर शेल्स	140.55	341.26	668.70	928.95
उपयोग हेतु तैयार सीएफएल				
- उपयोग हेतु तैयार सीएफएल	35.90	39.98	139.21	189.87

70. यह पाया गया है कि भारत में आयातों की तुलना में संबद्ध देशों से संवर्धनी आयातों में समग्र रूप में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जांच अवधि के दौरान ची.जन.गण तथा वियतनाम से हुए आयात क्रमशः 87.86% एवं 4.46% थे। यह भी नोट किया जाता है कि जहां उपयोग के लिए तैयार सीएफएल के आयातों में गिरावट आई, वहीं सील्ड ग्लास ट्यूब्यूलर शेल्स के आयातों में कई गुना वृद्धि हुई। इस प्रकार यह स्पष्ट है कि भारत में अधिकाधिक कंपनियां

अर्द्ध-निर्मित अवस्था में सीएफएल का आयात शुरू करके भारत में प्रसंस्करण कार्यकलाप में संलग्न है।

मांग, उत्पादन तथा बाजार हिस्सा

71. भारत में मांग/खपत के संदर्भ में आयातों के हिस्से तथा भारत में उत्पादन के संदर्भ में आयातों के हिस्से की जांच की गई। संगत सूचना नीचे दी गई है।

मांग में वृद्धि

72. संबद्ध वस्तुओं की मांग का निर्धारण घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री और सभी देशों से आयातों को जोड़कर किया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि सील्ड ग्लास ट्यूबलर सेल्स अर्द्ध निर्मित सीएफएल को दर्शाता है अतः अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री का अनुमान सील्ड ग्लास ट्यूबलर सेल्स के आयातों के आधार पर लगाया गया है। इस प्रकार आकलित मांग का ब्यौरा निम्नानुसार है :-

आंकड़े लाख नग में.

घरेलू उद्योग	***	***	***	***
संबद्ध देश	176.45	381.24	807.91	1118.82
अन्य देश	268.56	78.87	124.15	93.12
कुल आयात	445.01	460.11	932.06	1211.94
कुल मांग	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	113	220	281

73. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तुओं की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है। क्षति अवधि के दौरान इसमें 181% की वृद्धि हुई।

मांग/खपत तथा उत्पादन में आयातों का हिस्सा

74. प्राधिकारी द्वारा भारत में उत्पादन तथा खपत के संदर्भ में आयातों के हिस्से का निर्धारण किया गया। संबद्ध सूचना नीचे दी गई है :-

आंकड़े लाख नग में

	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07
उत्पादन में वृद्धि		***	***	***
मांग में वृद्धि		67.13	560.70	319.46
आयातों में वृद्धि		15.10	471.94	279.88
संबद्ध देश		204.79	426.67	310.91
अन्य देश		(189.69)	45.28	(31.03)

75. प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारत में उत्पादन की तुलना में संबद्ध आयातों में बहुत अधिक वृद्धि हुई है।

घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन एवं क्षमता उपयोग

आंकड़े लाख नग में

	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07
स्थापित क्षमता	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	172	214	299
उत्पादन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	172	308	322
क्षमता उपयोग %	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	100	144	108
भारत में मांग	522.25	589.39	1150.08	1469.54
निम्नलिखित में वृद्धि				
-मांग		67.13	560.70	319.46
-क्षमता		***	***	***
-उत्पादन		***	***	***
-बर्नरों का आयात		***	***	***

76. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान क्षमता एवं तत्पश्चात उत्पादन में वृद्धि हुई। तथापि पिछले वर्ष की तुलना में, जबकि मांग में *** लाख नगों की वृद्धि हुई, क्षमता में *** लाख नग की वृद्धि हुई और उत्पादन में केवल *** लाख नग की वृद्धि हुई। इसके अलावा, यह भी पाया गया कि बर्नरों के आयातों में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई। इस प्रकार, यह पाया गया कि अर्द्ध निर्मित अवस्था में इस उत्पाद के आयात से संयोजन प्रचालनों के माध्यम से उत्पादन अधिक हुआ और इस प्रकार देश में क्षमता वृद्धि प्रभावित हुई।

77. घरेलू उद्योग की बिक्री की मात्रा

आंकड़े लाख नग में

	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07
घरेलू उद्योग	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	167	282	334
निम्नलिखित में वृद्धि				
घरेलू उद्योग की बिक्री		***	***	***
संबद्ध देशों से आयात		204.79	426.67	310.91

78. यह नोट किया जाता है कि यद्यपि घरेलू उद्योग की बिक्री की मात्रा में वृद्धि हुई, तथापि बिक्री में हुई वृद्धि आयातों में हुई वृद्धि की तुलना में बहुत कम थी। यह देखते हुए कि 83% आयात अर्द्ध निर्मित सीएफएल का किया गया, यह स्पष्ट है कि सील्ड ग्लास ट्यूबलर शेल्स के आयातों के कारण घरेलू उद्योग की बिक्री की मात्रा में वृद्धि नहीं हो सकी।

बाजार हिस्सा

792. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से का ब्योरा नीचे दर्शाया गया है :-

आंकड़े लाख नग में

	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07
घरेलू उद्योग	***	***	***	***
सूचीबद्ध	100	167	282	331
संबद्ध देश	176.45	381.24	807.91	1118.82
अन्य देश	268.56	78.87	124.15	93.12
कुल आयात	445.01	460.11	932.06	1211.94
कुल मांग	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	113	220	281

मांग में हिस्सा				
घरेलू उद्योग	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	148	128	119
संबद्ध देश	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	191	208	225
अन्य देश	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	26	21	12
चीन	***	***	***	***
वियतनाम	***	***	***	***
संबद्ध देश	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	191	208	225

80. यह नोट किया जाता है कि वर्ष 2003-04 और 2004-05 के बीच घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में उल्लेखनीय वृद्धि हुई, जो अन्य देशों द्वारा बाजार हिस्सा गंवाने के कारण हुई थी। तथापि, वर्ष 2004-05 के पश्चात घरेलू उद्योग अपना बाजार हिस्सा बढ़ाने में असमर्थ रहा। वस्तुतः इसमें गिरावट आई।

घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

81. जहां तक नियम 18 के उप नियम (2) में यथा संदर्भित, कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का प्रश्न है, निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा यह विचार किया गया जाएगा कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों के कारण उल्लेखनीय कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव का उद्देश्य कीमतों में अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक मंदी लाना है अथवा कीमत-वृद्धि को रोकना है, जो अन्यथा उल्लेखनीय सीमा तक हुई होती।

82. संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर पड़े प्रभाव की जांच कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत न्यूनीकरण तथा कीमत मंदी यदि कोई हो, के संदर्भ में की गई। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ भारित औसत उत्पादन लागत, घरेलू उद्योग की भारित औसत निवल बिक्री प्राप्ति (एनएसआर) और क्षति रहित कीमत (एनआईपी) की तुलना संबद्ध देशों से आयातों की पहुंच लागत से की गई। विचाराधीन उत्पाद के विभिन्न प्रकारों की कीमत के बीच उल्लेखनीय अंतर के मद्देनजर यह विश्लेषण सील्ड ग्लास ट्यूबलर शेल्स, उपयोग हेतु तैयार विभिन्न वॉट के चौक युक्त तथा चौक रहित सीएफएल के लिए अलग-अलग किया गया। वॉटेज के अनुसार इस उत्पाद को तीन श्रेणियों में पुनः समूहित किया गया -

(क) 10 वॉट तक,

(ख) 11 वॉट से 20 वॉट तक,

(ग) 21 वॉट से 26 वॉट तक।

83. प्रत्येक प्रकार के संबंध में कीमत की तुलना में पृथक् रूप से की गई। अतः संबद्ध मात्राओं के आधार पर भारित औसत मार्जिन का निर्धारण किया गया है।

कीमत कटौती एवं कम कीमत पर बिक्री का प्रभाव

आंकड़े लाख नग में

	बर्नर	चोक रहित सीएफएल	चोक सीएफएल	सहित	कुल भारित औसत
निवल बिक्री प्राप्ति (जांच अवधि)	***	***	***		***
पहुंच मूल्य					
चीन	***	***	***		***
वियतनाम		***	***		***

कुल संबद्ध देश	***	***	***	***
कीमत कटौती				
चीन	***	***	***	***
वियतनाम		***	***	***
कुल संबद्ध देश	***	***	***	***
कीमत कटौती %				
चीन	52-57	52-57	40-45	80-85
वियतनाम		70-75	40-45	28-33
कुल संबद्ध देश	54-59	53-58	40-45	75-80
क्षति रहित कीमत	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री %				
चीन	***	***	***	***
वियतनाम		***	***	***

कुल संबद्ध देश	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री %				
चीन	62-67	56-61	50-55	82-87
वियतनाम		72-77	50-55	40-45
कुल संबद्ध देश	62-67	58-63	50-55	80-85

84. घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति की गणना करते समय घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त रिबेट, छूट एवं कमीशन तथा संदत्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क को घटा दिया गया है ।

85. कीमत कटौती के निर्धारण में जांच की समस्त अवधि के दौरान संबद्ध देशों से पाटित आयातों के भारित औसत पहुंच मूल्य की तुलना उसी अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की भारित औसत निवल बिक्री प्राप्ति से की गई है । इस प्रयोजनार्थ आयातों के पहुंच मूल्य की गणना करते समय उसमें डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों में संबद्ध देशों की आयात कीमतों में 1% पहुंच प्रभार तथा लागू मूल सीमाशुल्क को जोड़ा गया है । जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से कीमत कटौती 40-85% के बीच रही ।

86. कम कीमत पर बिक्री की गणना के प्रयोजनार्थ संबद्ध देशों से आयातों की भारित औसत पहुंच कीमतों की तुलना घरेलू उद्योग के लिए जांच अवधि हेतु निर्धारित क्षति रहित कीमत से की गई है । इससे ज्ञात होता है कि कम कीमत पर हुई बिक्री 53-82% के बीच थी ।

पाटित आयातों का कीमत-आधारकारी तथा कीमत न्यूनीकरण प्रभाव:

87. पाटित आयातों के कीमत न्यूनीकरण प्रभाव की जांच भी उत्पादन लागत, निर्यात बिक्री प्राप्ति तथा संबद्ध देशों के पहुंच मूल्य के संदर्भ में की गई है।

88. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान बिक्री की लागत में वृद्धि का रुख देखा गया था। बिक्री की लागत, जो आधार वर्ष में 100 (सूचीबद्ध) थी, जांच अवधि में बढ़कर 109% हो गई। प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्ष 2004-05 तक बिक्री कीमत में गिरावट लागत से अधिक नहीं थी, तत्पश्चात बिक्री कीमत में वृद्धि लागत में वृद्धि के अनुपात में नहीं रही। उत्पादन लागत का रुख दर्शाता है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान भारत औसत उत्पादन लागत 9% बढ़ गई जबकि, जांच अवधि के दौरान बिक्री कीमत में मात्र 5% की वृद्धि हुई थी, जो यह इंगित करता है कि घरेलू उद्योग उत्पादन लागत में वृद्धि के अनुरूप बिक्री कीमत प्राप्त नहीं कर सका।

क्षति से संबंधित अन्य मानदंडों की जांच

89. पिछले खंड में घरेलू उद्योग की मात्रा व कीमतों तथा मात्रा व आयातों के मूल्यों, क्षमता उत्पादन, क्षमता उपयोग जैसे क्षति के प्रमुख सूचकों एवं घरेलू उद्योग की बिक्री तथा मांग के पैटर्न एवं विभिन्न खंडों के बाजार हिस्से पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच के उपरान्त अन्य आर्थिक मानदंडों, जो घरेलू उद्योग को हुई क्षति का अस्तित्व इंगित कर सकते हैं, का विश्लेषण भी निम्नानुसार किया गया :-

90. लाभ

आंकड़े रुपए में

बिक्री की लागत	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	88	101	109
बिक्री कीमत	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	86	98	105
लाभ/हानि	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	(96)	(352)	(334)
पीबीआईटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	52	(36)	(71)
नकद लाभ	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	58	(25)	(11)

91. उक्त आंकड़े दर्शाते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री की भारत औसत लागत में 9% की वृद्धि हुई, जबकि जांच अवधि के दौरान भारत औसत बिक्री कीमत में केवल 5% की वृद्धि हुई। घरेलू बिक्री पर घरेलू उद्योग का

लाभ (पीबीआईटी), जो वर्ष 2003-04 में 100 (सूचीबद्ध) था, वर्ष 2004-05 में घटकर 52 रह गया और उसके परवर्ती वर्षों के दौरान उसे घाटा होता गया। प्राधिकारी नोट करते हैं कि आधार वर्ष 2003-04 की तुलना में जांच अवधि के दौरान धरेलू उद्योग की लाभप्रदता में उल्लेखनीय गिरावट आई।

92. निवेश से आय

पीबीआईटी	आंकड़े रूप में			
	***	***	***	***
प्रवृत्ति (सूचीबद्ध)	100	52	(36)	(71)
निवल अचल परिसंपत्तियां	***	***	***	***
प्रवृत्ति (सूचीबद्ध)	100	113	125	151
कार्यशील पूंजी	***	***	***	***
प्रवृत्ति (सूचीबद्ध)	100	89	95	115
नियोजित पूंजी	***	***	***	***
प्रवृत्ति (सूचीबद्ध)	100	105	115	139
नियोजित पूंजी से आय(%)	***	***	***	***
प्रवृत्ति (सूचीबद्ध)	100	50	(31)	(51)

93. प्राधिकारी नोट करते हैं कि लगाई गई पूंजी पर धरेलू उद्योग द्वारा अर्जित आय में लगातार गिरावट आई है। नियोजित पूंजी से आय, जो वर्ष 2003-04 में 100 (सूचीबद्ध) थी, जांच अवधि के दौरान तेजी से घटकर 51 रह गई।

उत्पादकता

विवरण	Particulars	2003-04	2004-05	2005-06
प्रति कर्मचारी उत्पादकता (नग)	Productivity per employee (Pcs)	***	***	***
प्रवृत्ति (सूचीबद्ध)	Trend (Indexed)	100	150	263

94. प्रति कर्मचारी उत्पादन से संबंधित आंकड़े दर्शाते हैं कि उक्त अवधि के दौरान उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

रोजगार एवं मजदूरी

	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07
रोजगार (जनशक्ति की संख्या)	***	***	***	***
प्रवृत्ति (सूचकांक)	100	141	169	196
मजदूरी (लाख रुपये)	***	***	***	***
प्रवृत्ति (सूचकांक)	100	170	347	550

95. उत्पादन में वृद्धि के अनुरूप रोजगार स्तर में उल्लेखनीय परिवर्तन देखा गया। आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान मजदूरी में हुई वृद्धि कर्मचारियों की संख्या तथा उत्पादन में हुई वृद्धि के अनुरूप है।

मालसूची

	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07
औसत स्टॉक (लाख नग)	***	***	***	***
प्रवृत्ति (सूचकांक)	100	142	309	413
बिक्री के दिवसों की संख्या के रूप में औसत स्टॉक	***	***	***	***
प्रवृत्ति (सूचकांक)	100	85	109	124

96. औसत मालसूची की प्रवृत्ति यह दर्शाती है कि उक्त अवधि के दौरान औसत मालसूची में तीन गुना से अधिक वृद्धि हुई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि की शुरुआत में आदिशेष मालसूची लगभग *** दिनों की बिक्री के बराबर थी, जो जांच अवधि में बढ़कर *** दिनों की बिक्री के बराबर पहुंच गई। अन्य शब्दों में जांच अवधि के दौरान मालसूची संचित होती रही क्योंकि अधिशेष मालसूची, आदिशेष माल सूची की लगभग 8 गुना थी, जो प्रतिकूल कुल खरीद दर्शाती है।

वृद्धि

97. मांग में वृद्धि आधार वर्ष से जांच अवधि तक वर्ष-दर-वर्ष आधार पर सकारात्मक रूप दर्शाती है। क्षमता, उत्पादन तथा बिक्री में वृद्धि सकारात्मक थी। परंतु लाभ में वृद्धि, निवेश से आय और नकद लाभ नकारात्मक था। इसके अलावा, यद्यपि क्षमता, उत्पादन एवं बिक्री में वृद्धि सकारात्मक थी, यह नोट किया गया कि मांग में घरेलू उद्योग की वृद्धि से काफी अधिक थी।

निवेश

98. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने इस उत्पाद में वृद्धि की संभावना को देखकर आधार वर्ष से जांच अवधि तक संबद्ध वस्तुओं की अपनी क्षमता में वृद्धि की। जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा किया गया नया निवेश निम्नानुसार है:-

लाख रुपए			
नया निवेश	***	***	***
प्रवृत्ति (सूचीबद्ध)	100	74	128

पाटन की सीमा

99. पाटित आयात घरेलू उद्योग को जिस सीमा तक क्षति पहुंचा सकते हैं, उसके सूचक के रूप में पाटन की सीमा यह दर्शाती है कि जांच अवधि के संदर्भ में संबद्ध देशों के विरुद्ध निर्धारित पाटन मार्जिन काफी अधिक है।

कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

100. संबद्ध वस्तुओं के आयातों में समग्र रूप से उल्लेखनीय वृद्धि हुई। भारत में कुल आयातों, उत्पादन तथा भारत में खपत के संदर्भ में आयातों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। इसके अलावा, बर्नरों, जो अर्द्ध निर्मित सीएफएल हैं, के आयातों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। जहां तक कीमत प्रभाव का प्रश्न है, यह देखा गया कि आयातों के कारण बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में उल्लेखनीय कटौती हुई। जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव का प्रश्न है, यह नोट किया गया था कि यह उत्पाद पहले चीन से पाटन का सामना कर रहा था और क्षति की समस्त अवधि के दौरान पाटनरोधी शुल्क लागू थे। परंतु अर्द्ध निर्मित सीएफएल अथवा बर्नरों के आयातों पर कोई पाटनरोधी शुल्क नहीं था। क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग तथा बिक्री की मात्रा के रूप में घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में सुधार हुआ। परंतु इन मानदंडों में आया सुधार देश में मांग में वृद्धि की तुलना में बहुत कम था। घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में पहले सुधार आया, तत्पश्चात गिरावट आई। लाभ, नकद लाभ और निवेश से आय के संदर्भ में घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में गिरावट आई।

101. उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर प्राधिकारी अनंतिम रूप से इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में गिरावट आई, जो समग्रतः एवं संचयी रूप से यह दर्शाती है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

कारणात्मक संबंध

102. घरेलू उद्योग को हुई क्षति के कारण संबंधी निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए और पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 3.5 के अनुसार और यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के नियम 11 के अनुबंध-II के पैरा (V) के अनुसार प्राधिकारी द्वारा सभी ज्ञात कारकों के प्रभाव एवं घरेलू उद्योग की स्थिति पर उनके परिणाम की जांच की गई। पाटित आयातों से इतर ज्ञात कारकों, जिनसे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती थी, की भी जांच की गई ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इन अन्य कारकों से हुई संभावित क्षति का कारण पाटित आयातों को न माना जाए।

103. अन्य ज्ञात कारकों की जांच**अन्य स्रोतों से आयातों की मात्रा तथा कीमतें**

104. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान कुल आयातों में अन्य देशों से आयातों की मात्रा 6% है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि अन्य देशों से हुए आयातों के कारण भी घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

मांग में कमी एवं/अथवा खपत के तरीके में परिवर्तन

105. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान मांग में समग्रतः कोई कमी नहीं आई। इसके विपरीत, संबद्ध वस्तुओं की समग्र मांग क्षति अवधि के दौरान उल्लेखनीय सकारात्मक वृद्धि दर्शाती है। संबद्ध वस्तुओं की मांग क्षति अवधि के दौरान 181% से अधिक वृद्धि दर्शाती है। घरेलू बाजार में इस उत्पाद की खपत के तरीके में कोई उल्लेखनीय परिवर्तन नहीं हुआ है, जिसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण माना जाता।

विदेशी तथा घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार एवं उनके बीच प्रतिस्पर्धा

106. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तुओं के लिए एक ही बाजार है, जहां संबद्ध देशों से पाटित आयात घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुओं से प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धा करते हैं। आयातित अर्द्ध निर्मित सीएफएल की बिक्री उसी बाजार में की जाती है जहां उपयोग हेतु तैयार सीएफएल की बिक्री की जाती है और ये घरेलू उद्योग से भी प्रतिस्पर्धा करते हैं।

107. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग में व्याप्त प्रतिबंधात्मक व्यवहार का कोई साक्ष्य प्राधिकारी के ध्यान में नहीं लाया गया, जिसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण माना जाता।

प्रौद्योगिकी का विकास

108. रिकार्ड की जांच के आधार पर प्राधिकारी का यह अभिमत है कि प्रौद्योगिकी विकास घरेलू उद्योग को हुई क्षति का सुसंगत कारक नहीं है ।

निर्यात निष्पादन

109. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा निर्यात की गई मात्रा नगण्य थी । विभिन्न आर्थिक सूचकांकों के संबंध में कार्य-निष्पादन की जांच केवल घरेलू बिक्री के संदर्भ में की गई है । अतः प्राधिकारी का यह अभिमत है कि घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति घरेलू उद्योग को निर्यात निष्पादन के परिणामस्वरूप नहीं हुई है ।

घरेलू उद्योग की उत्पादकता

110. प्रति कर्मचारी उत्पादन के रूप में घरेलू उद्योग की उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है ।

111. ऐसा कोई अन्य कारक प्राधिकारी के ध्यान में नहीं लाया गया है, जिससे घरेलू उद्योग को संभावित रूप से क्षति हुई हो । अतः प्राधिकारी का यह अभिमत है कि संबद्ध देशों से हुए आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है ।

कारणात्मक संबंध के बारे में

112. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सीएफएल के आयातों में घरेलू उद्योग की कीमतों में अत्यधिक कीमत कटौती हो रही थी । यह भी नोट किया गया कि अर्द्ध निर्मित सीएफएल की पहुंच कीमतें इस अवस्था में घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत से बहुत कम थीं । इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप आयातों की मात्रा में उल्लेखनीय वृद्धि हुई । अर्द्ध निर्मित सीएफएल के मामले में यह वृद्धि अपेक्षाकृत अधिक थी । परिणामतः क्षति अवधि के दौरान बाजार हिस्से, लाभ/हानि, नकद लाभ, निवेश से आय में गिरावट आई जबकि पहले पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के मद्देनजर इनमें सुधार होना चाहिए था । इसके अलावा क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग तथा बिक्री की मात्रा में यद्यपि वृद्धि हुई तथापि यह बाजार में हुई वृद्धि से बहुत ही कम थी । पाटित आयातों ने देश में घरेलू उद्योग की वृद्धि को प्रभावित किया है

अंतिम जांच परिणाम:

113. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए मुद्दों, प्रदत्त सूचना और किए गए अनुरोधों और हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रकटन विवरण पर टिप्पणियों के रूप में किए गए अनुरोधों अथवा उपर्युक्त जांच परिणामों में अन्यथा दर्ज अनुरोधों सहित किए गए अनुरोधों के जरिए प्राधिकारी

के समक्ष उपलब्ध तथ्यों को ध्यान में रखते हुए और वर्तमान पाटन एवं क्षति के उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि:

- i. संबद्ध देशों अर्थात् चीन जन.गण. तथा वियतनाम के मूल के आयात पाटित कीमतों पर हो रहे हैं और इनसे घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है ।
- ii. संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का निर्यात उसके सामान्य मूल्य, घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत तथा आवेदकों की संबद्ध वस्तु की निवल बिक्री प्राप्ति से काफी कम कीमत पर हो रहे हैं जिससे घरेलू उद्योग को भारी क्षति हुई है ।
- iii. संबद्ध देशों से संबद्ध आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि में परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में आई गिरावट से घरेलू उद्योग मांग में वृद्धि के अनुरूप अपनी बिक्री बढ़ाने से वंचित रहा ।
- iv. अत्यधिक कीमत कटौती तथा पाटित आयातों की मात्रा में भारी वृद्धि से लाभ, नकद प्रवाह, निवेश पर आय के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा ।
- v. संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा में अत्यधिक वृद्धि (समग्र रूप में और मांग में हिस्से, दोनों के संबंध में) होने से घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में अत्यधिक गिरावट आई ।

114. कमतर शुल्क के नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन तथा क्षति मार्जिन में से जो कम हो, उसके समतुल्य अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करते हैं, ताकि घरेलू उद्योग की क्षति समाप्त हो सके । तदनुसार संबद्ध देशों अर्थात् चीन जन.गण. एवं वियतनाम के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से नीचे दी गई तालिका के कालम 9 में उल्लिखित राशि और आयातों के पहुंच मूल्य के बीच अंतर के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश की जाती है ।

शुल्क तालिका

क्र.सं.	शीर्ष	विवरण	विनिर्देशन तथा उप- विनिर्देशन	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	माप की इकाई	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
1.	8539	फॉर्मिक एलोरासैट लैप	बर्नर- 10 वॉट तक	चीन	चीन	फोशान इलेक्ट्रिकल एंड लाइटिंग कं. लि.	फोशान इलेक्ट्रिकल एंड लाइटिंग कं. लि.	6.364	प्रति नग	अम.डॉ.
2.	-वही-	-वही-	बर्नर- 11 से 20 वाट	चीन	चीन	फोशान इलेक्ट्रिकल एंड लाइटिंग कं. लि.	फोशान इलेक्ट्रिकल एंड लाइटिंग कं. लि.	0.397	प्रति नग	अम.डॉ.
3.	-वही-	-वही-	बर्नर- 21 से 26 वॉट	चीन	चीन	फोशान इलेक्ट्रिकल एंड लाइटिंग कं. लि.	फोशान इलेक्ट्रिकल एंड लाइटिंग कं. लि.	0.449	प्रति नग	अम.डॉ.
4.	-वही-	-वही-	बर्नर- 10 वॉट तक	चीन	कोई	क्र.सं. 1 के अलावा उत्पादक तथा निर्यातक का कोई संयोजन		0.369	प्रति नग	अम.डॉ.
5.	-वही-	-वही-	बर्नर- 11 से 20 वाट	चीन	कोई	क्र.सं. 2 के अलावा उत्पादक तथा निर्यातक का कोई संयोजन		0.457	प्रति नग	अम.डॉ.
6.	-वही-	-वही-	बर्नर- 21 से 26 वॉट	चीन	कोई	क्र.सं. 3 के अलावा उत्पादक तथा निर्यातक का कोई संयोजन		0.500	प्रति नग	अम.डॉ.
7.	-वही-	-वही-	बर्नर- 10 वॉट तक	अन्य कोई	चीन	कोई	कोई	0.369	प्रति नग	अम.डॉ.
8.	-वही-	-वही-	बर्नर- 11 से 20 वाट	अन्य कोई	चीन	कोई	कोई	0.457		अम.डॉ.
9.	-वही-	-वही-	बर्नर- 21 से 26 वॉट	अन्य कोई	चीन	कोई	कोई	0.500	प्रति नग	अम.डॉ.
10.	-वही-	-वही-	घोक रहित फिनिश लैप 11 से 20 वॉट	चीन	चीन	फिलिप्स एंड यामिंग लाइटिंग कं. लि.	फिलिप्स एंड यामिंग लाइटिंग कं. लि.	0.992	प्रति नग	अम.डॉ.

11.	-वही-	-वही-	चौक सहित फिनिश लैप 11 से 20 वॉट	चीन	चीन	क्र.सं. 10 के अलावा उत्पादक तथा निर्यातक का कोई संयोजन	1.068	प्रति नग	अम.डॉ.
12.	-वही-	-वही-	चौक सहित फिनिश लैप 21 से 26 वॉट	चीन	चीन	फिलिप्स एंड यामिंग लाइटिंग कं. लि. फिलिप्स एंड यामिंग लाइटिंग कं. लि.	1.627	प्रति नग	अम.डॉ.
13.	-वही-	-वही-	चौक सहित फिनिश लैप 21 से 26 वॉट	चीन	चीन	क्र.सं. 12 के अलावा उत्पादक तथा निर्यातक का कोई संयोजन	1.658		
14.	-वही-	-वही-	चौक सहित फिनिश लैप 11 से 20 वॉट	चीन	कोई	क्र.सं. 10 के अलावा उत्पादक तथा निर्यातक का कोई संयोजन	1.068	प्रति नग	अम.डॉ.
15.	-वही-	-वही-	चौक सहित फिनिश लैप 21 से 26 वॉट	चीन	कोई	क्र.सं. 12 के अलावा उत्पादक तथा निर्यातक का कोई संयोजन	1.658	प्रति नग	अम.डॉ.
16.	-वही-	-वही-	चौक सहित फिनिश लैप 11 से 20 वॉट	कोई	अन्य चीन	कोई	1.068	प्रति नग	अम.डॉ.
17.	-वही-	-वही-	चौक सहित फिनिश लैप 21 से 26 वॉट	कोई	अन्य चीन	कोई	1.658	प्रति नग	अम.डॉ.
18.	-वही-	-वही-	चौक सहित फिनिश लैप 10 वॉट तक	चीन	चीन	फिलिप्स एंड यामिंग लाइटिंग कं. लि. फिलिप्स एंड यामिंग लाइटिंग कं. लि.	1.063	प्रति नग	अम.डॉ.
19.	-वही-	-वही-	चौक सहित फिनिश लैप 10 वॉट तक	चीन	चीन	ओसराम चीन लाइटिंग कं. लि. ओसराम चीन लाइटिंग कं. लि.	1.131	प्रति नग	अम.डॉ.
20.	-वही-	-वही-	चौक सहित फिनिश लैप 10 वॉट तक	चीन	कोई	क्र.सं. 18 एवं 19 के अलावा उत्पादक तथा निर्यातक का कोई संयोजन	1.501	प्रति नग	अम.डॉ.
21.	-वही-	-वही-	चौक सहित फिनिश लैप 10 वॉट तक	अन्य कोई	चीन	कोई	1.501	प्रति नग	अम.डॉ.
22.	-वही-	-वही-	चौक सहित फिनिश लैप 11 से 20 वॉट तक	चीन	चीन	फिलिप्स एंड यामिंग लाइटिंग कं. लि. फिलिप्स एंड यामिंग लाइटिंग कं. लि.	1.251	प्रति नग	अम.डॉ.
23.	-वही-	-वही-	चौक सहित फिनिश लैप 11 से 20 वॉट तक	चीन	चीन	ओसराम चीन लाइटिंग कं. लि. ओसराम चीन लाइटिंग कं. लि.	1.316	प्रति नग	अम.डॉ.

24.	-बही-	-बही-	चोक सहित फिनिश लैप 11 से 20 वॉट तक	चीन	कोई	क्र.सं. 22 एवं 23 के अलावा उत्पादक तथा निर्यातक का कोई संयोजन		1.628	प्रति नग	अम.डॉ.
25.	-बही-	-बही-	चोक सहित फिनिश लैप 11 से 20 वॉट तक	अन्य कोई	चीन	कोई	कोई	1.628	प्रति नग	अम.डॉ.
26.	-बही-	-बही-	चोक सहित फिनिश लैप 21 से 26 वॉट तक	चीन	चीन	फिलिप्स एंड यामिंग लाइटिंग कं. लि.	फिलिप्स एंड यामिंग लाइटिंग कं. लि.	1.880	प्रति नग	अम.डॉ.
27.	-बही-	-बही-	चोक सहित फिनिश लैप 21 से 26 वॉट तक	चीन	कोई	क्र.सं. 26 के अलावा उत्पादक तथा निर्यातक का कोई संयोजन		1.908	प्रति नग	अम.डॉ.
28.	-बही-	-बही-	चोक सहित फिनिश लैप 21 से 26 वॉट तक	अन्य कोई	चीन	कोई	कोई	1.908	प्रति नग	अम.डॉ.
29.	-बही-	-बही-	बर्नर 26 वॉट तक	विद्यतनाम	कोई	कोई	कोई	0.452	प्रति नग	अम.डॉ.
30.	-बही-	-बही-	बर्नर 26 वॉट तक	कोई	विद्यतनाम	कोई	कोई	0.452	प्रति नग	अम.डॉ.
31.	-बही-	-बही-	चोक सहित फिनिश लैप 26 वॉट तक	विद्यतनाम	कोई	कोई	कोई	0.479	प्रति नग	अम.डॉ.
32.	-बही-	-बही-	चोक सहित फिनिश लैप 26 वॉट तक	कोई	विद्यतनाम	कोई	कोई	0.479	प्रति नग	अम.डॉ.
33.	-बही-	-बही-	चोक सहित फिनिश लैप 26 वॉट तक	विद्यतनाम	कोई	कोई	कोई	1.582	प्रति नग	अम.डॉ.
34.	-बही-	-बही-	चोक सहित फिनिश लैप 26 वॉट तक	कोई	विद्यतनाम	कोई	कोई	1.582	प्रति नग	अम.डॉ.

टिप्पणी : शुल्क के अध्याधीन उत्पाद के दायरे में बैलास्ट अथवा कंट्रोल गियर अथवा चोक युक्त अथवा रहित कॉम्पेक्ट फ्लोरोसेंट लैम्प, चाहे संयोजित हों अथवा नहीं, पूर्णतः नॉकड डाउन अथवा अर्द्ध नॉकड डाउन स्थिति में जिसमें असंयोजित कॉम्पेक्ट फ्लोरोसेंट लैम्प शामिल है जो बैलास्ट अथवा चोक अथवा कंट्रोल गियर रहित हो, लैम्प बेस युक्त अथवा रहित सील्ड ट्यूबलर शील आता है। तैयार कॉम्पेक्ट फ्लोरोसेंट लैप निम्नलिखित हैं।

- (i) इंटीग्रेटेड टाइप, बिल्ट इन बैलास्ट अथवा कंट्रोल गियर अथवा चोक युक्त तथा
- (ii) इंटीग्रेटेड टाइप, बिल्ट इन कंट्रोल गियर अथवा बैलास्ट अथवा चोक रहित

स्पष्टीकरण: इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ "पहुंच मूल्य" से तात्पर्य सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) के अंतर्गत यथा निर्धारित अनाकलनीय मूल्य है और इसमें उल्लिखित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3, 3, 8 ख, 9 तथा 9 के अंतर्गत लगाए गए शुल्क को छोड़कर सभी शुल्क शामिल हैं।

115. उपर्युक्त के अधीन प्राधिकारी दिनांक 12 मार्च, 2008 की अनंतिम जांच परिणाम संबंधी अधिसूचना सं. 14/1/2007-डीजीएडी और 5 अगस्त, 2008 की शुद्धिपत्र संबंधी अधिसूचना की पुष्टि करते हैं तथा अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की तारीख से उपर्युक्त पैरा 114 तथा उपर्युक्त शुल्क तालिका के अनुसार पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं।

116. केन्द्र सरकार के इन आवेशों के खिलाफ कोई अपील, जो इस सिफारिश से उत्पन्न हो सकती है, अधिनियम के संगत उपबंधों के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क तथा सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण में वायर की जा सकेगी।

आर. गोपलन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 27th February, 2009

Final Findings

Subject: Anti-Dumping Investigations concerning imports of Compact Fluorescent lamps originating in or exported from China PR, Vietnam and Sri Lanka.

No. 14/1/2007-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Duty or Additional Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (hereinafter referred to as Rules);

PROCEDURE

2. The procedure described below has been followed with regard to this investigation by the Authority.

- i) On 30th Aug., 2007 the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) issued an initiation Notification, duly notifying the same in the Gazette of India, initiating an Anti-Dumping investigations concerning imports of the subject goods originating in or exported from China PR, Sri Lanka and Vietnam (hereinafter referred to as subject countries)
- ii) The Anti-dumping proceedings were initiated following an application received from M/s Indo Asian Fusegear Ltd., M/s Havell's India Ltd. and M/s Osram India Pvt. Ltd. (hereinafter referred to as the applicants) in respect of dumping of Compact Fluorescent Lamps with or without ballast/control gear/choke, whether or not assembled, either in CKD or SKD conditions (hereinafter referred to as CFL) originating in or exported from China PR, Sri Lanka and Vietnam, representing a major proportion of the domestic production of the said product. The application contains sufficient evidence of dumping of the said product from the subject countries and material injury resulting there from, which was considered sufficient to justify the initiation of the proceeding.

- iii) The Authority notified the Embassy of subject countries in India about the receipt of dumping application made by the applicants before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra;
- iv) The Authority sent copies of initiation notification dated 30th Aug., 2007 to the Embassy of the subject countries in India, known exporters from the subject countries, importers and the domestic industry as per the addresses made available by the applicants and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.
- v) The Authority provided copies of the non-confidential version of the application to the known exporters and to the embassies of China PR, Sri Lanka and Vietnam in accordance with Rule 6 supra.
- vi) The embassies of China PR, Sri Lanka and Vietnam in India were informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6 with a request to advise the exporters/ producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letters and questionnaire sent to the exporters/producers was also sent to them, along with the names and addresses of the exporters.
- vii) The applicants requested the Authority to treat China as a non-market economy country for the purpose of present investigations. For the purpose of initiation, the normal value in China PR was considered based on the price of the subject goods in Thailand, Korea RP or Malaysia as an appropriate market economy country for the purpose of establishing normal value in respect of China PR. The Authority informed the known exporters from China that it proposes to examine the claim of the applicant in the light of para (7) & (8) of Annexure-I of the Anti-Dumping Rules as amended. The concerned exporters / producers of the subject goods from China PR were therefore advised to furnish necessary information/ sufficient evidence, as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 to enable the Designated Authority to consider whether market economy treatment should be granted to cooperating exporters/producers who could demonstrate that they satisfy the criteria stipulated in the said paragraph. A questionnaire for according market economy treatment was forwarded to all the known exporters/producers in China and the Embassy of the Peoples' Republic of China.
- viii) The Authority sent questionnaire, to elicit relevant information to the following known exporters in subject countries in accordance with Rule 6(4);

M/s. Philips & Yaming Lighting Co. Ltd., China.

M/s. Changchun Electric Wire & Bulb Factory, China.

M/s. Fujian Fuzhou Light Bulb Factory, China.

M/s. Guanghou Flash Light Industrial Corporation, China.

M/s. Guangzhou Panyu Seagull Flash Light Industry Co., China.

M/s. Henan Anyang Bulb Factory, China.

M/s. Jiangsu Xuzhou Everlasting Lighting Electrical Equipment Holding Co. Ltd., China.

M/s. Leging Electric Bulb Factory, China.

M/s. Shanghai Yaming Electric Lamp Works Co. Ltd., China

M/s. Chanzhou Redsun Electrical Appliance Manufacturing Co. Ltd. China.

M/s. Zhejiang Sunlight Group Company Ltd., China.

M/s. Rang Dong Source and Vacuum Flask Joint Stock Company, Vietnam.

M/s. Ceynergy Electronics Company Pvt. Ltd., Sri Lanka.

M/s. Kathawasi (Pvt.) Ltd. Srilanka.

ix) Following exporters/producers have responded to the exporter's questionnaire in a substantial manner and notice of initiation:

M/s. Foshan Electrical & Lighting Co. Ltd., China.

M/s. Yanyang Electronic Fluorescent Lamp Factory, China

M/s. Osram China Lighting Ltd., China PR.

M/s. Phillips & Yaming Lighting Co. Ltd., China.

M/s. Shin Kwang Lanka (Pvt.) Ltd. Srilanka

x) Following importers have responded to the importer's questionnaire:

M/s. Starlite Lighting Limited, Nasik.

M/s. Philips Electronic India Ltd.

M/s. Osram India (Pvt.) Ltd.

M/s. Crompton Greaves Ltd.,

M/s. WIPRO Ltd.

xi) Representations on the Initiation were received from ESLMA India, Jointly by Crompton Greaves, Bajaj electrical, Wipro, Philips Electronics Ltd and Asian electronics Ltd. and some of the other parties as named below in viii). M/s Suqian Deda Lighting Co Ltd, Jiangsu, China and Hangzhou Linan Dongfeng Lighting Factory China also responded to the Initiation and requested time for filing response, which was also provided. However, these companies did not submit any questionnaire response.

xii) Further, questionnaire was sent to the following parties in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4).

- M/s. Deco Gold Electronics Ltd., Morbi, Gujarat.
- M/s. H.Q. Lamp Manufacturing Company, Haridwar, Uttranchal.
- M/s. Delta Electronics, Noida, Uttar Pradesh.
- M/s. Sonera Time & Light Mfg. Co., Rajkot, Gujarat.
- M/s. Clock Manufacturers Association (India), Morbi, Gujarat.
- M/s. Ajanta Manufacturing Ltd., Morbi, Gujarat.
- M/s. Ajanta Limited, Morbi, Gujarat.
- M/s. Ajanta India Ltd., Morbi, Gujarat.
- M/s. Ceama Consumer Electronics & Appliances Mfrs. Association, New Delhi.
- M/s. Surya Roshni Ltd., New Delhi.
- M/s. Shilpa Electricals Pvt. Ltd., Periamet, Chennai.
- M/s. Samay Electronics Pvt. Ltd., Morbi, Gujarat.
- M/s. Crompton Greaves Ltd. Lighting Division, Baroda, Gujarat.
- M/s. H.Q. Lamp Mfg. Company, Haridwar, Uttranchal.
- M/s. Starlite Lighting Ltd., Nasik, Maharashtra.
- M/s MORBI Chamber of Commerce & Industry Tulsi Shopping Centre, Morbi, Gujarat.
- M/s. Crompton Greaves Ltd., Mumbai.
- M/s Bajaj Electricals Ltd., Mumbai.
- M/s. Wipro Limited, Bangalore.
- M/s. Philips Electronics India Ltd., Gurgaon, Haryana.
- M/s. Asian Electronics Electronics, , Maharashtra.
- M/s. J.G. Eelectronic & Allied Ltd., Chennai.
- M/s. Devraj Enterprises (Pvt.) Ltd., Borivali (W), Mumbai.

xiii) Response to this importers questionnaire and/or comments have been received from following companies –

M/s. Delta Electronics, Noida, Uttar Pradesh.

M/s. H.Q. Lamp Manufacturing Company, Haridwar, Uttaranchal.

xiv) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties.

xv) Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the past three years and the period of investigation.

xvi) Optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the applicant on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) was worked out so as to ascertain if Anti-Dumping duty, lower than the dumping margin, would be sufficient to remove injury to Domestic Industry

xvii) Investigation was carried out for the period starting from 1st April, 2006 to 31st March, 2007 (POI). The examination of trends, in the context of injury analysis, covered the periods April 2003-March 2004, April 2004-March 2005, April 2005-March 2006 and the POI.

xviii) The Authority conducted on the spot investigation of the domestic industry. The cost of the production of the domestic industry was also analyzed to work out the cost of the production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles, based on the information furnished by the domestic industry, so as to ascertain if anti dumping duty lower than dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry

xix) The Authority notified preliminary findings vide Notification no. 14/1/2007-DGAD dated 12th of March of 2008 and subsequent corrigendum notifications No. 14/1/2007-DGAD, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 2nd July, 2008, 5th August 2008 and 3rd October 2008.

xx) The Authority held a public hearing on 17th July 2008 to hear the interested parties orally, which was attended to by the representatives of the domestic industry, exporters of the subject goods from the subject countries. The parties attending the public hearing were requested to file written submissions of views expressed orally. The written submissions received from interested parties have been considered and incorporated in the disclosure to the extent they are relevant and substantiated with evidence;

xxi) The Authority also verified the data of the cooperating exporter, to determine the normal value and dumping margin as per the Rules.

xxii) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties.

xxiii) The authority vide its letter dated 01.12.08 informed the interested parties about extension in the investigation period by another three months i.e. up to 28.02.09.

xxiv) The authority issued a detailed disclosure statement on 13.02.2009 with time up to 23.02.09 for submissions, to the interested parties giving thereby essential facts under consideration which may form the basis of final determination.

xxv) The authority has taken conversion rates as 1USD= Rs.45.60 and =7.94RMB for the POI. The conversion rate for Rs/RMB has been adopted as 1RMB=Rs 5.69 for the POI.

xxvi) *** In the statement represents information furnished by interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.

PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

3. The product under consideration is Compact fluorescent lamps with or without ballast/control gear/choke, whether or not assembled, either in CKD or SKD conditions. Unassembled CFL without ballast/control gear/choke comprises of sealed tubular shell with or without lamp base. Finished compact fluorescent lamps are (i) integrated type with built in ballast / control gears / choke and (ii) non-integrated type without built in control gears/ballast/choke.

4. CFL is usually defined as a single-ended fluorescent lamp with a bent discharge tube of small diameter forming a very compact unit with or without built-in "ballast/ control gear/ choke" for operation. The product under consideration includes the following:

- a. CFL with integral/ integrated built in ballast / control gears /choke. These are also known as self-ballasted. These are complete, ready to use units
- b. Non-integrated CFLs which do not have built in ballast / control gears / choke. These are CFLs where lamp is electrically connected to permanently wired external ballast in the light fitting. Ballasts and CFLs in these cases are produced and sold as separate products and either product can be substituted as a replacement.
- c. Unassembled CFL without ballast/choke/control gear comprises of sealed glass tubular shell with or without lamp base, whether or not processed further. These may be imported as bare shell or already fitted with or without other components like filaments, cap etc. forming part of CFL. Sealed glass tubular shells are within the scope of the product under consideration.

5. The petitioner, in their petition, claimed that the subject goods are produced and sold in a large number of different types and varieties. The petitioner has categorized the subject goods into following three categories:

- a. Unassembled CFL, whether or not processed further;
- b. Ready to use compact fluorescent lamps with external choke; and
- c. Ready to use compact fluorescent lamps with internal choke.

6. The petitioner further stated that CFLs are produced and sold in a large number of different wattages. Accordingly, the petitioner claimed that different product types could be distinguished in terms of the above mentioned three categories and wattages. These have been categorized into different types following a product control system (PCN system). The methodology followed is described below.

- a. Firstly, the product has been categorized into following types of CFL
 - 1- Sealed glass without lamp base
 - 2- CFL without chock
 - 3- CFL with choke

1st digit in the PCN signifies the category of CFL.
- b. Secondly, CFL of different wattage have been imported during the relevant period. Different types of CFL within each of the categories have been identified by considering the wattage of the CFL. 2 digit code has been used to identify the wattage of the CFL imported.

7. Considering the above mentioned methodology, PCNs have been identified with each known import transactions. For example:

Product category	Code	Wattage	PCN
Sealed glass without lamp base	1	20	120
CFL without chock	2	05	205
CFL with choke	3	36	336

8. Response to disclosure statement

- a) Domestic Industry
- b) The Designated Authority, on the basis of detailed investigation has rightly determined the scope of Product under consideration & like article, standing of the petitioners and scope of the domestic industry. We request the Designated Authority to confirm the disclosure statement in this regard.

Petitioners have earlier provided evidence to show that:

- (a) before imposition of anti dumping duty for the first time, Indian Producers were setting up production facilities, which included production of both sealed shells and finished, ready to use CFL. This includes companies such as petitioner companies.
- (b) After imposition of anti dumping duty for the first time, Indian Producers were largely setting up production facilities without including production facilities of sealed shells. These production facilities (where sealed burner is purchased item) are largely assembly line operations without having production facilities for production of sealed burners.
- (c) After initiation of present investigations, Indian Producers are setting up production facilities, which include production facilities for both sealed shells and finished, ready to use CFL.

It is thus evident that the exclusion of sealed burner from the scope of the petition and eventually from the scope of duties led to setting up of assembly line operations in the Country and continued dumping of the product. It is also evident that inclusion of sealed burners has led to Indian Producers once again setting facilities for production of sealed burners.

c) Philips and Yaming, China.

- i) From the detailed submissions, it is clear that parts of CFL are not like article to CFL. The parts of the CFL do not have the "essential character" of a complete or finished CFL. Refer to the filing made with the Hon'ble Designated Authority vide communication dated July 30, 2008 table that dissects the cost of the components that comprise a complete CFL and the detailed description of the production process of CFL which is a complicated and capital intensive process. This needs to be distinguished from the position that this Hon'ble Designated Authority took in the case concerning Measuring Tape from China PR where the Authority deemed it appropriate to impose anti-dumping duty on the parts of measuring tapes within the factual matrix of the measuring tapes investigation, it was a simple manual assembly of the parts to complete the product. This is not so for CFL manufacture. The assembly of ready to use CFL is far more complex and capital intensive. The Hon'ble Designated Authority has verified this fact during the course of this investigation.
- ii) To further substantiate the issue under consideration, in the same filing evidence was lead, to show by way of an affidavit of a trader in the business of selling CFLs stating that the parts and complete CFL are not a like article as they do not have the end use and are they the said products in question are also differently perceived by the end consumers.
- iii) References to earlier findings of the authority in the case of Vitamin C have been made.
- iv) There is no controversy to the fact that two products cannot be part of the same investigation as per the finding arrived by the Hon'ble Designated Authority under Para 11. The issue under hand which requires to be reconsidered is whether a

burner can technically substitute a CFL either with or without choke. The answer is clearly an absolute "No". There is a judicial finding on record that parts of a CFL do not have the "essential characteristics" of a completed CFL as per the order of the Authority for Advance Rulings [2004 (168) E.L.T. 164 (AAR)]. The Hon'ble Designated Authority therefore had to consider all the aspects required for imposition of anti-dumping such as Domestic Industry, Dumping, Injury and Causal Link for both the products distinctly.

- v) There are no sales of parts of CFL in the domestic market by the Petitioners.
- vi) Further, even if these companies who import the sealed glass tubular shells / burners for Compact Fluorescent Lamps and assembling the same into Compact Fluorescent Lamps do not undertake basic production facilities, but the Designated Authority has to appreciate that these companies are registered as "manufacturers" as defined under the Central Excise Act and pay the same. Thus, there is no logical reasoning or legal basis to exclude these companies from the purview of being part of the Domestic Industry where the product Compact Fluorescent Lamps is concerned. Also, there is plethora of judgments cited below to validate the factual situation as in the present case, where mere assembling of product also amounts to manufacture as defined under section 2(f) of the Central Excise Act. Therefore, the Designated Authority has no jurisdictional power to de-recognize the status of such companies from being "a manufacturer" as defined under the Excise Act. References to cases of B.P.L. INDIA LTD. *Versus* COMMISSIONER OF CENTRAL EXCISE, COCHIN, 2002 (143) ELT 3 (SC) and MAJESTIC AUTO LTD. *Versus* COMMISSIONER OF CENTRAL EXCISE, MEERUT 2001 (130) E.L.T. 551 (Tri. - Del.) have been made.
- vii) It is the submission of the interested parties that the issuance of the Customs Notification by the Ministry of Finance would be contradictory to its own action, while at one hand it accepts the recommendation of excluding such companies from the purview of being part of the "Domestic Industry" and on the other hand it collects the revenue in the form of Excise Duties and recognizes their status as a "manufacturer" of the Compact Fluorescent Lamps. Thus, this Hon'ble Ministry cannot sanction the customs notification and reprobate and approbate at the same time and if the same is issued it will be illegal, discriminatory and without the authority of law.
- viii) The Parties submit that the Hon'ble Designated Authority has erred in concluding the fundamental basis of investigation as regards the standing and consequently initiation of the investigation on both the products which are clearly not a like article.

View of the exporter, importers, consumers and other interested parties.

9. A number of interested parties have represented before the Designated Authority and raised various issues subsequent to initiation of the investigation and also at the time of oral hearing, which were primarily targeted against inclusion of some of the types of the

product that sealed glass tubular shells are not compact fluorescent lamps and Past imposition of anti dumping duty did not include these product types, therefore should not be included within the scope of the product under consideration. It has also been argued that sealed glass tubular shells are in fact an input raw material required for production of compact fluorescent lamps and sealed glass tubular shells and compact fluorescent lamps constitute two different products. Further, a number of decisions of the Hon'ble Courts (CESTAT and High court orders) establish that incomplete CFL or parts of CFL cannot be included.

Examination by the Authority

10. The investigation has shown that the production process involved in producing CFL is as follows:

- a. Production process up to the stage of sealed glass tubular shell includes glass tube cutting, washing & drying of glass tube, bending the tube, coating, end cleaning, tube baking, exhaust tube cutting, mount making, tube sealing, fusion, Exhausting (Vaccumization, dropping Mercury, filling Innered gases, activation of capsule), capping / basing.
- b. Production process on sealed glass tubular shell for ready to use CFL (with out choke or Core Lamp) involves starter & capacitor connection (in case of 2 pins core lamp only, but in 4 pin core lamp, starter & capacitor are not required), bottom cap fixing, cap base crimping, wire cutting, pin punching, plastic cap notching, ageing.
- c. Production process for ready to use CFL (with choke) involves affixing of choke (a choke may be out-sourced or may be produced in-house from populated PCB) plastic bottom fixing, Cap fitting, crimping of Cap, soldering, ageing.

10.1 On the spot investigations were carried out at the premises of the three petitioner companies, wherein production activities were seen in detail, particularly in terms of the process identified above. The petitioner companies were directed to bifurcate their investments in plant and machinery into:

- a. Investments up to sealed glass tubular shells;
- b. Assembly operations for making ready to use CFL;
- c. Assembly operations involved in producing choke.

The relevant information is showed as follows:

Figures in Rs. Lacs

Company	Havell's	Indo Asian	Osram	Domestic Industry	Share
Investments up to sealed glass tubular shells	***	***	***	***	91
Assembly operations involved in producing choke	***	***	***	***	9
Total Investment	***	***	***	***	100%

11. It was seen that the production activity was quite elaborate for making sealed glass tubes in comparison to the production activity involved between sealed glass tubular shell and ready to use CFL. The later was more of an assembly line operation as against production activity involved in producing sealed glass tubular shell. In case of CFL with external choke, it was noticed that the sealed glass tubular shells had far less production activity of further processing and that too in the form of addition of cap only. Authority further notes that the intention of the antidumping measures is not to restrict the imports create a situation whereby imported material is not available for assembly lying manufacturers but to ensure that imports do not take place at dumped prices and therefore, proposes to conclude that these submissions with regard to providing the petitioners a chance to create monopoly is unsubstantiated within the scope of antidumping rules.

12. With regard to the decisions of the Hon'ble Courts in India, the Authority notes that these decisions relate to disputes arising out of previous imposition of anti dumping duties. The product under consideration in the previous case was "ready to use" CFL and therefore questions that arose for consideration by the Hon'ble Court were whether incomplete CFL in the form of sealed glass tubular shells (with filament or with other components) can constitute "ready to use" CFL, attracting anti dumping duties. The Courts have held that these would not attract anti dumping duties, as the duties were imposed only on "ready to use" CFL. However, what is relevant in the present case is whether the Authority is justified in including an incomplete CFL within the scope of the product under consideration. The Authority notes that the Hon'ble Courts have not at any point of time held that incomplete CFL cannot be included within the scope of the product under consideration. The Authority also notes that the domestic industry filed the petition, requesting imposition of anti dumping duties on these incomplete CFL on the grounds that, with the imposition of anti dumping duties earlier on ready to use CFL, the market for CFL witnessed large scale imports of incomplete CFL in the form of imports of sealed glass tubular shells, whether or not processed further (with or without filaments), thus causing continued injury to the domestic industry. The Authority also notes that the domestic industry earlier stated that they are not seeking extension of anti dumping duties as they intended to include other components of CFL or incomplete CFL within the scope of the product under consideration and such inclusion was possible only through a fresh petition.

13. The subject goods fall under chapter 85 of the custom Traffic Act, 1975 under subheading no. 8539. The customs classification, however, is indicative only, and is in no way binding on the scope of the present investigation.

14. In view of the above, the Authority holds that the sealed glass tubular shells are nothing but incomplete compact fluorescent lamps and therefore, its inclusion within the scope of product under consideration is justified and the goods produced by domestic industry are like articles to the goods originating in or exported from the subject countries and there is no significant difference in the subject goods produced by the petitioner and those exported from subject countries. The two are technically and commercially substitutable and the goods produced by the petitioner are like articles to the product imported from the subject countries within the meaning of the Rules supra.

Countries involved and de-minimis

15. The countries involved in the present investigation are China PR, Vietnam and Sri Lanka, herein after also referred to as Subject Countries.

16. The Authority has determined volume and value of imports on the basis of the information received from DGCI&S for the FDI. Total volume of imports determined is as follows –

Figures in Lac pcs.

Sealed glass shell/Burner	Without choke	With choke	Total	Share%
China	928.95	15.07	1,064.78	87.86
Vietnam	1.11	52.93	54.04	4.46
Subject countries	928.95	16.18	1,118.82	92.32
Sri Lanka	0.81	30.58	31.39	2.59
Other countries	5.57	24.07	61.73	5.09
Total imports in India	934.52	41.00	1,211.94	100

17. The information contained in the petition showed that the volume of the imports from Malaysia were below 3% of total volume of imports. As imports from Malaysia were negligible by the reason of volume, the Authority did not consider it appropriate to initiate investigations against imports from Malaysia.

18. One of the producer/exporter from Sri Lanka argued that Sri Lanka should be dropped from the subject countries because of inclusion of compact fluorescent lamps within FTA between India and Sri Lanka.

19. The Authority notes that the FTA agreement between the two countries does not bar anti dumping investigations. The Authority however notes that the volume of imports from Sri Lanka is below de-minimis limits (2.59%). Initially, the petitioner had provided information from DGCI&S for the period upto Dec., 2006 and from IBIS for the period Jan.-March, 2007. Full information on imports from DGCI&S has now become available for the entire investigation period, which shows that the volume of imports from Sri Lanka is de-minimis. In view of this, the Authority terminates investigations in respect of Sri Lanka in accordance with Rule 14 of the Rules. Accordingly, imports from Sri Lanka have been clubbed in other countries for the purpose of this investigation.

Scope of the Domestic industry and Standing**View of the domestic industry**

20. The application was jointly filed by M/s Indo Asian Fusegear Ltd., M/s Havell's India Ltd., and M/s Osram India Pvt. Ltd. Applicant producers produce sealed glass tubular shells and thereafter produce CFL with external chokes and CFL with integrated choke. Petitioner submitted that the subject goods are produced by a number of other companies by importing sealed glass tubular shells and carrying out remaining incremental insignificant production activities. Petitioner further submitted that applicant companies do not undertake basic production activities and are importers of the subject goods in the form of sealed glass tubular shells in significant volumes. Petitioner has provided production information compiled by Electric Lamp & Components manufactures Association (ELCOMA). This information provided by ELCOMA showed that the goods are produced in India only by following companies:

- a. Indo Asian Fusegear
- b. Havells India
- c. Osram India
- d. Surya Roshni
- e. Phoenix

21. This petition was supported by Surya Roshni Ltd. at the stage of initiation. Subsequent to the initiation, the company has provided information with regard to imports made by them and injury information in respect of goods produced by them. Surya Roshni thus provided information as a producer of the subject goods as also as an importer of the subject goods and requested the Designated Authority to impose anti dumping duties on the goods for which petition was filed before the Authority.

Examination by the Authority

22. At the stage of initiation, the Authority considered that those Indian producers who were producing the subject goods by importing sealed glass tubular shells do not constitute eligible domestic producers in as much as they are importers of the subject goods in significant volumes and these companies are not undertaking basic production activities. It was determined that the production of the applicant companies constituted more than 50% of Indian production. The Authority therefore determined, at the time of initiation, that production of the petitioner companies constituted "a major proportion" in Indian production and the petition satisfied standing under Rule 5. It was further determined that the petitioner companies constituted domestic industry within the meaning of the rule 2.b read with 2.d.

23. A number of companies have represented that they are also engaged in production of compact fluorescent lamps. These companies have claimed that they have set up facilities for

production of CFL and are regularly paying excise duty as manufacturers. It has also been claimed that the production activity from the stage of sealed glass tubular shells was significant and constituted complete production activity. It has been highlighted that production activity involved in production of choke itself is quite significant. It is also the claim of these parties that value addition from the stage of sealed glass tubular shells to CFL is quite significant. A number of decisions of the Hon'ble Courts in India have also been cited to establish that sealed glass tubular shell is not a ready to use CFL and is only a component. These interested parties have therefore sought exclusion of sealed glass tubular shells from the scope of the investigations.

24. As noted above, the Authority is of the opinion that the basic production activity involved in production of CFL starts from production of sealed glass tubular shells onwards. Mere assembly of these shells into CFL or assembly of choke and addition to these shells does not constitute complete production activity. Furthermore, these companies are importers of the product under consideration in significant volumes. These companies were in particular requested to provide details of the production process followed by them. Only two of the companies namely M/s H.Q. lamps and Delta Electronic responded. They have provided list of plant and machinery which is Rs. ***Lacs and Rs. ***Lacs respectively for these companies. The range of investment in plant and machinery is Rs. ***-*** Lacs by these importers as against the investment in the plant and machinery by the petitioners in the range of Rs. ***-***Lacs.

25. It has also been claimed that the words "CKD or SKD conditions" stated in the initiation notification has not been defined in the initiation notification and this ambiguity has prevented the producers/ exporters in subject countries from responding to the Authority and providing relevant information.

26. As stated here in before, the production activity between sealed glass tubular shell and ready to use compact fluorescent lamps constitutes more of an assembly line operation. Moreover, sealed glass tubular shell has been considered as an incomplete compact fluorescent lamp and therefore, any company involved in production of compact fluorescent lamps using imported sealed glass tubular shells has to be considered as a company engaged in production through significant imports of the product concerned. The domestic industry has claimed that if the production activity and investment involved upto the stage of sealed glass tubular shells was insignificant; these companies should have set up facilities for production of sealed glass tubular shells as well. As these companies do not carry out basic production activities, therefore, they cannot be considered as producers of the product concerned within the meaning of anti dumping rules. On both grounds, the Authority considers that the companies producing compact fluorescent lamps using sealed glass tubular shells imported from subject countries does not constitute eligible domestic producers for the purpose of the present investigation.

27. The Authority notes that M/s Havells and Osram have also imported the product under consideration during the relevant period. Imports made by these companies in relation to their own production, imports into India and demand in India are as under —

Pcs in Lacs

Havells	Osram	
Imports from subject countries	Nil	***
Imports from other countries	***	Nil
Total imports by these companies	***	***
Imports into India from all sources	1211.94	
Production of these companies	***	***
Demand in India	1469.54	
Share of imports by these companies in relation to		
Imports into India from all sources	2.00%	0.53%
Production of these companies	****%	****%
Demand in India	1.66%	0.44%

28. During the course of on the spot investigations at the premises of Havells, the Authority noted that Havells has imported the subject goods. These imports were reported as "outsourced" and booked as "raw material consumed". The company explained that since these were T3 type of CFL and were not being produced by the company, the company had imported these types, pending setting up of facilities for such type by the company. The company further explained that it has since commenced commercial production of these types as well and stopped imports completely after Feb., 2007.

29. The Authority notes that Havells has made these imports from Sri Lanka. As noted above, (based on full volume of imports which has now become available for the entire investigation period) the volume of imports from Sri Lanka itself is de-minimus. There are no imports by the company from any other source. The Authority holds that the imports made by Havells were insignificant and are from a country from where the entire volume of imports itself is de-minimus.

30. As regards Osram, the Authority notes that the imports made by the company are insignificant in relation to total production activity of the company. The company has imported those models of CFL which the company is not producing in India.

31. The Authority also notes that a company which is entirely dependent on imports of sealed glass tubular shell for production of compact fluorescent lamps must be distinguished with a company whose general emphasis is production in India and which is resorting to imports to supplement its production line.

32. In view of the above, the Authority holds that both Osram and Havells constitute eligible domestic industry within the meaning of Rule 2(b).

33. On the basis of the above, the Authority has determined the standing of the applicant and proposes to conclude that the applicant satisfied standing requirements under the rules and the petitioner companies constitute domestic industry within the meaning of the rules.

Other submissions and issues raised

34. It has been argued that the notice of initiation was not placed on the website and thus depriving some interested parties from responding to the Authority. It is noted that notice of initiation was published in the Gazette of India and was sent to a large number of known interested parties. Furthermore, the Authority allowed time for submissions to all those interested parties who made a request for the same.

35. It has been argued that the Govt. of India has now made application of BIS standards mandatory and therefore there is no necessity of imposition of anti dumping duty. The Authority considers that application of BIS standards does not imply that the product can no longer be exported at dumped prices.

36. A number of interested parties including clock Manufacturers Association (India) has also individual members of this Association separately have represented that coverage of sealed tubular shell with or without lamp base within the purview of product under consideration should not escape the attention of the Authority. It has been pleaded that there are very few manufacturers of sealed tubular shell with or without lamp base and the so called manufacturers comprising the domestic industry are manufacturing the said product for their captive consumption and therefore, cannot be accepted to sell their above product in the Indian market at reasonable market only at a risk of creating competitors. It has further been pleaded that if antidumping duty is imposed on the above crucial part of CFL, three petitioners will have a carte blanche to exploit Indian market through the route of DGAD and ultimately the consumer will be the victim. To sum up their submissions it has been stated that sealed tubular shell with or without lamp base is crucial and important component of CFL and in the light of scarce availability of the said component in India, levy of antidumping duty on this component is justified, uncalled for and unreasonable.

Examination by the Authority

37. The Authority after having gone through these submissions notes that antidumping law is not invoked to restrict the imports or to restrict the access to users of various imported materials/product. The law is intended only to ensure that these products are not imported at dumped prices and if the authority concludes after going through submissions and records finds that the products are imported at dumped prices and a causal link is established between the dumped imports and injury to the domestic industry, the authority is under obligation to recommend imposition of antidumping duty. If on the contrary the authority based upon the investigations concludes that no dumping is taking place or dumping is not cause of injury to the domestic manufacturers, it does not recommend imposition any antidumping duty. Accordingly these parameters have been examined by the Authority in detail in paragraphs hereinafter.

38 Response to Disclosure statement:

38.1 M/s Ajanta India Ltd. raised the following arguments:

- (a) The company had filed a writ petition, which is pending before the Hon'ble High Court.

- (b) The company neither received questionnaire nor any notice of hearing.
- (c) The company has not been made available the Non Confidential Version of evidence presented by various interested parties. There was no intimation to the company.
- (d) The Authority has blindly relied upon information filed by the applicant companies to work out cost of production and no independent analysis was done.
- (e) The authority never give any notice to the company despite specific request being made by them vide their letter dated 15th September.
- (f) Sealed Glass tubular shells are only parts of CFL and cannot be treated as an unassembled CFL. The Authority has rendered contradictory finding. At para 8, the authority has acknowledged that production activity takes place after manufacturing of sealed shell while at para 9 it has been observed that activity after production of sealed shell is only an assembly line operation.
- (g) Sealed glass tubular shells are not Compact Fluorescent Lamps. Past imposition of duty did not include this product type. Sealed shells are, in fact, input raw material required for production of CFL.
- (h) The decision of the authority is contrary to the judgment of Delhi High Court in the matter of Plaza Lamps and Tubes Vs. Commissioner of Customs.
- (i) The authority has desperately combined sealed shells.
- (j) There is no separate independent injury analysis in respect of sealed shells.
- (k) The authority has done no technical/scientific study in concluding that sealed shells are nothing but incomplete CFL.
- (l) The authority has terminated investigations in respect of Sri Lanka only to facilitate M/s Havell's India Ltd.
- (m) The view taken by the authority in para 19 is wrong.
- (n) The authority wrongly concluded that the petitioner companies constitute more than 50% of Indian production. The authority has not considered the number of companies engaged in production of CFL and is regularly paying Excise duty by undertaking significant production activity from the stage of sealed shell. The production of choke itself is quite significant.
- (o) The words CKD and SKD conditions are stated in the initiation not defined in the initiation notification and this ambiguity prevented the interested parties from responding to the authority.
- (p) In spite of the fact of imports of Hevels and Osram, the authority has incorrectly held them eligible domestic industry.
- (q) Concluding is totally contrary to Rule 2(b). Rule 2(b) confers no discretion to the Designated Authority.

- (r) The DA has not considered that applicant companies are manufacturing sealed shells for their captive consumption. Imposition of anti dumping duties on sealed shell shall lead to a carte blanche by these companies.
- (s) The authority has concealed Net Sales Realization landed price and price undercutting. In the absence of these figures, entire injury conclusion is flawed. Almost all-relevant information has been kept confidential in total disregard to jurisprudence on anti dumping and rulings of Supreme Court.
- (t) Applicants are predominantly multinational companies abusing the anti dumping procedure to kill internal competition from small and medium sector.

38.2 M/s Ajanta Manufacturing Ltd. raised the following arguments:

- (a) The disclosure statement was received on 19th Feb. with replies due on 23rd Feb. Sufficient time has not been given for filing submission.
- (b) The notification has not been placed on Website of DGAD nor has any reason been recorded for not placing the notification on Website. Interested parties have been deprived of their rights of information. Initiation notification was put on Website after 14 days.
- (c) The applicants have not sought information on imposition of duty on tube glass tubular shell.
- (d) The Designated Authority incorrectly claimed confidentiality. All information should be disclosed to affected parties.
- (e) No definition of CKD or SKD conditions has been given in initiation notification. The terms have not been defined in Customs Act or foreign Trade Policy. Absence of the definitions prevented many exporters/importers from making their effective submissions.
- (f) The authority has deprived of their status as manufacturers of CFL.
- (g) In terms of rule 2(a) of interpretation rules, sealed glass tubular shell cannot be treated as incomplete shell because it does not acquire the characteristic of complete CFL. It can acquire characteristic of complete CFL only when it is assembled with essential parts i.e. choke/Ballast.
- (h) Investigations have not been concluded within one year. The extension notification ought to have been issued before 30th August. The investigation has got automatically terminated after 30th of August. The DG has no justification to extent time for completion of investigation. Extension notification is therefore, invalid. The entire proceedings have become null and void.
- (i) With BIS Standards having been made mandatory, there is no scope for apprehension that Indian domestic market will be floated with inferior quality of CFL in the absence of anti dumping duty.

- (j) Petitioners confirmed in the public hearing that they have not sold scaled shell in the market. Production was only for captive consumption. Therefore, the question of injury to them does not arise.
- (k) The authority has not verified records of the exporters, even though they have provided no objection certificates. These exporters have been subjected to injustice and have been deprived of their rights to participate in the proceedings. This issue has also not been addressed.

38.3 In respect of the issues concerning the disclosure statement, the Indian Consultants of M/s Philips and Yaming, China have filed almost similar response in respect of M/s Starlite Lighting Ltd. The issues raised have been dealt with at appropriate places in the findings.

39. Examination by the authority.

The Authority notes that certain parties had filed writ petitions before the Hon'ble High Courts at Mumbai and Delhi. The Writ petitions filed by M/s Philips and Ajanta Manufacturing Ltd. have been disposed off by the Hon'ble Courts. The petition filed by M/s Ajanta India Ltd. is pending in the Hon'ble High Court of Delhi. Since the Authority has not been prevented from recording these findings in any of these writ petitions, the Authority has proceeded with notifying the present findings.

39.1 In respect of the issues raised by M/s Ajanta India Ltd.

39.1.1 It is stated that Rule 6 of the anti dumping rules provides for detailed procedure required to be followed for conducting investigations. The Authority has meticulously followed the investigation procedure prescribed under rule 6. There has been no violation of the laid down procedure.

- (a) The Authority issued a public notice in the extraordinary Gazette of India, recording its decision to initiate the present investigations. Contents of the initiation notification provided adequate information on various parameters relating to the present investigations. The initiation notification specified the time limit allowed to interested parties for making their views known. The Authority had also informed that a public file shall be kept by the Authority which would be open for inspection and would contain non-confidential summary of the submissions made by various interested parties. The public file was inspected by a large number of interested parties. The contention of interested parties that non confidential version of the evidence was not made available to certain interested parties is not correct.

The Authority received submissions from a number of parties claiming themselves to be manufacturers of CFL and asking non-imposition of duties, in particular on Burners. The Authority had specifically requested these parties to provide specific information vide letter dated 04.02.2008. A copy of the letter was addressed to M/s Ajanta India Ltd. at their address Ajanta Industrial Estate, Opposite Rewapark, Morbi, Gujarat - 363 641 as well. The company has,

however, preferred not to provide any information to the Authority. In fact, in its response to initiation as well, Ajanta India has merely advanced certain arguments and has not provided evidence in support of its contention.

- (b) Rule 6(7) provides that the Authority shall make available the evidence presented to it by one interested party to the other interested parties participating in the investigation. The rules does not provide for "providing" a copy of such non confidential version to various interested parties. "Make available" must be distinguished with "providing". In fact, a large number of interested parties inspected the public file throughout the course of investigation and obtained copies of the documents considered relevant by them. It cannot be accepted that there was no intimation to the company with regard to non confidential version of the evidence available in the public file.
- (c) It is confirmed that the cost of production as claimed by the domestic industry has been subjected to scrutiny by the Authority. Not only that the companies were directed to get the cost information certified by an independent practicing Cost Accountant, but also the Authority conducted its own verification of the information provided by the companies. It is clarified that the Authority has neither admitted all the claims made by the domestic industry, nor has adopted the cost of production as claimed by them. The Authority has made its own calculations of cost of production and non-injurious price. With regard to notice to the company, the Authority notes that the Authority has addressed the company not only through a specific letter dated 04.02.2008, but also through Gazette notification. The purpose of Gazette notification is to make the same known to all interested parties. An interested party cannot plead ignorance on the Gazette notification issued by the Authority. The whole purpose of issuing gazette notification gets defeated if an interested party is allowed to claim ignorance on a notification issued in the Gazette of the Country. No submissions have been made by Ajanta India either after the gazette notification issued by the Authority or by the Ministry of Finance at the stage of interim duties. It may be noted that the duties were imposed by Customs notification no.126/2008-customs dated 21.11.2008 of the Preliminary findings dated 12.03.2008, thus between imposition of duties and the recommendations, there was a gap of about eight months. The company cannot plead ignorance on the preliminary findings notification issued and non submission of comments thereon.
- (d) The issue of inclusion of sealed tubular glass shells has been addressed in detail in the preliminary findings and in the present findings hereinabove. No interested party has been able to establish how the conclusions arrived at by the Authority either in the preliminary findings or in the disclosure statement are incorrect. The Authority holds that, in fact, none of the interested parties have provided verifiable evidence to show that sealed glass tubular shells are so fundamentally different from "CFL wherein choke is not integrated" that the two should be treated as dislike articles under the anti dumping Rules. The production process between "sealed glass tubular shell" and "CFL wherein choke is not integrated" is

not so significant that the two can be described as dislike articles. It is pertinent to note that the mere fact that eventual end consumers cannot interchangeably use the two products does not render the two as dislike article for the purpose of anti dumping. In a situation where producers are able to readily switch from one product form to another form and continue dumping of the product, the two product forms must be considered as like articles for the purpose of anti dumping rules.

The Authority also notes that thrust of the argument of interested parties is based on comparison between "sealed glass tubular shell" on one hand and "CFL wherein choke is integrated" on the other hand. None of these opposing interested parties have done comparison with "CFL wherein choke is not integrated" to establish that sealed glass tubular shell is distinct article for the purpose of anti dumping duties. Further, none of the interested parties have established that "CFL wherein choke is integrated" and "CFL wherein choke is not integrated" are dislike articles.

- (e) The Authority also notes that in the previous investigations, the Authority had considered ready to use "CFL wherein choke is integrated" and "CFL where choke is not integrated" as one product. The fundamental difference in the two is that whereas one product has ballast/choke, the other does not have [absence or presence of ballast/choke has been cited as one of the major difference between sealed burner and CFL]. None of the parties disputed the previous decision of the Authority considering these two forms as one article, even though ballast/ choke is not only a major item, but also not included in both the forms.
- (f) The Authority notes that there is no contradiction between para 8 and 9 of the disclosure statement. It is not disputed that there is a manufacturing activity between sealed shell and "CFL wherein choke is not integrated". It is also not disputed that this manufacturing activity is recognized as production for the purpose of Excise. However, definition of production under excise law is not relevant for the purpose of anti dumping duties. None of the parties have established how the definition of production under Excise should imply existence of two different articles for the purpose of anti dumping. For example, mere re-packing, re-labeling etc are recognized as production activities for the purpose of Excise law. However, if a company has done merely repacking, it cannot be said that the input and resultant output are two dislike articles for the purpose of antidumping. The definition of manufacturing under Excise need not imply bringing in a new article having significantly different characteristic as to render the two as dislike articles.
- g) It would also be relevant to refer to Rule 2(d) dealing with definition of like article which provides that like article implies two articles which are either alike in all respects or in the absence of the same, which have "characteristic closely resembling" each other. This clearly establishes that mere differences in

characteristics or mere fact that the two forms are not alike do not mean the two forms are dislike articles. The Authority has nowhere said that sealed glass tubular shells are ready to use CFLs. On the contrary, the Authority has clearly said that sealed glass tubular shells are incomplete CFLs. None of the parties have been able to establish either on the basis of rules or jurisprudence on anti dumping that the Authority is not permitted to include a product in its finished and semi-finished form. In fact, the Authority has in the past included not only a product and its semi-finished stage, but also a product and its further processed stage within the definition of article.

- h) With regard to past imposition of duty, the Authority holds that the scope of measures in two different investigations need not be identical. The scope of investigations and resultant duty in the previous case was "ready to use" CFL, whereas the scope of investigations in the present case includes semi-finished or incomplete CFL.
- i) With regard to past judgments of various higher authorities on the issue of scope of duty in the previous case, the Authority notes that (a) the scope of the product under consideration itself is different in the two investigations, (b) the scope of duty in the previous case was "ready to use" CFL, and therefore it was held by various Hon'ble Courts that collection of duty on incomplete CFL was unjustified. However, when the scope of duty includes semi-finished CFL, the previous judgments are not applicable.
- j) A number of parties argued that the Authority has not done independent injury analysis in respect of sealed shells. The Authority notes that Rule 11 read with Annexure II relating to determination of injury makes it evident that the Authority is required to determine injury to the domestic industry (caused by imports of the product under consideration) engaged in production of like articles. In a situation where like article includes a number of different types/forms of the product, the Rule does not envisage a separate injury examination of each form of the product. On the contrary, the Authority is required to examine "injury to the domestic industry". Domestic industry is defined as domestic producers engaged in production of like articles. Therefore, injury analysis has to be done cumulatively for the various forms of the product involved. However, for the purpose of doing price comparisons between domestic product and imported product and for the purpose of determining injury margin, the Authority has done separate comparisons, not only for the three forms of the product i.e. (a) semi-finished CFL; (b) CFL wherein choke is not integrated; and (c) CFL wherein choke is integrated, but also the Authority has further sub-divided each of these three forms into different categories in order to ensure fair comparison. The Authority, therefore, holds that the determination of injury is consistent with the Rules.

- k) Regarding technical/scientific study or seeking information from other bodies, the Authority notes that antidumping investigations are required to be conducted in accordance with the procedure laid down under the rules. Such procedure does not mandate that the Authority must seek information from technical/scientific bodies. Moreover, no justification for such technical/scientific study has been established by these parties, nor has the Authority considered it necessary to seek such assistance in the present case.
- l) In respect of termination of investigations against Sri Lanka, the Authority notes that Rule 14 of the Rules obliges the Authority to terminate the investigations in respect of a country if the investigations establishes that imports from that country are less than 3% of total known imports of the products in India. In fact, none of the parties could establish that imports from Sri Lanka were more than de-minimus.
- m) In respect of the observations made by the Authority at para 19 of the disclosure document, it is noted that the said observation is on the basis of investigation conducted by the Authority and various informations on record. The Authority does not dispute that a number of companies are engaged in production of CFL and are paying excise duty on such production activity. In fact, production of such companies might even be higher than production of companies considered as "domestic industry". The word "domestic industry", however, must be distinguished and differentiated from the word "Indian producers" or "domestic producers". The domestic industry is only a part or sub-set of much larger set of domestic producers. This is more than evident from the very definition of domestic industry under Rule 2(b). However, the mere fact that a company is a domestic producer does not mean that it should be regarded "domestic industry". If such arguments of the interested parties were to be accepted, the same will reduce Rule 2(b) to redundancy. In fact, Rule 2(b) clearly obliges the Authority to examine the various constituents of the Indian industry and thereafter determine whether a company should be considered as eligible or ineligible. Further, situation of those domestic producers which are undertaking production activities by supplementing part of the activity through imports must be distinguished with those domestic producers who are largely dependent on imports of the product with incremental production activity being undertaken in India.
- n) The Authority notes indeed interested parties have resorted to contradictory arguments in demanding exclusion of Hevels and Osram (on grounds of their imports) in spite of the fact that these companies undertook substantial production activity in India with supplemental imports; and at the same time, claiming

themselves as eligible domestic industry in spite of the fact that they are producing the product after importing sealed glass tubular shell (whether or not processed further.

- o) In respect of inclusion of CKD and SKD conditions and the alleged ambiguity on what constituted CKD and SKD conditions, the Authority notes that even if it is assumed that the meaning of CKD and SKD conditions was not clear to these interested parties, the same cannot in any case be pleaded as justified reason for not responding to the Authority. Firstly, any interested party can seek clarifications from the Authority. Secondly, the interested parties are required to act to the best of their abilities and provide relevant information. The Authority notes that these interested parties have clearly preferred non-cooperation with the Authority and have in fact attempted to impede the investigation.
- p) The Authority notes that the issue of imports made by Hevels and Osram have already been dealt at length in the preliminary findings notified. No new facts have been brought to the knowledge of the Authority, justifying review of the decision. As noted by the Authority, imports made by Hevels and Osram are quite insignificant in relation to their total production activity. Thrusts of these companies have not shifted to importation. The imports were made in the category of product types not produced by these companies and only to supplement their own production activities. In fact, the Authority has proposed anti dumping duties on non-discriminatory basis and the same shall be applied on imports made by Osram and Hevels as well.
- q) The non disclosure of actual figures in the preliminary findings or disclosure statement has also been disputed. The Authority refers to rule 7 of the anti dumping Rules, which prohibits disclosure of information claimed confidential by interested parties. The Authority notes in this regard that even foreign producers responding to the Authority have aggressively used confidentiality provisions and have claimed even information such as production and sales volumes also as confidential. Moreover, the preliminary findings and disclosure statement issued by the Authority clearly mentions the conclusion arrived at by the Authority based on such confidential information. Any interested party is free to comment on the conclusions reached by the Authority.
- r) It is also argued that the petitioner companies are multinational companies and are abusing the anti dumping process. The Authority notes that the three applicant companies are companies incorporated in India. The fact that one or more constituents of the domestic industry are part of multinational companies is entirely immaterial under the rules. It is also noted that some of the companies who have set up manufacturing facilities in the form of assembly line operations

are in fact having capacities comparable or more than the constituents of the domestic industry.

39.2 In respect of the issues raised by M/s Ajanta Manufacturing Ltd.

- a) The Authority does not agree that sufficient time has not been given to interested parties for filing submissions. With regard to placing of initiation notification or the disclosure documents on the Website of DGAD, the Authority notes that there is no statutory obligation on the Authority to place these documents on the Website. In fact, the obligation of the Authority is to issue public notice which does not get discharged by putting such notifications on Website. The information on Website is being placed only as an additional step of bringing transparency and for the knowledge of the public at large and not in substitution of the statutory obligations of the Authority as specified under Rule 6.
- b) It is argued that the petitioners have not sought imposition of duty on sealed glass tubular shell. The Authority notes that there is no substance in these arguments. In fact, the petitioners had clearly desired initiation of investigation and imposition of anti dumping duties on imports of sealed glass tubular shells.
- c) In respect of reference to Rule 2(a) of interpretative rules, the Authority notes that the present investigations are being conducted in accordance with Section 9(A) of the Customs Tariff Act and the rules made there under. Even if any other rule considers different forms of the product as different articles, it does not imply that the Authority is required to consider them as dislike articles.
- d) In respect of completion of the present investigation within the time limits, the Authority notes that the present investigations are being concluded within the time limit provided to the Authority and duly extended by the Central Govt. on two occasions.
- e) In respect of the reference to BIS standards, the Authority notes that prescription of BIS standards does not have impact on the present proceedings and the conclusions reached. The Authority has not recommended imposition of anti dumping duties because inferior quality CFLs is being imported into India. The Authority has recommended these duties because the product is being imported at dumped prices and the same is causing injury to the domestic industry.
- f) The Authority notes that the fact that the petitioners have not sold sealed burners in the market does not also vitiate the present conclusions. Moreover, as stated before, the Authority is not required to examine injury separately for each form of the product.
- g) It is clarified that imposition of anti dumping duties on sealed burners or other forms of the product under consideration does not imply a ban on importation of these products. The imposition is intended only to remove the unfair advantage gained by dumping practices.

40. Normal Value, export Price and Dumping Margin

40.1 Normal Value

40.2 The response to the questionnaire was filed by the following companies—

- a. M/s. Foshan Electrical & Lighting Co. Ltd., China.
- b. M/s. Yanyang Electronic Fluorescent Lamp Factory, China
- c. M/s. Osram China Lighting Ltd., China PR.
- d. M/s. Phillips & Yaming Lighting Co. Ltd., China.

40.3 M/s Suqian Deda Lighting Co Ltd, Jiangsu, China and Hangzhou Linan Dongfeng Lighting Factory China also responded to the Initiation and requested time for filing response, which was also provided. However, these companies did not submit any questionnaire response. That apart M/s Bengbu First Commercial and Trading Company Limited, China, who was also stated to be exporter of the sealed glass tubes filed a belated response on 19th March, 2008 which was initially rejected but subsequently accepted for the purposes of final determination. The response was incomplete and had been filed by Indian Consultants on behalf of the Chinese producers/exporter. However, the Indian consultants vide their letter dated 14th August, 2008 informed the Authority that they have withdrawn the authorization letters filed by them on behalf of Ajanta Manufacturing Limited, Sunny Enterprises (HK) company Limited, China and Bengbu First Commercial Trading Company Limited, China. No further response was received from Bengbu First Commercial and Trading Company, China and, therefore, this producer/exporter from China is being treated as non-cooperative for the purpose of present investigation. None of the producers/exporters from Vietnam filed questionnaire response.

Examination of market economy claims

41. The Authority notes that in the past three years China PR and Vietnam have been treated as non-market economy countries in the anti-dumping investigations by other WTO Members. Therefore, in terms of Para 8 (2) of the annexure 1 of AD rules, China and Vietnam have been treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the above presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the above Rules.

41.1 As per Paragraph 8, Annexure I to the Anti Dumping Rules as amended, the presumption of a non-market economy can be rebutted if the exporter(s) from China/ Vietnam provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) in Paragraph 8 and prove to the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from People's Republic of China/ Vietnam are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether:-

- a. The decisions of concerned firms in China PR/ Vietnam regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;

- b. The production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
- c. Such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and
- d. The exchange rate conversions are carried out at the market rate.

41.2. The Authority notes that responding producers / exporters of the subject goods from China have submitted their questionnaire responses and market economy questionnaire responses, consequent upon the initiation notice issued by the Authority and rebutted the non-market economy presumption. There is however no response from any Producer/ Exporter from Vietnam. The questionnaire responses and the market economy responses of the responding producers and exporter have been examined for determination of normal value of the responding producers/exporter of the subject goods from the subject country as follows.

42. Foshan Electrical & Lighting Co. Ltd., China.

42.1 M/s Foshan Electrical & Lighting Co. Ltd., China has filed a questionnaire response and MET response in this matter as a producer and exporter of the subject goods. The submissions of the company were verified at the premises of the company at Foshan. The documents in respect of organizational chart, portfolio review, Business license, certificate of approval and articles of Association with amendments of business terms and validity etc were shown. The company provided the copy of contract for sale and purchase of shares of State owned assets supervision and administration commission of the Foshan city people's Government and Osram Prosperity Holding company Ltd.

42.2 Examination of the MET claim of the company shows that the company has significant direct or indirect state ownership.

42.3 As per the historical background provided to the visiting team, the Company was established on October 20, 1992 with a Registered Capital of RMB ***Million. It was stated to have been Listed in Shenzhen Stock Exchange, issuing A shares of ***million Registered Capital: from RMB ***million to RMB ***million in the year 1993. In the year 1994, they stated to have Issued A shares of ***million and increased Registered Capital: from RMB ***million to RMB ***million Issuing. In 1995, they stated to have issued A shares of ***million shares of *** million and increased Registered Capital: from RMB ***to RMB ***In the year 1996 the Legal Status: was stated to have changed from stock company limited by shares to foreign invested stock company limited by shares Issuing A shares of ***million Increasing Registered Capital: from RMB ***to RMB ***million. In the year 2000, they stated to have issued A shares of ***million Increasing Registered Capital: from RMB ***million to RMB ***million, again Issuing A shares of *** million Increasing Registered Capital: from RMB ***million to RMB ***million. In the year 2006, shares transfer was stated to have taken from Foshan government to Osram Prosperity Holding Co. Ltd (***%) and Prosperity Lamps & Components Limited (****%).

It has been responded to by the company that shareholding by another company operating under market economy mechanism namely M/s Osram Prosperity Holding Co., Ltd also qualifies to be operating under ME conditions. The authority notes that in view of the substantial shareholding of the state govt with the company, the interference of the State in the management and day-to-day affairs cannot be ruled out.

42.4 In view of the above the Authority holds that this producer- exporter from China cannot be granted market economy status for determination of its Normal Value.

42.5 In respect of the argument of the company about the shareholding pattern of M/s Philips and Yaming, the authority notes that the shareholding and composition of the shares among the principal shareholder and other party are in different percentages than this company.

43. M/s. Yanyang Electronic Fluorescent Lamp Factory, China

43.1 M/s. Yanyang Electronic Fluorescent Lamp Factory, China has filed a questionnaire response and MET response in this matter as a producer and exporter of the subject goods. The company has significant domestic sales of the product under consideration during the POI. The response of the company was examined and a letter was issued to the company on 30th Jan., 2008 requesting for certain additional information/clarification from the company. In the said letter the responding company was asked inter alia to provide information on domestic sales details, questionnaire response (including market economy questionnaire) of the exporter, and ownership status of the exporter. No response has however, been received from the company.

43.2 Examination of the MET claim of the company shows that the company has sold goods through a trader in China. No questionnaire response has been provided by the exporter. In reply to deficiency response also, no response of the exporter has been provided to the Authority. The Authority notes that market economy treatment examination cannot be carried out for the company without response to questionnaire from the exporter concerned.

43.3 In absence of reply to the queries and the complete response, the authority treats the respondent as non- cooperative for the purpose of said investigations.

44 M/s. Osram China Lighting Ltd., China PR and M/s. Phillips & Yaming Lighting Co. Ltd., China.

44.1 Response to market economy status questionnaire was filed by both these companies. These companies were earlier examined by the Authority at the time of earlier investigation or new shipper review investigations, wherein the Authority has granted market economy treatment to these companies. The determination of market economy earlier made by the Authority has not been challenged, nor has the domestic industry raised any issues with regard to market economy status of these companies. The records of both the companies were verified at their premises in china. The companies were earlier informed to provide following documents for their claim of Market Economy Status.

- Certificate of incorporation of the company.
- Purchase invoices for assets of the company.

- Details of assets outstanding during PGI along with their acquisition details.
- Copy of business license and other approvals obtained from Chinese Govt. agencies before start of business.
- In case of any transformation, the details of transformation, asset valuation, settlement price and procedure adopted for transfer.
- Organizational Chart of your company.
- Information on the change in the structure of the company since inception along with details of share capital and details of ownership.
- Information of any parent companies and subsidiaries of the company and all other persons affiliated with the company.
- Articles of Association and the Memorandum of Association.
- VAT and local tax registration certificate.
- Labor payment contract.
- Foreign business registration certificate.
- Catalogues & brochures issued by the company covering the subject goods.
- List of raw material and utilities suppliers along with their legal structure and affiliation details.

45. The documents in respect of organizational chart, portfolio review, Business license, certificate of approval and articles of Association with amendments of business terms and validity etc were shown at the time of verification. In view of the above, the Authority holds that these producers can be granted market economy status.

Vietnam

46. None of the exporters/producers from Vietnam have responded to the Authority. None of these parties have provided any information with regard to market economy status of these companies. The Authority is therefore unable to consider market economy status claim of Vietnam (companies) in accordance with para 8 of Annexure-I.

Normal value in case of non market economy companies

47. In this connection Para 7 of Annexure I of the Rule provides that

"In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis if the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner. Keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties

to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments."

48. The Authority indicated, in Para 5 of the initiation notification, that it envisaged to consider European Union as an appropriate market economy country for the purpose of establishing normal value in respect of China and Vietnam. Interested parties were invited to offer their comments on this choice of market economy third country. However, none of the interested parties, except the applicants, have placed sufficient material before the Authority to consider European Union as an appropriate market economy third country for the above purpose. Even though the petitioner provided information with regard to the selling price of the subject goods in European Union, the Authority notes that mere price list of these goods in EU that too for a product of this nature, is insufficient to determine normal value for the purpose of preliminary determination.

49 Response to disclosure statement

49.1 Domestic Industry

49.1.1 The Designated Authority, on the basis of detailed investigation has determined normal value, export price as also dumping margin for the subject countries. The domestic industry notes that the disclosure statement does not contain the dumping margin determined for various companies. Considering Preliminary Findings notified and the methodology disclosed in the disclosure statement, the domestic industry presumes that the Authority has found significant dumping margin in case of all responding exporters. If not so, the domestic industry requests the Authority to disclose the dumping margin. We request the Designated Authority to confirm the disclosure statement in this regard, if the dumping margins found in respect of all imports are significant and beyond de-minimis.

49.2 Foshan, China

49.2.1 It is a usual practice in EU's antidumping practice that the Commission will investigate whether all related companies under the same group can meet the conditions for obtaining Market Economy Treatment. Such requirement is clearly stated in Introduction of MET Claim Form. "in cases where a subsidiary or other related company in the People's Republic of China is involved in the production and/or sale of the product concerned, this market economy treatment claim form has to be completed separately by the company in question, as the Commission services will investigate whether the group as a whole meets the conditions for obtaining Market Economy Treatment or Individual Treatment" (see Introduction of MET Claim Form). In CFL case, FSL and OSRAM (China) are two related companies according to the relevant definition given by the authority, it is incorrect for the authority to deny the MET of FSL, while granting MET to OSRAM (China) in the same investigation.

49.2.2 It is incorrect for DGAD to apply the different criteria to FSL and Philips & Yaming when conducting the MET examination. Philips & Yaming is a joint venture between Philips and Yaming. Yaming has been a wholly state-owned company since its establishment. In the original investigation, DGAD found that Yaming held 40% shares of

Philips & Yaming. According to the public information, Yaming still holds 20% shares of Philips & Yaming now. FSL noticed that Philips & Yaming was granted MET both in the original investigation and the preliminary findings of new investigation.

49.2.3 Although for normal value calculation FSL agrees to the proposed method, i.e. using the normal value of two MET exporters as the substitution, FSL noticed that the authority in fact only calculated two specific normal values, i.e. *** RMB/PC for PCN with voltage ranging from 5 to 10, and *** RMB/PC for PCN with voltage ranging from 11 to 20. However, it seems that the calculated normal value is unreasonable high.

49.3.1 Philips and Yaming, China

49.3.2 In light of the above, the correct point of comparison must necessarily be the first independent sales price in the Domestic Market which needs to be compared to the first independent sales price in India.

49.3.3 While it is not entirely clear from the disclosure statement, it is apparent that the Hon'ble Designated Authority has sought to compare the procurement price of the China trading arm of Phillips with the first independent selling price of Philips India in India. This is clearly erroneous as the grades that Philips exports to India are also sold by Philips in China to its China trading arm i.e. Petsco. The only correct comparison can be made at the first independent selling price in both markets i.e. all prices from Petsco to independent dealers and the sale price from Philips to independent dealers. In fact, this was the methodology followed by the Hon'ble Designated Authority in the anti dumping investigation conducted in the CFL-1

49.3.4 Prejudicial Ranges for Imposition of Duties:

Without prejudice to all of the aforesaid, should the Hon'ble Designated Authority deem it appropriate to impose the duties on CFL imported from the subject countries, the ranges on which the preliminary duties have been imposed are unrealistic and prejudicial both to the consumers and exporters.

The Hon'ble Designated Authority has verified that a 11 watt CFL (with choke) costs Rs. 135/- while a 20 watt CFL (with choke) costs Rs. 225/-. This is an increase of nearly 60%, but the Hon'ble Designated Authority has ignored this fact by fixing the same reference price in the preliminary findings. By fixing one and the same reference price for both, the Hon'ble Designated Authority is doing a grave injustice to the consumers and exporters; while unjustifiably protecting the petitioners. Given the power saving benefits of CFL, the range of the anti-dumping duty will unnecessarily burden the costs of the lower range of wattages, which is really the grade consumed by the common man, to replace traditional 40 and 60 watt incandescent bulbs. It is respectfully submitted that Hon'ble Designated Authority should reconsider this critical aspect and rationalize the ranges for the imposition of the duties.

Normal value

50. In view of the Companies M/s Philips and Yaming and Osram granted Market economy Status, the Authority has determined the normal value in China based on their submissions having regard to the judgment of Hon'ble Supreme Court in the case of

Reliance. The Normal value so calculated is proposed to be applied in case of NME producer/ exporter M/s Foshan Electricals. However, it is seen that M/s Foshan has exported Burners(sealed glass shells) whereas M/s Philips & Yaming and Osram have exported CFLs with or without choke, hence the normal value for burners have been constructed based on Para 7 of Annx 1 to the rules. M/s Foshan have submitted that during the POI they had not exported CFL without choke or with choke. They have submitted that they propose to export CFL with/ without choke in future to India. CFL with/ without choke being part of the product under consideration, they have submitted their calculations (based on the verification carried out at their premises) to construct the export price for CFL without choke and with choke. The authority has considered the claim of the exporter for final determination in respect of the product variants not exported during the POI. In absence of complete details concerning the relative cost of production made available, the residual duty will be the benchmark for the variants not exported during the POI.

51. Normal value in case of Phillips & Yaming Lighting and Osram China Lighting has been determined on the basis of questionnaire responses filed by these companies. Weighted average selling price in the domestic market, separately for each type, has been determined on the basis of sales made by these companies in the domestic market. In respect of M/s Philips & Yaming, adjustments on account of BIS marking in all PCNs exported and Very Wide Voltage (VWV) adjustment in two PCN have been allowed.

Export price for the responding exporters

52. The Authority examined whether the export price in respect of responding exporters could be determined on the basis of questionnaire responses filed by these interested parties. Following companies provided information with regard to export price to India.

- a. M/s. Foshan Electrical & Lighting Co. Ltd., China.
- b. M/s. Yanyang Electronic Fluorescent Lamp Factory, China
- c. M/s. Osram China Lighting Ltd., China PR.
- d. M/s. Phillips & Yaming Lighting Co. Ltd., China.

53. In case of M/s. Foshan Electrical & Lighting Co. Ltd., China, the company had exported sealed glass shells/ Burner only. The export price claimed with adjustments has been allowed. For other variants not exported during POI the Authority has constructed the export price at ex-factory level for individual determination.

54. The export price in respect of M/s. Phillips & Yaming Lighting Co. Ltd., China and M/s. Osram China Lighting Ltd., China PR has been determined on the basis of questionnaire responses filed by the responding exporters however since both these companies have exported the goods to their related companies in India who have resold these goods after importation, the export Price has been constructed on the basis of resale price reported by their affiliate company in India. Thus, all

expenses of their importers in India and their profit margin have been deducted to construct the CIF export price for the purpose of preliminary findings. The export price has been determined on the basis of weighted average price of exports during the POI, separately for each type of the product. The export price has been determined at ex-factory level.

Export price for non-cooperating exporters

55. The data reported by the DGCI&S has been relied upon to calculate the ex-factory export price. Separate export price has been determined in respect of each type of the product under consideration. The Authority holds that the price adjustments in respect of residual category be allowed on the basis of claims made by the domestic industry. The export price has been determined at ex-factory level.

Dumping Margin

56. On the basis of comments received in respect of normal value and export price, the dumping margin will be arrived at. For the following tables, in respect of quantity the figures are in 1000 pcs. In respect of NV (Normal value) and NEP (net export price), the figures are in USD per pc.

a) M/s. Phillips & Yaming Lighting Co. Ltd., China.

USD/PC

PCN	218	226	305	308	311	314	315	318	319
NV	***	***	***	***	***	***	***	***	***
NEP	***	***	***	***	***	***	***	***	***
DM	***	***	***	***	***	***	***	***	***
DM %	31-36	(Negative)	37-42	22-27	40-45	10-15	55-60	0-5	(Negative)

320	323	Total
***	***	***
***	***	***
***	***	***
38-43	14-19	15-20

b) M/s. Osram China Lighting Ltd., China PR.

USD/Pc

PCN	***	***	***	***	***
NV	***	***	***	***	***
NEP	***	***	***	***	***
DM	***	***	***	***	***
DM %	(Negative)	15-20	6-11	0-5	8-13

c) M/s Foshan Electrical USD /PC

PCN	Upto 10 watt	From 11 to 20	From 21 to 26 watt
Burners			

only		watt	
CNV	***	***	***
NEP	***	***	***
DM	***	***	***
DM %	24-29	6-11	1-5

d) Vietnam – all producers/exporters

USD/Pc

Particulars	CFL without choke	CFL with choke
CNV	***	***
NEP	***	***
Dumping margin	***	***
Dumping margin %	70-75	80-85

In respect of Burners, the average non injurious price arrived at in respect of the domestic industry for all grades (upto 26 watt) have been taken as the reference price.

Methodology for Injury determination and examination of Causal Link

Views of the domestic industry

57. The followings are the views of domestic industry: -

- a. Export price from the subject counties has remained at dumped level during injury period. Further, theses prices have not increased proportionate to increase in input prices from base period to POI.
- b. Production, sales volumes and capacity utilization of the domestic industry are showing improvements because of imposition of anti dumping duty and growth in the market.
- c. Profit/Loss (PBT and PBIT) of the domestic industry have shown significant decline from base period to POI.
- d. Market share of the domestic industry declined. This is due to the fact that dumped imports have captured significant market share of demand in India.
- e. Import from each of the subject countries has been undercutting the prices of the domestic industry to a significant degree.

- f. Imports from the subject countries have forced the domestic industry to reduce the price steeply during 2005-06 and proposed investigation period. Thus, the imports were depressing the prices in this period.
- g. Demand and market share: - Whereas the market shares of the imports have increased, that of the domestic industry has declined.
- h. Growth: - Growth of the domestic industry in a volume parameters shows positive trend, whereas the same is negative in respect of price trends.
- i. There is significant increase in the import volumes in absolute terms.
- j. Price undercutting is significant. In spite of offering sub-optimal prices, there is a positive price difference between the domestic product and imported product.

58 Response to Disclosure statement

59 Philips and Yaming

The Authority may have rightly taken into perspective the factual situation of the Petitioners as regards the situation post the imposition of anti-dumping duty on CFL into India, but it is critical that the manner in which both the products have been bundled into one investigation with a conclusion that the parts of CFL are sustainable to a complete ready to use CFL with / without choke is clearly untenable and clearly without the jurisprudence settled by the precedents of the Hon'ble Court relied upon on this issue along with the factual evidence made available to show that there is clear demarcation and value addition in terms of physical, mechanical, cost and usage characteristics between both the parts of CFL and complete ready to use CFL with choke and without choke.

Examination by the Authority

60. The Authority notes that the Anti dumping duty was earlier recommended on ready to use CFL. The duties remained in force till 20th December, 2006. The domestic industry earlier represented that non inclusion of sealed glass tubular shells within the scope of the product under consideration has led to continued injury to the domestic industry, as a number of companies have set up assembly facilities in the Country and have started producing and selling CFL by importing the product at semi finished penultimate stage. It was also represented that the production activities from the stage of sealed glass tubular shells and ready to use CFL was quite insignificant, as is established between the production process involved upto the stage of ready to use without choke CFL. It was also represented that the comparison of sealed glass tubular shells with ready to use with choke CFL was misleading, as chokes are an electronic component and constituted separate production activities in itself. There are a large number of electronic component producers in the Country, who could provide choke as a ready to fit item. The domestic industry therefore submitted that non inclusion of sealed glass tubular shells within the scope of the product under consideration has led to a situation where even though there was anti dumping duty in place on the product, the producers continued to suffer injury from such continued dumping of semi finished product.

61. Domestic industry has drawn attention of the Authority to a number of decisions of the CESTAT and High Courts in this regard. In a number of these judgments, it has been held that imposition of anti dumping duty on imports of burners was justified. At the same time, there were judgments stating that collection of anti dumping duty on imports from burners was not justified. Domestic industry has also drawn the attention of the Authority to the circular issued by the CBEC wherein customs port authorities were earlier directed to collect anti dumping duty on imports of semi finished CFLs also. Domestic industry has argued that this was the position even when anti dumping duty was applicable on finished/ ready to use CFL. However, given that there was no anti dumping duty on ready to use CFL, customs authorities gradually agreed to allow imports of semi finished CFL or burners. Resultantly, more & more companies set up assembly facilities and became CFL producers, causing unfair competition to the Indian Producers. Domestic industry has represented that these producers are getting access to semi finished CFL in the form of burners at dumped prices and thereafter are unfairly competing with the domestic industry. Resultantly, whereas overall growth in the product is there, the growth of the domestic industry retarded affecting its profitability gradually.

Cumulative assessment of injury

62. As per annexure-II (iii) of the Rules, in case, imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping investigations, the Authority is required to cumulatively assess effect of such imports, only when it determines that

- a. The margin of dumping established in relation to imports from each country is more than 2% expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is 3% of the imports of like article, and,
- b. Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic article.

63. The Authority has found that the margin of dumping in respect of each of the subject country is more than 2% and the volume of imports from each country is also more than 3%. Cumulative assessment of imports is appropriate in the present case. The Authority has taken note of various arguments put forth by the Domestic Industry. There was no response from other interested parties in this respect.

64. Annexure II of the AD Rules requires that determination of injury shall involve an objective examination of both:

- a. The volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for the like products; and
- b. Consequent impact of these imports on domestic producers of such products.

65. The Authority while examining the volume of dumped imports is required to examine whether there has been a significant increase in the dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree, or prevent price increase which otherwise would have occurred to a significant degree.

66. For the purpose of injury analysis the Authority has examined cumulative effect of dumped imports of the subject goods on the domestic industry and its effect on all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of industry to evaluate the existence of injury and causal links between the dumping and injury, if any.

67. Since significant dumping margins have been established for the exports from the subject countries, entire exports from the subject countries have been treated as dumped imports for the purpose of injury analysis and causal link examination.

Volume Effect of dumped imports

68. The Authority collected transaction wise details of imports of subject goods from DGCI&S. Volume of imports has been determined by cumulating imports of all types of the product under consideration. The imports from China PR and Vietnam are more than de minimis limits individually.

Import Volumes and share of subject countries

69. Imports from each of the subject countries and their share in total imports have been as under –

Figures in Lac Pcs.

Countries	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07
China	161.62	366.38	752.65	1,064.78
Vietnam	14.83	14.86	55.26	54.04
Subject Countries	176.45	381.24	807.91	1,118.82
Trend	100	216	458	634
Other countries	268.56	78.87	124.15	93.12
Trend	100	29	46	35
Total Imports	445.01	460.11	932.06	1,211.94
Trend	100	103	209	272
Market Share in Imports				
China	36.32	79.63	80.75	87.86
Vietnam	3.33	3.23	5.93	4.46
Subject Countries	39.65	82.86	86.68	92.32
Trend	100	209	219	233

Other countries	60.35	17.14	13.32	7.68
Trend	100	28	22	13
Production of DI	80.03	137.89	246.71	257.53
Imports from subject countries	176.45	381.24	807.91	1,118.82
Imports from subject countries as percentage of production of DI	220.48	276.47	327.47	434.45
_ Sealed glass tubular shells	140.55	341.26	668.70	928.95
_ Ready to use CFL	35.90	39.98	139.21	189.87

70. It is found that cumulative imports from subject countries have increased significantly in absolute terms and in relation to imports in India. Imports from China-RP and Vietnam constituted 87.86%, and 4.46% respectively in the POI. It is also noted that whereas imports of ready to use CFL declined, imports of sealed glass tubular shells increased multifold. It is thus evident that more and more companies in India have started importing CFL in semi finished stage and doing processing activities in India.

Demand, Output and Market Shares

71. Share of imports in relation to demand/consumption in India and share of imports in relation to production in India was examined. Relevant information is given below.

Growth In Demand

72. Demand of subject goods has been determined by addition of domestic sales of Indian Industry and imports from all countries. The Authority notes that sealed glass tubular shells represents semi finished CFL and therefore sales of other Indian Producers has been considered on the basis of imports of sealed glass tubular shells. Demand so assessed comes as follows.

Figures in Lac Pcs.

Domestic Industry	***	***	***	***
Subject Countries	176.45	381.24	807.91	1118.82
Other Countries	268.50	78.87	124.15	93.12
Total Import	445.00	460.11	932.06	1211.94
Total Demand	***	***	***	***
Trend	100	113	220	281

73 The Authority notes that demand for the subject goods has been growing significantly. It grew by 181% over the injury period.

Share of imports in demand/consumption and production

74. The Authority determined share of imports in relation to production and consumption in India. Relevant information is given below—

Figures in Lac Pcs.

	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07
Increase in Production		***	***	***
Increase in Demand		67.13	560.70	319.46
Increase in imports		15.10	471.94	279.88
Subject countries		204.79	426.67	310.91
Other countries		(189.69)	45.28	(31.03)

75. The Authority notes that the subject imports have increased far more than the production in India.

Capacity, production and capacity utilization of the Domestic Industry

Figures in Lac Pcs.

	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07
Installed Capacity	***	***	***	***
Trend	100	172	214	299
Production	***	***	***	***
Trend	100	172	308	322
Capacity Utilization %	***	***	***	***
Trend	100	100	144	108
Demand in India	522.25	589.39	1150.08	1469.54
Increase in				
— Demand		67.13	560.70	319.46
— Capacity		***	***	***
— Production		***	***	***
— Imports of burners		***	***	***

76. The Authority notes that capacity and consequently production increased over the injury period. However, in comparison to previous year whereas the demand increased by *** lac Pcs., capacity increased by *** lac Pcs. and production increased by only *** lac Pcs. Further, it is found that there was significant increase in imports of burner. It is thus found that production shifted more to assembly operations by import of the product at semi finished stage, thus affecting capacity enhancement in the Country.

77 Sales volume of Domestic Industry

Figures in Lac Pcs.

	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07
Domestic Industry	***	***	***	***
Trend	100	167	282	334
Increase in				
— Sales of domestic industry		***	***	***
— Imports from subject countries		204.79	426.67	310.91

78. It is noted that even though sales volumes of the domestic industry increased, increase in sales was far less than increase in imports. Given that 83% of imports were of semi finished CFLs, it is evident that the imports of sealed glass tubular shells has prevented increase in sales volumes of the domestic industry.

Market Share

79. Market share of the domestic industry over the injury period is shown below.

Figures in Lac Pcs.

	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07
Domestic Industry	***	***	***	***
Indexed	100	167	282	331
Subject Countries	176.45	381.24	807.91	1118.82
Other Countries	268.56	78.87	124.15	93.12
Total Import	445.01	460.11	932.06	1211.94
Total Demand	***	***	***	***
Trend	100	113	220	281

Share in Demand				
Domestic Industry	***	***	***	***
Trend	100	148	128	119
Subject Countries	***	***	***	***
Trend	100	191	208	225
Other Countries	***	***	***	***
Trend	100	26	21	12
China	***	***	***	***
Vietnam	***	***	***	***
Subject Countries	***	***	***	***
Trend	100	191	208	225

80. It is noted that market share of domestic industry increased significantly between 2003-04 and 2004-05, which was more on account of market share lost by other countries. However, after 2004-05, the domestic industry was unable to increase its market share. In fact, the same declined.

Price Effect of the Dumped Imports on the Domestic Industry

81. With regard to the effect of dumped imports on prices as referred to in sub-rule (2) of rule 18, the Designated Authority shall consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of like product in India or whether effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase, which otherwise would have occurred to a significant degree.

82. The impact on the prices of the domestic industry on account of the dumped imports from the subject countries have been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis the weighted average cost of production, weighted average Net Sales Realization (NSR) and the Non-injurious Price (NIP) of the Domestic industry have been compared with the landed cost of imports from the subject countries. In view of significant price difference between different types of the product under consideration, the analysis has been done separately for sealed glass tubular shells, ready to use with & without choke CFL for different watt. The product has been further grouped into three categories in respect of wattage –

- (a) Upto 10 watt,
- (b) From 11 watt and upto 20 watt,
- (c) From 21 up to 26 watt.

82.1 In response to the disclosure statement, one of the interested party have submitted narrowing down this range further due to substantial price differences among different wattages in the proposed ranges. The authority notes that this argument is based on the submissions that the costs in the proposed ranges (comparison of 11 watt with 20 watt, with choke category) are higher by up to 60% for higher wattage than the lower wattage in the range. The authority notes that the cost differential among the said range (with choke) is not substantial; however the selling price differential is there. The authority also notes that the selling price in case of higher wattage (more than 20, with choke) is lower than the previous wattage. The authority therefore finds no consistency linked with wattages and continues with the categories as recommended and notified at the time of preliminary findings.

83 Separate price comparison has been done in respect of each type. Thereafter, weighted average margin has been determined on the basis of associated volumes.

Price undercutting and underselling effects

Figures in Rs./PC

	Burner	Without choke CFI	With Choke	Total Weighted Average
Net sales realization (POI)	***	***	***	***
Landed price				
China	***	***	***	***
Vietnam		***	***	***
Total subject countries	***	***	***	***
Price undercutting				
China	***	***	***	***
Vietnam		***	***	***
Total subject countries	***	***	***	***
Price undercutting %				
China	52-57	52-57	40-45	80-85
Vietnam		70-75	40-45	28-33
Total subject countries	54-59	53-58	40-45	75-80
Non Injurious Price	***	***	***	***
Price Underselling %				
China	***	***	***	***
Vietnam		***	***	***

Total subject countries	***	***	***	***
Price Underselling %				
China	62-67	56-61	50-55	82-87
Vietnam		72-77	50-55	40-45
Total subject countries	62-67	58-63	50-55	80-85

84. While working out the net sales realization of the domestic industry, the rebates, discounts and commissions offered by the domestic industry and the central excise duty paid have been deducted.

85. Price undercutting has been determined by comparing the weighted average landed value of dumped imports from the subject countries over the entire period of investigation with the weighted average net sales realization of the domestic industry for the same period. For this purpose landed value of imports has been calculated by adding 1% landing charge and applicable basic customs duty to the value reported in the DGCI&S data of import prices from the subject countries. The price undercutting from subject countries was in the range of 40-85% during POI.

86. For the purpose of price underselling the weighted average landed prices of imports from subject countries have been compared with the Non-injurious price of the domestic industry determined for the POI. It shows that underselling was in the range of 53-82%.

Price suppression and depression effects of the dumped imports:

87. The price suppression effect of the dumped imports has also been examined with reference to the cost of production, net sales realization and the landed values from the subject countries.

88. The Authority notes that there were upward trends in the cost of sales during the injury period. The cost of sales which was 100 (indexed) in the base year went up to 109% in the POI. The Authority notes that decrease in the selling price was not more than the cost up to 2004-05, thereafter the increase in selling price was not proportionate to the increase in cost. The trend of cost of production shows that weighted average cost of Production rose by 9% during POI as compared to base year whereas the selling price had increased only by 5% during POI indicating that the domestic industry could not realize the selling price commensurate with the increase in cost of production.

Examination of Other Injury Parameters

89. After having examined the effect of dumped imports on the volumes and prices of the domestic industry and major injury indicators like volume and value of imports, capacity, output, capacity utilization and sales of the domestic industry as well as demand pattern with market shares of various segments in the earlier section, other economic parameters which could indicate existence of injury to the domestic industry have been analyzed hereunder as follows:

90 Profits

Figures in Rs.

Cost of sales	***	***	***	***
Trend	100	88	101	109
Selling Price	***	***	***	***
Trend	100	86	98	105
Profit/Loss	***	***	***	***
Trend	100	(96)	(352)	(334)
PBIT	***	***	***	***
Trend	100	52	(36)	(71)
Cash Profit	***	***	***	***
Trend	100	58	(25)	(11)

91. The data indicate that weighted average cost of sales of the domestic industry went up by 9% during POI as compared to base year against which the weighted average selling price increased only by 5% during POI. The profit of domestic industry on the domestic sales (PBIT), which was 100 (indexed) in 2003-04 declined to 52 in 2004-05 and to loss in subsequent years. The Authority notes that there has been significant deterioration in the profitability of domestic industry during the POI as compared to base year 2003-04.

92 **Return on investment**

Figures in Rs.Lacs

PBIT	***	***	***	***
Trend (Indexed)	100	52	(36)	(71)
Net Fixed Assets	***	***	***	***
Trend (Indexed)	100	113	125	151
Working Capital	***	***	***	***
Trend (Indexed)	100	89	95	115
Capital Employed	***	***	***	***
Trend (Indexed)	100	105	115	139
Return on Capital Employed(%)	***	***	***	***
Trend (Indexed)	100	50	(31)	(51)

93. The Authority notes that there has been continued decline in the return on capital employed earned by the domestic industry. The return on capital employed, which was 100 (indexed) in the year 2003-04 declined sharply to 51 in POI.

Productivity

Particulars	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07
Productivity per employee (Pcs)	***	***	***	***
Trend (Indexed)	100	150	263	275

94. The data on production per employee shows that the productivity increased significantly over the period.

Employment and wages

	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07
Employment (Manpower strength)	***	***	***	***
Trend (Indexed)	100	141	169	196
Wages (Rs.Lacs)	***	***	***	***
Trend (Indexed)	100	170	347	550

95. The employment level shows significant change in line with increase in production. The wage increase is commensurate with increase in no. of employees and production during POI as compared to base year.

Inventories

	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07
Average Stock (Lac Pcs)	***	***	***	***
Trend (Indexed)	100	142	309	413
Average Stock in terms of No of Days sales	***	***	***	***
Trend (Indexed)	100	85	109	124

96. The trends in the average inventory show that average inventory increased more than three times over the period. The Authority notes that at the beginning of POI the opening inventory was equal to about *** days sales, which went up to about *** days sales at the close of POI. In other words, during POI there has been accumulation of inventory as the closing inventory was nearly 8 times the opening inventory, which reflects an adverse off take.

Growth

97. The growth in demand shows positive trend from base year to POI on year-to-year basis. The growth in capacity, production & sales were positive. However, growth in profits, return on investments and cash profits was negative. Further, even though growth in capacity, production and sales volumes was positive, it is noted that the growth in demand was far more than growth of the domestic industry.

Investment

98. The authority notes that the domestic industry seeing the growth potential in the product increased its capacity of subject goods from base year to POI. The fresh investment by the domestic industry during the period of investigation is as follows:

Rs. In Lacs

Fresh Investment	***	***	***
Trend (Indexed)	100	74	128

Magnitude of Dumping

99. Magnitude of dumping as an indicator of the extent to which the dumped imports can cause injury to the domestic industry shows that the dumping margins determined against the subject countries, for the POI, are significant.

Factors affecting prices and Conclusion on injury

100. Imports of subject goods increased significantly in absolute terms. Imports increased significantly in relation to total imports into India, production and consumption in India. Further, there was significant increase in imports of burners, which constitutes semi finished CFL. With regard to price effect, it is found that imports were significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market. As regards consequent impact of dumped imports on the domestic industry, it is noted that the product was earlier facing dumping from China and anti dumping duties were in force throughout the injury period. However, there were no anti dumping duties on imports of semi finished CFLs or burners. Performance of the domestic industry improved in terms of capacity, production, capacity utilization, and sales volumes. However, improvements in these parameters were far less than improvements in demand in the Country. Market share of the domestic industry first improved and thereafter declined. Performance of the domestic industry deteriorated in terms of profits, cash profit and return on investments.

101. On the basis of above analysis, the Authority holds that the performance of the domestic industry deteriorated over the injury period, thus collectively and cumulatively showing that the domestic industry has suffered material injury.

Causal Link

102. In order to reach its conclusions on the cause of the injury suffered by domestic industry and in accordance with article 3.5 of Agreement on Anti-Dumping and as per Para (v) of Annexure-II under Rule 11 under Customs Tariff Act as amended, the Authority examined the impact of all known factors and their consequences on the situation of the domestic industry. Known factors other than dumped imports, which could at the same time have injured the domestic industry were also examined to ensure that the possible injury caused by these other factors was not attributed to the dumped imports.

103 Examination of Other Known Factors**Volume and prices of imports from other sources**

104. The Authority notes that out of total imports, the volumes of imports from other countries are 6% during POI. The Authority notes that the imports from other countries also have been contributing to the injury of the domestic industry.

Contraction in demand and / or change in pattern of consumption

105. The Authority notes that there is no contraction in the overall demand during POI. On the contrary, overall demand for subject goods has shown significant positive growth during the injury period. The demand of subject goods has shown growth of 181% over the injury period. There is no significant change in consumption pattern of the product in the domestic market, which could be attributed to the injury to the domestic industry.

Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

106. The Authority notes that there is a single market for the subject goods where dumped imports from subject countries compete directly with the subject goods produced by domestic industry. Imports of semi finished CFL are being sold in the same market as finished ready to use CFL and are also competing with the domestic industry.

107. The Authority notes that no evidence of restricted practice prevalent in the industry, which could be attributed to the injury to the domestic industry, has been brought to the notice of the Authority.

Development in technology

108. On the basis of examination of the records, the Authority holds that the development in technology has not been a relevant factor for the injury to the domestic industry.

Export performance

109. The Authority notes that the export volumes of the domestic industry were insignificant during the POI. Performance with respect to various economic indicators has been determined with respect to domestic sales only. Hence, the Authority holds that material injury suffered by the domestic industry may not be as a result of the export performance of the domestic industry.

Productivity of the Domestic Industry

110. Productivity of the domestic industry in terms of production per employee has significantly increased.

111. No other factor, which could have possibly caused injury to the domestic industry, has been brought to the knowledge of Authority. The Authority holds that the imports from the subject countries have caused material injury to the domestic industry.

Conclusion On Causation

112. The Authority notes that imports of CFL were significantly undercutting the prices of the domestic industry. It is also noted that the landed price of semi finished CFLs were significantly below the cost of production of the domestic industry upto this stage. As a direct consequence, volume of imports increased significantly. The increase was more pronounced in respect of semi finished CFL. Consequently, market share, profit/loss, cash profits, return on investment, which should have improved given the anti dumping duties earlier imposed, rather declined over the

injury period. Further, even though capacity, production, capacity utilization and sales volumes increased, the same were far below the market growth. Dumped imports have affected growth of the domestic industry in the Country.

FINAL FINDINGS:

113. Having regard to the issues raised, information provided and submissions made by the interested parties and facts available before the Authority through the submission of interested parties including those made as comments to the disclosure statement or otherwise as recorded in the above findings and on the basis of the above analysis of the state of current dumping and injury, the Authority concludes that:

- i. Imports originating in the subject countries namely China PR and Vietnam are taking place at dumped prices and the same have caused material injury to the domestic industry
- ii. Subject goods exported from the subject countries are at prices below their normal values, Non Injurious Price of the domestic industry and the net sales realization of the subject goods of the applicants, and have caused injury to the domestic industry
- iii. Decline in market share of domestic industry as a consequence of increase in market share of subject imports from the subject country prevented the domestic industry from increasing their sales commensurate to growth in demand
- iv. Significant price-undercutting and substantial increase in the volume of dumped imports adversely affected the performance of the domestic industry in terms of profits, cash flow, and return on investment.
- v. Significant increase in volume of dumped imports from the subject country (both in absolute terms as well as in relation to the share in demand) has resulted in significant decline in market share of the domestic industry

114. Having regard to the lesser duty rule followed by the authority, the Authority recommends imposition of anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, the antidumping duty equal to the difference between the amount indicated in Col 9 of the table below and the landed value is recommended to be imposed on all imports of subject goods originating in or exported from these subject countries namely China PR and Vietnam.

Duty Table

S. No	Heading	Description	Specification and Sub specification	Country Of origin	Country of export	Producer	Exporter	Amount	Unit of Measurement	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
1.	8539	Compact Fluorescent Lamps*	Burner- Up to 10 watt	China	China	Foshan Electrical and Lighting Co Ltd.	Foshan Electrical and Lighting Co Ltd.	0.364	Per pc	USD
2	-do-	-do-	Burner- 11 to 20 watt	China	China	Foshan Electrical and Lighting Co Ltd.	Foshan Electrical and Lighting Co Ltd.	0.397	Per pc	USD
3	-do-	-do-	Burner- 21 to 26 watt	China	China	Foshan Electrical and Lighting Co Ltd.	Foshan Electrical and Lighting Co Ltd.	0.449	Per pc	USD
4	-do-	-do-	Burner upto 10 Watt	China	any	Any combination of producer and exporter other than at SI no. 1		0.389	Per pc	USD
5	-do-	-do-	Burner- 11 to 20 watt	China	any	Any combination of producer and exporter other than at SI no. 2		0.457	Per pc	USD
6.	-do-	-do-	Burner- 21 to 26 watt	China	any	Any combination of producer and exporter other than at SI no. 3		0.500	Per pc	USD
7	-do-	-do-	Burner- Up to 10 watt	Any other than subject countries	China	any	any	0.389	Per pc	USD
8.	-do-	-do-	Burner- 11 to 20 watt	Any other than subject countries	China	any	any	0.457	Per pc	USD
9.	-do-	-do-	Burner- 21 to 26 watt	Any other than subject countries	China	any	any	0.500	Per pc	USD
10	-do-	-do-	Finished lamp Without choke- 11 to 20 watt	China	China	Philips & Yaming Lighting Co. Ltd.	Philips & Yaming Lighting Co. Ltd.	0.992	Per pc	USD

11	-do-	-do-	Finished lamp Without choke- 11 to 20 watt	China	China	Any combination of producer and exporter other than at SI no. 10		1.068	Per pc	USD
12	-do-	-do-	Finished lamp Without choke- 21 to 26 watt	China	China	Philips & Yaming Lighting Co. Ltd.	Philips & Yaming Lighting Co. Ltd.	1.622	Per pc	USD
13	-do-	-do-	Finished lamp Without choke- 21 to 26 watt	China	China	Any combination of producer and exporter other than at SI no. 12		1.658	Per pc.	USD
14.	-do-	-do-	Finished lamp Without choke 11 to 20 watts	China	any	Any combination of producer and exporter other than at SI no. 10		1.068	Per pc	USD
15	-do-	-do-	Finished lamp Without choke up 21 to 26 watts	China	any	Any combination of producer and exporter other than at SI no. 12		1.658	Per pc	USD
16	-do-	-do-	Finished lamp Without choke 11 up to 20 watts	Any other than subject countries	China	any	any	1.068	Per pc	USD
17	-do-	-do-	Finished lamp Without choke 21 up to 26 watts	Any other than subject countries	China	any	any	1.658	Per pc	USD
18.	-do-	-do-	Finished lamp With choke- up to 10 watt	China	China	Philips & Yaming Lighting Co. Ltd.	Philips & Yaming Lighting Co. Ltd.	1.063	Per pc	USD
19.	-do-	-do-	Finished lamp With choke- up to 10 watt	China	China	Osram China Lighting Co. Ltd.	Osram China Lighting Co. Ltd.	1.131	Per pc	USD
20.	-do-	-do-	Finished lamp With choke- up to 10 watt	China	any	Any combination of producer and exporter other than at SI no. 18 and SI no. 19		1.501	Per pc	USD
21.	-do-	-do-	Finished lamp With choke- up to 10 watt	Any other than subject countries	China	Any	any	1.501	Per pc	USD
22.	-do-	-do-	Finished lamp With choke- 11 to 20 watt	China	China	Philips & Yaming Lighting Co. Ltd.	Philips & Yaming Lighting Co. Ltd.	1.251	Per pc	USD

23.	-do-	-do-	Finished lamp With choke- 11 to 20 watt	China	China	Osrarn China Lighting Co. Ltd.	Osrarn China Lighting Co. Ltd.	1.316	Per pc	USD
24.	-do-	-do-	Finished lamp With choke- 11 to 20 watt	China	any	Any combination of producer and exporter other than at SI no. 22 and SI no. 23		1.628	Per pc	USD
25.	-do-	-do-	Finished lamp With choke- 11 to 20 watt	Any other than subject countries	China	Any	any	1.628	Per pc	USD
26.	-do-	-do-	Finished lamp With choke 21 to 26 watt	China	China	Philips & Yaming Lighting Co. Ltd.	Philips & Yaming Lighting Co. Ltd.	1.880	Per pc	USD
27.	-do-	-do-	Finished lamp With choke 21 to 26 watt	China	any	Any combination of producer and exporter other than at SI no. 26		1.908	Per pc	USD
28.	-do-	-do-	Finished lamp With choke 21 to 26 watt	Any other than subject countries	China	Any	Any	1.908	Per pc	USD
29.	-do-	-do-	Burners up to 26 watts	Vietnam	Any	any	Any	0.452	Per pc	USD
30.	-do-	-do-	Burners up to 26 watts	Any	Vietnam	any	Any	0.452	Per pc	USD
31.	-do-	-do-	Finished lamp Without choke Up to 26 watt	Vietnam	Any	any	any	0.479	Per pc	USD
32.	-do-	-do-	Finished lamp Without choke Up to 26 watt	Any	Vietnam	any	any	0.479	Per pc	USD
33.	-do-	-do-	Finished lamp With choke Up to 26 watt	Vietnam	Any	any	any	1.582	Per pc	USD
34.	-do-	-do-	Finished lamp With choke Up to 26 watt	Any	Vietnam	any	any	1.582	Per pc	USD

* Scope of the product subject to duty is Compact Fluorescent Lamps with or without ballast or control gear or choke, whether or not assembled, either in completely knocked down or semi knocked down conditions, including unassembled Compact Fluorescent Lamps without ballast or choke or control gear, sealed tubular shell with or without lamp base. Finished compact fluorescent lamps are:

- (i) Integrated type with built in ballast or control gears or choke and
- (ii) Integrated type without built in control gears or ballast or choke.

Explanation: For the purpose of this notification, "landed value" means the assessable value as determined under the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and includes all duties of customs except duties levied under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the said Customs Tariff Act.

115. Subject to above, the Authority confirms the provisional findings Notification No. 14/1/2007-DGAD dated 12th March, 2008 and customs notification dated 21 Nov 2008, and recommends imposition of the anti-dumping duty as in Para 114 above and the duty table as above from the date of imposition of provisional anti-dumping duty.

116. An appeal against the orders of the Central Government that may arise out of this recommendation shall lie before the Customs, Excise and Service tax Appellate Tribunal in accordance with the relevant provisions of the Act.

R. GOPALAN, Designated Authority